THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 56 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.11 2082 शुक्रवार, 23 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी ने 18 स्टेशनों का किया लोकार्पण

अहमदाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण तथा उनके विजन के संकल्प के फलस्वरूप देश को अमृत स्टेशन योजना की भेंट मिली है। इस योजना अंतर्गत देश के 1300 से अधिक स्टेशनों का कायाकल्प कर उनका पुनर्विकास किया जा रहा है। गुजरात के 87 स्टेशनों का भी 6303 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 164 करोड़ रुपये की लागत से गुजरात के पुनर्विकसित हो चुके 18 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम में किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अमृत स्टेशन योजना अंतर्गत नवीनीकृत हुए लींबडी रेलवे स्टेशन के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित रहे। >14

'ना ट्रेड न टॉक अब पीओके पर होगी बात'

> अब मोदी की नसों में खून नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा

> 22 मिनट में आतंकी ठिकाने तबाह किए

> आतंकवाद से निपटने के तीन सूत्र तय किए

बीकानेर, 22 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार बीकानेर आए। जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर देशनोक के पलाना में हुई सभा में मोदी करीब 40 मिनट बोले। उन्होंने साफ कर दिया कि पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया जाएगा। भारतीयों की जान से खेलने वालों को कतई नहीं बख्शा जाएगा। एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। हिंदुस्तान का लहू बहाने वालों को कतरे-कतरे का हिसाब चुकाना पड़ेगा। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान की सीमा के नजदीक देशनोक से देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। बीकानेर-बांद्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही 26 हजार करोड़ रुपये के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। बीकानेर के नाल एयरबेस से सीधे मोदी करणी माता के मंदिर गए और पूजा-अर्चना की। यहां से पलाना गांव में जनसभा करने पहुंचे।

22 अप्रैल को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, उन गोलियों से 140 करोड़ देशवासियों का सीना छलनी हुआ था। तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी और तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

पहलगाम हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतंकियों के 9 सबसे बड़े ठिकाने तबाह किए। दुनिया ने देखा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है? पांच साल पहले बालाकोट में देश ने एयरस्ट्राइक की थी। उसके बाद मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी। वीर भूमि का ही ये तप है कि ऐसा संयोग फिर बना कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीकानेर में सभा हो रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद से निपटने के तीन सूत्र तय किए। पहला, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो करारा जवाब मिलेगा। समय हमारी सेनाएं तय करेंगी, तरीका भी हमारी सेना तय करेगी और शर्तें भी हमारी होंगी। दूसरा, एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। >14

मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, एक जवान घायल

जम्मू, 22 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को संयुक्त सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान के दौरान एक जवान घायल हो गया। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादियों के खिलाफ 11 राष्ट्रीय राइफल्स, 7 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) सहित संयुक्त बलों ने किश्तवाड़ जिले के सिंघपोरा, चटरू इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। आतंकियों की संख्या चार बताई गई थी। दो आतंकियों की मौत के बाद दो आतंकियों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने बताया, मुठभेड़ सुबह शुरू हुई और अभी भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि तीन से चार आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद संयुक्त सुरक्षा बलों ने किश्तवाड़ जिले के सिंघपोरा, चटरू इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया।

'दुनिया आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत के साथ आए'

> सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी पर बोला विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी समेत तमाम मुद्दों पर जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम आतंकवाद से लड़ने के अपने संकल्प को दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए एक साथ आए। उन्होंने कहा कि हम दुनिया से आग्रह करना चाहते हैं कि वे सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराएं। पाकिस्तान पिछले 40 वर्षों से भारत के खिलाफ आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। उसके कार्यों को उजागर करने की आवश्यकता है। उसे भारत के खिलाफ किए गए आतंकी हमलों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसलिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं। तीन प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। यह एक राजनीतिक मिशन है।

चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता पर उन्होंने कहा कि हमने कुछ रिपोर्ट देखी हैं। मुझे इसके अलावा और कुछ नहीं कहना है। विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के साथ बातचीत पर हमने जानकारी दी थी। विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री को धन्यवाद दिया। वे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम सुनवाई पूरी

कोर्ट ने याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद तीन प्रमुख मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिए। इनमें उन संपत्तियों को डिनोटिफाई (अववक्फ घोषित) करने की शक्ति से संबंधित मुद्दा भी शामिल है, जिन्हें अदालतों द्वारा, परंपरागत उपयोग के आधार पर या वक्फनामे के तहत वक्फ घोषित किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले करीब तीन दिन तक वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलें सुनीं, जो संशोधित वक्फ कानून के विरोध में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा।

केंद्र ने इस अधिनियम का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि वक्फ अपने स्वभाव में एक "धर्मनिरपेक्ष अवधारणा" है और इसे रोका नहीं जा सकता, क्योंकि संसद द्वारा पारित किसी कानून को संविधान सम्मत मानने का पूर्वानुमान होता है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने इस कानून को "ऐतिहासिक कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों से पूर्ण विचलन" बताया और कहा कि यह "गैर-न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने" का एक तरीका है। उन्होंने कहा, यह वक्फ संपत्तियों पर सुनियोजित कब्जे का मामला है। सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जा सकते हैं। >14

पूर्व राज्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक समेत 5 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला करीब 2,200 करोड़ रुपये के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी को लेकर है।

सीबीआई ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर छापा मारा था। साथ ही दिल्ली में 29 अन्य ठिकानों पर भी रेड की थी। दरअसल, सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते 300 करोड़ की रिश्वत ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद सीबीआई ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के कहने पर मामला दर्ज किया था। मलिक अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे। चार्जशीट दाखिल होने के बाद सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया पर कहा कि वो अस्पताल में भर्ती हैं और किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं, लेकिन वो जवाब नहीं दे पा रहे।

सुप्रीम कोर्ट बोला-ईडी ने सारी हदें पार कीं

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सारी हदें पार कर दी हैं। वह देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन (टीएएसएमएसी) और तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

ईडी ने मार्च में टीएएसएमएसी मुख्यालय पर छापेमारी के बाद कहा था कि उसे एक हजार करोड़ रुपये की हेराफेरी का पता चला है। कॉर्पोरेट पोस्टिंग, ट्रांसपोर्ट और बार लाइसेंस टेंडर से जुड़ा डेटा मिला है। धोखाधड़ी करके शराब को तय कीमत से ज्यादा पर बेचने के भी सबूत हैं। अदालत ने एजेंसी को जांच और छापेमारी रोकने का भी निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच कर रही थी। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य ने 2014 से 2021 के दौरान भ्रष्टाचार मामले में शराब दुकानदारों पर 41 एफआईआर दर्ज कीं। ईडी ने 2025 में टीएएसएमएसी मुख्यालय पर छापा मारा। उसने अधिकारियों के फोन और डिवाइस ले गए और सब कुछ क्लोन किया। इस पर सीजेआई ने ईडी की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से पूछा कि टीएएसएमएसी के खिलाफ अपराध कैसे बनाया गया। >14

वक्फ कानून पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य का बड़ा बयान

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजीनगर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मोहम्मद मोइज़ उद्दीन कासमी ने वक्फ कानून पर कहा, इस महीने की 25 तारीख (यानी 25 मई) को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य और क्षेत्र के स्थानीय प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे। अन्य धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाले संगठनों के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। वे अब कानून बन चुके बिल के बारे में पूरी जानकारी देंगे। मोहम्मद मोइज़ उद्दीन कासमी ने बताया कि यह कार्यक्रम 25 मई की शाम 6.00 बजे से लेकर रात 10.00 बजे तक चलेगा। इसमें पूरे शहर से लोग जुड़ेंगे और माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम में करीब 1 लाख लोगों की भीड़ रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस कार्यक्रम में केवल मुसलमान नहीं, बल्कि इंसान पसंद जितने नागरिक हैं, सभी आएं और 'जुल्म' के खिलाफ आवाज उठाएं।

असदुद्दीन ओवैसी ने उठाए सवाल

इससे पहले एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ कानून पर सवाल उठाते हुए बीजेपी पर निशाना साधाते हुए कहा, 'उत्तराखंड में 170 मदरसों को सील कर दिया गया। उत्तर प्रदेश में 350 मजहबी जगहों को जिसमें मस्जिद, मदरसे, मजार और ईदगाह है, उसकी सीलींग कर दी गई, उस पर बुलडोजर चल जाएगा। गुजरात में बीजेपी 1998 यानी 25 साल से सत्ता में है। अहमदाबाद के चंदोला तलाब पर 30 साल से हिन्दू-मुसलमान साथ रहते हैं। 4-8 हजार झोपड़ी को तोड़ दिया, और कहा गया कि यहां बंग्लादेशी निकले हैं। ये गरीब कहां जाएंगे, इस देश में गरीबों का क्या होगा।"

'ट्रंप के सीजफायर के लिए दखल देने के दावे पर कांग्रेस ने सवाल उठाए

इस खामोशी का क्या मतलब

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा कर रहे है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान व्यापार का सहारा लेकर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए मनाया तो दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक एक बार भी ट्रंप के दावों को खारिज नहीं किया है। उनकी (पीएम मोदी) की खामोशी का क्या मतलब है? देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने गुरुवार को यह सवाल सरकार से किया। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि ट्रंप ने आठवीं बार दावा किया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर विराम लगवाया है। खेड़ा ने एक्स पर कहा, ट्रंप का दावा है कि उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को खत्म करवाने के लिए व्यापार का सहारा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक इन दावों को एक बार भी खारिज नहीं किया है। इस खामोशी का क्या मलतब है? ओवल ऑफिस में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सीरिल रामफोसा के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा, यदि आप भारत और पाकिस्तान के तनाव पर हमने क्या किया यह पूछें तो मैं कहूंगा कि हमने वह पूरा मामला सुलझा लिया। मेरा मानना है कि मैंने इसे व्यापार का हवाला देकर सुलझा लिया।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका- भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के साथ बड़ा सौदा कर रहा है। ट्रंप के अनुसार उन्होंने दोनों देशों से कहा कि आप क्या कर रहे हैं? ट्रंप ने कहा, किसी न किसी को आखिरी वार करना पड़ेगा। दोनों देशों के बीच हालात बद से बदतर इसलिए हमें उनसे बात करनी पड़ी। किसी को तो आखिरी में गोली चलानी ही थी। लेकिन गोलीबारी की घटनाएं बढ़ती ही जा रही थीं, बड़ी होती जा रही थीं, देशों में गहरी होती जा रही थीं। और हमने उनसे बात की, और मुझे लगता है कि हमने, आप जानते हैं, मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि हमने इसे सुलझा लिया है, और फिर दो दिन बाद, कुछ ऐसा हुआ, और उन्होंने कहा कि यह ट्रम्प की गलती है। ट्रंप ने कहा, लेकिन।।।

पाकिस्तान में कुछ बेहतरीन लोग और कुछ बहुत अच्छे, महान नेता हैं। और भारत मेरा मित्र है, मोदी मेरे मित्र हैं। इस दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने जवाब दिया, मोदी, सबके मित्र हैं। ट्रम्प ने कहा, वह एक महान व्यक्ति हैं और मैंने उन दोनों को फोन किया। यह अच्छी बात है। दोनों नेताओं के बीच इस बातचीत के बाद अब इस मासले पर हमलावर हो गई है।

कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है

'मराठी गानों को नियमित रूप से बजाएं'

प्राइवेट रेडियो स्टेशनों से महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार की खास अपील

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने निजी रेडियो स्टेशनों से एक खास अपील की है। उनका कहना है कि रेडियो पर मराठी के इमोशनल और भक्ति गानों का नियमित प्रसारण किया जाना चाहिए। शेलार का मानना है कि ग्रामोफोन और कैसेट युग के ये गानें आज भी मराठी सुनने वालों के दिलों पर राज करते हैं। ये गीत लोगों की भावनाओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह बात मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में कही। इस बैठक में निजी रेडियो चैनलों के प्रतिनिधियों से उनकी बातचीत हुई। शेलार ने कहा कि राज्य सरकार मराठी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रेडियो माध्यम को सशक्त बनाना चाहती है और इसके लिए निजी रेडियो क्षेत्र के साथ तालमेल बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारी पीढ़ी ने ऑल इंडिया रेडियो के जरिए ऐसे गीतों को सुनते हुए बचपन बिताया है, जिनका भावनात्मक प्रभाव अत्यंत गहरा था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का श्रोतावर्ग हमेशा से भक्ति और भावनात्मक गीतों से विशेष जुड़ाव रखता आया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि आज भी राज्य के गांवों और शहरों में जब सत्यानारायण पूजा का आयोजन होता है, तो प्रह्लाद शिंदे के अमर भजन उस माहौल को संपूर्णता प्रदान करते हैं। ये गीत केवल संगीत नहीं, बल्कि परंपरा का हिस्सा बन चुके हैं। शेलार ने कहा कि इन गीतों की उपस्थिति भावनाओं को गहराई तक छूती है और इन्हें सुनना आज भी कई परिवारों के लिए एक सांस्कृतिक अनुष्ठान जैसा है। इस बैठक में रेड एफएम और रेडियो सिटी 91.1 सहित विभिन्न निजी रेडियो चैनलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

पहलगाम हमले पर संजय राउत का बड़ा बयान

'ऑपरेशन सिंदूर तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक कि उन छह आतंकियों का खात्मा नहीं होगा'

जम्मू, 22 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के गुरुवार को एक महीने पूरे हुए। 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए हमला किया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। पाकिस्तान और पीओके में सेना ने 13 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इस बीच शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तब तक पूरा नहीं होगा जब तक कि उन छह आतंकियों का खात्मा नहीं होगा। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा, "पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या हुई। माताएं-बहनों का सिंदूर खत्म कर दिया। जो दहशतगर्द थे, उनका क्या हुआ? क्या ये सवाल हमेशा रहेगा? आपने पहले युद्ध किया, फिर सीजफायर किया, फिर ट्रंप (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप) आए, आपने 50-60 लोगों को विदेश यात्रा पर भेज दिया, लेकिन मुख्य प्रश्न है कि वो छह आतंकी कहां हैं?" उन्होंने आगे कहा, "इसको लेकर अगर देश के गृह मंत्री (अमित शाह) ने अवगत कराया तो हम आभारी रहेंगे। ऑपरेशन सिंदूर तब तक पूरा नहीं होगा जब तक कि उन छह आतंकियों का खात्मा नहीं होगा। वो नहीं हो रहा है, एक महीना हो गया। न पुलवामा के आतंकी की खात्मा हुआ। पता नहीं वो कौन थे, कहां गए। पहलगाम में भी यही हो रहा है। केवल लंबा-लंबा भाषण चल रहा है।" वहीं कांग्रेस की सांसद प्रणीति शिंदे ने भी गुरुवार को पूछा कि देश आज तक इंतजार कर रहा है कि वो चार आतंकी कहां हैं, जिन्होंने हमारे 26 लोगों की हत्या कर दी। सरकार उन्हें अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं कर पाई है? क्या सरकार उसकी गिरफ्तारी के लिए सरकार कार्रवाई कर रही है?

तंजावुर-तिरुचिरापल्ली हाईवे पर हादसा पांच की मौत

चेन्नई, 22 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तंजावुर-तिरुचिरापल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सेंगकिपट्टी पुल के पास एक सरकारी बस और एक निजी टेम्पो वैन की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई है। तंजावुर जिला कलेक्टर प्रियंका बालासुब्रमण्यम ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। तंजावुर जिला कलेक्टर प्रियंका बालासुब्रमण्यम ने बताया कि हादसा रात्रि करीब आठ बजे हुआ। उन्होंने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं, दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में एक महिला भी शामिल है। सभी की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं।

एनआरआई के साथ संपत्ति की धोखाधड़ी चिंताजनक

हाईकोर्ट का आरोपी को जमानत से इनकार, कहा-परेशान करने वाले मामले

चंडीगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एनआरआई लोगों से संपत्ति धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे चिंताजनक प्रवृत्ति करार दिया है। खुद को संपत्ति का मालिक बता एनआरआई की संपत्ति बेचने वाले आरोपी व्यक्तियों को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इन्कार करते हुए यह टिप्पणी की है। लुधियाना निवासी बगेल सिंह और रघुवीर सिंह ने याचिका दाखिल करते हुए अग्रिम जमानत की मांग की थी। आरोप के अनुसार लुधियाना में एक एनआरआई के स्वामित्व वाली करोड़ों की संपत्ति को केवल 30।20 लाख रुपये में बेचा गया था। कोर्ट ने कहा कि यह अजीब है कि बिक्री विलेख के निष्पादन के समय उप-पंजीयक ने डिमांड ड्राफ्ट के बजाय चेक प्रस्तुत करने की अनुमति दी। मामले के तथ्य और परिस्थितियां स्पष्ट रूप से संकेत देती हैं कि याचिकाकर्ता और अन्य सह-आरोपी ने एनआरआई की संपत्ति हड़पने की एक बड़ी साजिश रची थी। पंजाब सरकार ने कहा कि सह-आरोपी के पक्ष में बिक्री विलेख निष्पादित किए जाने के समय वास्तविक मालिक को धोखाधड़ी के बारे में पता भी नहीं था। राजस्व अधिकारियों सहित अन्य सह-आरोपी की भूमिका स्थापित करने के लिए याचिकाकर्ताओं से हिरासत में पूछताछ करना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला एक और परेशान करने वाली प्रवृत्ति का उदाहरण है जो लगातार बढ़ रही है। बेईमान व्यक्ति एनआरआई का फायदा उठाते हैं, खासकर उन लोगों का जो अक्सर भारत नहीं आ पाते या यहां अपनी संपत्ति का प्रबंधन नहीं कर पाते। बार-बार ऐसे कमजोर संपत्ति मालिकों को जाली दस्तावेजों, पावर ऑफ अटॉर्नी के दुरुपयोग के माध्यम से धोखा दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर उनकी संपत्ति बहुत कम कीमत पर बेची जाती है। यह रियल एस्टेट पारिस्थितिकी तंत्र में जनता के विश्वास और अंततः राज्य की आर्थिक स्थिरता पर भी व्यापक प्रभाव डालते हैं।

एनआरआई ने खुद को गोली से उड़ायाः पत्नी और बेटा विदेश में

जालंधर, 22 मई (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में एक एनआरआई ने खुद को गोली मारकर कर मौत को गले लगा लिया। विदेश से लौट कर अपने गांव स्थित घर में अकेले रहने वाले एनआरआई ने खुद को गोली मार कर जान दे दी। मामला जालंधर देहात के इलाके नूरमहल के नजदीकी गांव बैनापुर का है। घर पर अकेले रहने वाले एनआरआई सेवा सिंह ने बुधवार देर शाम यह खौफनाक कदम उठा लिया। सेवा सिंह काफी बुजुर्ग था, उसकी उम्र 85 साल थी। मृतक सेवा सिंह के परिवार के लोग विदेश में ही रहते हैं। सेवा सिंह भी विदेश में रहता था और करीब चार साल पहले विदेश से गांव बैनापुर आ गया था।

छात्रा से छेड़छाड़ करता था कॉलेज प्रिंसिपल परेशान होकर पुलिस के पास पहुंची लड़की

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। मुंबई के बोरीवली इलाके में यौन उत्पीड़न का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 37 साल के कॉलेज प्रिंसिपल को उसी कॉलेज में पढ़ने वाली 17 साल की छात्रा से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मुंबई की एमएचबी पुलिस ने कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ बीएनएस की धारा 74,75 और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग पीड़िता मुंबई के नागपाड़ा इलाके की रहने वाली है और अपने परिवार के साथ रहती है। वह बोरीवली के एक कॉलेज में पढ़ाई कर रही है, जहां आरोपी प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत था। शिकायत के अनुसार, प्रिंसिपल कई महीनों से लड़की के करीब आने की कोशिश कर रहा था, गलत व्यवहार कर रहा था और बार बार उसे परेशान कर रहा था। आरोपी ने कथित तौर पर लड़की के साथ संबंध बनाने की कोशिश की और नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करता था। लड़की ने परेशान होकर मुंबई के एमएचबी पुलिस से संपर्क किया और घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेकर तुरंत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है। आरोपी ने बार-बार यौन संबंध बनाने की कोशिश की, लड़की से छेड़छाड़ की और उसके साथ उससे अवैध संबंध बनाने का दबाव डाला। शुरू में तो लड़की सामाजिक कलंक और अपमान के डर से चुप रही। लेकिन, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना सहन न कर पाने के कारण उसने आखिरकार एमएचबी पुलिस को घटना की सूचना दी। एमएचबी थाने की पुलिस ने शिकायत को गंभीर मानते हुए छेड़खानी और पोक्सो एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

ईडी का बड़ा एक्शन

रान्या राव सोना तस्करी केस में कर्नाटक के गृह मंत्री से जुड़े संस्थानों पर की छापेमारी

बेंगलुरु, 22 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ईडी की रडार पर हैं। गृहमंत्री से जुड़े संस्थानों पर ईडी की टीम पहुंची थी। प्रवर्तन निदेशालय ने कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव और अन्य के खिलाफ सोना तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से जुड़े स्थानों पर तलाशी जारी रखी। सूत्रों के अनुसार, राज्य में सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज और सिद्धार्थ कॉलेज में तलाशी जारी रही। ईडी के अधिकारियों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत राज्य में 16 स्थानों पर छापेमारी की।

हवाला ऑपरेटर को बनाकर की गई छापेमारी

छापेमारी हवाला ऑपरेटर और अन्य ऑपरेटर को निशाना बनाकर की गई है। जिन्होंने कथित तौर पर राव के खातों में 'फर्जी' वित्तीय लेनदेन किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने राव के मामले सहित भारत में एक बड़े सोने की तस्करी रैकेट में सीबीआई और डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) की शिकायत का संज्ञान लेने के बाद कुछ महीने पहले पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था।

क्रेडिट कार्ड के लिए किया 40 लाख का भुगतान

ईडी के सूत्रों ने कहा कि 'एक शैक्षिक ट्रस्ट' पर संदेह है कि उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति के निर्देश पर राव के क्रेडिट कार्ड बिल के लिए 40 लाख रुपये का पेमेंट किया है। राव को दुबई से आने के बाद 3 मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने उसे हिरासत में लिया और 14.2 किलोग्राम वजनी सोने की छड़ें जब्त कीं, जिनकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये से अधिक है। राव और सह-आरोपी तरुण कोंडारू राजू को सोने की तस्करी के मामले में बेंगलुरु में आर्थिक अपराधों के लिए एक विशेष अदालत ने जमानत दे दी। वहीं अदालत ने डीआरआई की तरफ से निर्धारित समय के अंदर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहने के बाद उनकी डिफ़ॉल्ट जमानत याचिकाओं को मंजूरी दे दी। हालांकि, एक्ट्रेस रान्या राव अभी भी सलाखों के पीछे रहेंगी।

कोफेपोसा के तहत दर्ज किया मामला

अधिकारियों ने उनके खिलाफ सख्त विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1974 (कोफेपोसा) के तहत एक अलग मामला दर्ज किया है, जो तस्करी से निपटने और विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने के लिए बनाया गया एक निवारक निरोध कानून है।

पति मारपीट करता और अश्लील वीडियो बनाता पत्नी ने दे दिया जहर, जंगल में जलाया शव

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में हत्या का सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक प्रधानाध्यापिका ने अपने शिक्षक पति को जहर देकर मार डाला। इस हत्या की वजह राजोना की मारपीट और ब्लैकमेलिंग थी। बताया जा रहा है कि पति पत्नी की अश्लील वीडियो बनाता और उसे डराता था। तंग आकर प्रधानाध्यापिका पत्नी ने उसे जहर दे दिया। कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। आरोपी पत्नी ने पति का शव ठिकाने लगाने के लिए अपने ट्यूशन में पढ़ने वाले तीन छात्रों की सहायता ली। इसके बाद रात में जंगल में पति के शव पर पेट्रोल छिड़ककर उसे जला दिया। दरअसल, यवतमाल 15 मई को चौसला पहाड़ी के पास जला हुआ एक शव मिला था। पुलिस को शव की पहचान करने में कठिनाई आ रही थी, लेकिन पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। फिर इस हत्याकांड की परतें खुलने लगीं। मृतक की पहचान शांतनु देशमुख (32) के रूप में हुई। वो सुयोगनगर, लोहरा के निवासी थे। पुलिस ने उनके दोस्तों से पुछताछ की तो सारा मामला की उसकी पत्नी पर आ गया। इसके बाद इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी निधि (23) को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ में पत्नी ने कुबूल कर लिया कि उसने ही अपने पति की हत्या की। पुलिस के अनुसार, मृतक अपनी पत्नी को रोज शराब पीकर मारता-पिटता था। साथ ही वो उसके अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी करता था। पत्नी इससे तंग आ गई थी। इसलिए उसने एक दिन उसे बनाना शेक में जहर दे दिया। इसके बाद आरोपी पत्नी ने अपने पति का शव ठिकाने के लिए अपने ट्यूशन के तीन नाबालिग छात्रों को विश्वास में लिया और पूरी प्लानिंग की। फिर रात में आरोपी पत्नी ने छात्रों को साथ लिया और शव को चौसाला के जंगल में ले गई।

ज्योति मल्होत्रा जासूसी मामला

कोर्ट ने बढ़ाई 4 दिन की रिमांड, कल रात हुई थी मेडिकल जांच

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ी गई ज्योति मल्होत्रा की रिमांड चार दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा का रात 11:30 बजे ही मेडिकल करवा लिया था। उसके बाद आज सुबह 9:30 बजे कोर्ट में पेश किया गया। अभी तक की जांच में एंजेसियों के हाथ कई अहम जानकारी लगी है। ज्योति मल्होत्रा के कबूलनामे से ये साफ हो गया है कि वह पाकिस्तान के इशारों पर काम कर रही थी। ज्योति पाकिस्तान हाई कमीशन के अफसर दानिश के लगातार संपर्क में थी। पूछताछ में ज्योति मल्होत्रा ने बताया कि वह साल 2023 में पाकिस्तान जाने के लिए वीजा लगवाने के संबंध में पाकिस्तान हाई कमीशन दिल्ली गई थी। जहां उसकी मुलाकात अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से हुई। दानिश का मोबाइल नंबर लेने के बाद उससे बात करने लगी थी। ज्योति ने अपने बयान में बताया है कि वह दानिश के कहने पर दो बार पाकिस्तान की यात्रा की थी। दानिश के कहने पर ही वह पाकिस्तान में अली हसन से मिली थी, जो वहां उसके रुकने और घूमने-फिरने का इंतजाम किया था। पाकिस्तान में अली हसन ने ही ज्योति की पाकिस्तानी सिक्योरिटी और इंटेलिजेंस के अधिकारियों से मुलाकात करवाई थी। वहां पर ही वह शाकिर और राणा शहबाज से भी मिली थी। पूछताछ में ज्योति ने बताया है कि उसने शाकिर का मोबाइल नंबर अपने फोन में जट रंधावा के नाम से सेव किया था, ताकि किसी को शक ना हो। फिर वह वापस भारत लौटी। इसके बाद व्हाट्सऐप, स्नैप चैट और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए वहां के इन लोगों से लगातार संपर्क में रही और देश विरोधी सूचनाओं का आदान-प्रदान करती रही। इस दौरान वह दिल्ली में पाक हाई कमीशन में अधिकारी दानिश से काफी बार मिलती रही।

डूबते दोस्त को बचाने नहर में कूदे तीन लड़के चारों लापता; तलाश में जुटे गोताखोर

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। बवाना नहर में गुरुवार सुबह नहाने आए चार लड़के डूब गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंचकर लड़कों की तलाश शुरू कर दी है। शुरुआती पूछताछ में चारों लड़कों की पहचान 18 साल के जावेद, 17 साल के सावेज, 13 साल के समद और सुहैल के रूप में हुई है। जावेद के पिता वकील ने पुलिस को बताया कि वह कटेवरा स्थित गोशाला में काम करते हैं। उनके दो बेटे जावेद और सावेज सुबह 11 बजे मवेशियों के लिए खेत में चारा लेने के लिए गए थे। इनके साथ पास के रहने वाले दो अन्य लड़के भी गए थे। सभी नहर में नहाने लगे। इनमें से एक लड़का डूबने लगा। जिसे बचाने के दौरान सभी डूब गए। गोताखोरों ने लड़कों की तलाश शुरू कर दी है।

अचानक दिल्ली यूनिवर्सिटी पहुंचे राहुल गांधी

एससी-एसटी और ओबीसी छात्रों से शिक्षा नीति पर की बातचीत

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर का दौरा कर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधित्व, समानता और शैक्षणिक न्याय जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की। यह कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) अध्यक्ष के कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न कालेजों और विभागों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राहुल गांधी ने छात्रों से संवाद करते हुए लोकतांत्रिक भागीदारी और समावेशी शैक्षणिक वातावरण की आवश्यकता को रेखांकित किया। डीयूएसयू के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, छात्रों ने जातिगत भेदभाव, शिक्षकों और शीर्ष प्रशासनिक पदों जैसे कुलपति में वंचित समुदायों की न्यून प्रतिनिधित्व, और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नियुक्तियों से बाहर रखने जैसे मुद्दों को उठाया। इसके अलावा, छात्रों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (सेक) और वैल्यू एडिशन कोर्स (वेक) की असमान अकादमिक वेटेज को लेकर भी चिंता जताई। छात्रों का आरोप था कि इन पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन में शिक्षकों को अत्यधिक अधिकार दिए गए हैं।

'छात्रों की भूमिका सिर्फ कक्षा तक सीमित नहीं'

एक अन्य प्रमुख मुद्दा 'ईआर' (एसेंशियल रिपीट), 'एनए' (नाट अवेलेबल) और 'एबसेंट' जैसे टैग्स का मनमाना इस्तेमाल था, जो छात्रों के अनुसार अनुचित तरीके से लगाकर हजारों विद्यार्थियों को प्रभावित कर रहा है। राहुल गांधी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के 'शिक्षित बनो, आंदोलन करो, संगठित हो' के संदेश का हवाला देते हुए छात्रों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "छात्रों की भूमिका सिर्फ कक्षा तक सीमित नहीं है, उन्हें वंचित और उपेक्षित वर्गों के अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए।" डूसू अध्यक्ष रोनक खत्री ने राहुल गांधी का आभार जताते हुए कहा कि उनकी इस यात्रा से छात्र समुदाय में नई ऊर्जा आई है और यह युवा आवाज़ों के महत्व को रेखांकित करता है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह राहुल गांधी ने बिहार के दरभंगा स्थित अंबेडकर छात्रावास में छात्रों से मुलाकात की थी।

100 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुई थी कार्रवाई

'शिक्षा न्याय संवाद' के तहत आयोजित यह कार्यक्रम बिना प्रशासनिक अनुमति के हुआ, जिस पर दो प्राथमिकी दर्ज की गईं और 100 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की गई थी। 2023 में राहुल गांधी ने दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया था। यहां उन्होंने पीजी मेंस छात्रावास में छात्रों से मुलाकात की थी। दौरा चर्चा में तब आया था, जब डीयू के प्रॉक्टर कार्यालय ने उन्हें नोटिस जारी किया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

विचार ही सभी कर्मों के बीज हैं इसलिए मुझे सिर्फ अच्छे, शुद्ध बीज ही बोने चाहिए, जिनसे श्रेष्ठ फल प्राप्त होंगे

तेलंगाना में 5,337 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे का विकास किया गया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज अमृत भारत स्टेशनों के उद्घाटन के अवसर पर बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर बात की। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्निर्मित बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर महिला कर्मचारी होंगी और उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि इस स्टेशन का उद्घाटन राजमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर किया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में रेलवे प्रणाली तेजी से विकसित हो रही है। भारत में एक साथ 1300 रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश में अभूतपूर्व है। तेलंगाना में भी एक साथ 40 रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। 2026 तक इन स्टेशनों को स्थानीय संस्कृति और विरासत को दर्शाने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को 720 करोड़ रुपये से विकसित किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने नामपल्ली (हैदराबाद) रेलवे स्टेशन के विकास के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हम अगले साल इन दोनों स्टेशनों को फिर से खोलेंगे। तेलंगाना में रेलवे का विकास कुल 5,337 करोड़ रुपये से किया जा रहा है, उन्होंने कहा, अब तक 42,219 करोड़ रुपये के काम चल रहे हैं।

रेड्डी ने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री ने कोमुरवेली रेलवे स्टेशन के निर्माण को मंजूरी दी थी और कहा कि मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भूमि पूजन समारोह किया था, जबकि उन्होंने कहा कि इस साल दशहरे के अवसर पर वे स्टेशन कोमुरवेली मल्लन्ना के भक्तों को समर्पित करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि एमएमटीएस चरण -2 परियोजना के लिए पिछली सरकार की लापरवाही के कारण 6-7 साल की देरी हुई और कहा कि हालांकि राज्य सरकार ने कोई समर्थन नहीं दिया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से एमएमटीएस चरण -2 का निर्माण कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि यदागिरिगुट्टा के लिए एमएमटीएस को मंजूरी दे दी गई है, उन्होंने कहा कि वे जल्द ही 400 करोड़ रुपये से काम शुरू करेंगे रेलवे दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तेलंगाना में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 617 किलोमीटर के लिए 'कवच' तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा और कहा कि उन्होंने 121 मानवरहित लेवल क्रॉसिंग हटा दिए हैं, जबकि उन्होंने 203 नए रोड अंडरब्रिज, 43 आरओबी और 45 फुट ओवर ब्रिज बनाए हैं। रेड्डी ने कहा कि पीएम मोदी ने काजीपेट में 580 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे निर्माण इकाई के निर्माण की आधारशिला रखी।

उन्होंने कहा कि देश भर में रेलवे के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के हिस्से के रूप में, वे तेलंगाना के 174 रेलवे स्टेशनों पर हाई-स्पीड वाईफाई सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं और कहा कि उन्होंने पहले ही 88 स्टॉल स्थापित कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले चार वर्षों में तेलंगाना में क्रांतिकारी रेलवे विकास कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में कई रेलवे परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण की समस्याओं का सामना कर रही हैं, जिसके कारण काम की प्रगति धीमी हो रही है सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का।

तेलंगाना सरकार ने 30 अतिरिक्त एसपी रैंक के अधिकारियों का किया तबादला

राज्यभर में जारी की नई नियुक्तियां

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (गैर कैडर) के 30 अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नई तैनाती दी।

कुछ अधिकारियों की नियुक्तियां इस प्रकार हैं- बी. किशन (अतिरिक्त एसपी- संचालन और अपराध वारंगल), ए. नरेश कुमार (अतिरिक्त एसपी- प्रशासन, भूपपल्ली), एस. जयराम (अतिरिक्त एसपी- टीजीआईसीसीसी), गोल्ला रमेश (अतिरिक्त एसपी नलगोंडा प्रशासन), ए. लक्ष्मी (अतिरिक्त डीसीपी यातायात, एल.बी नगर), वी. रघु (अतिरिक्त एसपी, खुफिया), टी. गोवर्धन (अतिरिक्त डीसीपी एल एंड ओ, वारंगल), के. पूर्णचंद्र (अतिरिक्त डीसीपी, शमशाबाद), एम. सुदर्शन (अतिरिक्त डीसीपी सीसीएस हैदराबाद) और एन. श्याम प्रसाद राव (अतिरिक्त एसपी सीआईडी) शामिल हैं।

केटीआर ने समाज सुधारक भाग्य रेड्डी वर्मा को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने गुरुवार को भाग्य रेड्डी वर्मा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें दलित आंदोलन का अग्रदूत और समाज सुधारक बताया, जिन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर से बहुत पहले उत्पीड़ितों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी। हैदराबाद राज्य में उनके योगदान को याद करते हुए, रामा राव ने एक सदी पहले दलित बच्चों के लिए 26 स्कूल चलाने में भाग्य रेड्डी वर्मा के प्रयासों और बाल विवाह, जोगिनी प्रथा और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उनकी अथक लड़ाई को याद किया। उन्होंने प्लेग महामारी के दौरान वर्मा के योगदान और बहुभाषी वक्ता और पत्रकार के रूप में उनके काम को भी याद किया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने न केवल वर्मा की जयंती और पुण्यतिथि का आधिकारिक रूप से आयोजन किया, बल्कि स्कूली पाठ्यक्रम में उनकी जीवनी को शामिल करके उनकी विरासत को संरक्षित करना भी सुनिश्चित किया। उन्होंने गुरुकुल शिक्षा पहल को शिक्षा के माध्यम से हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने के वर्मा के दृष्टिकोण की निरंतरता बताया।

लूट की आरोपी महिला गिरफ्तार, आभूषण बरामद

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिक्कड़पल्ली से मेहदीपट्टनम, हैदराबाद तक हुई डकैती का मामले में चिक्कड़पल्ली पुलिस ने गुरुवार को आरोपी महिला कोंथम सोनी उर्फ शाहनाज बेगम उर्फ रोजी को गिरफ्तार किया और मामले की संपत्ति बरामद की। उसे माननीय IXवें एसीजेएम, नामपल्ली के समक्ष न्यायिक हिरासत में भेजने के अनुरोध के साथ पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार बीते 18 जनवरी को एम. सत्यम्मा, निवासी महात्मा नगर कॉलोनी, मुशीराबाद से शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें उसने बताया कि 17 जनवरी को आरोपी महिला उसे चिक्कड़पल्ली के एक ताड़ी परिसर से ले गई, उसने उसे ताड़ी पिलाई और जबरन 20 हजार रुपये, उसका इनफिनिक्स मोबाइल, उसके कान की बाली, चांदी की पायल, एटीएम, ईएसआई कार्ड, घर और अलमारी की चाबियां लेकर उसे मेहदीपट्टनम में छोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का पता लगाने के प्रयास किए, डीआई एम शंकर द्वारा अपराध टीम के साथ पुलिस की एसआई एल मौनिका के साथ टीम बनाई, चिक्कड़पल्ली से मेहदीपट्टनम तक लगभग 50 सीसी कैमरों का सत्यापन किया, संदिग्ध व्यक्तियों, एमओ अपराधियों से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की, स्थानीय लोगों का सत्यापन किया और डकैती के मामले का पता लगाया और आरोपी महिला को पकड़ लिया और संपत्ति बरामद की।

ड्रग तस्करी के आरोप में ब्रिटेन से लौटे 2 लोगों को किया गया गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यूनाइटेड किंगडम से पढ़ाई करने वाले और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो व्यक्तियों को निषेध एवं आबकारी विभाग ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए वरुण और प्रभु चैतन्य अपने सहयोगी किरण के साथ बेंगलुरु में एक नाइजीरियाई नागरिक से एमडीएमए और ओजी कुश ला रहे थे और इसे शहर में स्थानीय लोगों को बेच रहे थे। पुलिस के अनुसार, वरुण और प्रभु ने ब्रिटेन में उच्च शिक्षा प्राप्त की और बेंगलुरु तथा देश के अन्य भागों के कुछ लोगों से दोस्ती की। भारत लौटने के बाद, वे बेंगलुरु गए और एक नाइजीरियाई नागरिक से मिले, जिसने उन्हें नशीले पदार्थों के व्यापार में फंसाया और उन्हें ड्रग्स की आपूर्ति की।

किरण के साथ मिलकर संदिग्धों ने शहर में एक नेटवर्क स्थापित किया और स्थानीय ग्राहकों को ड्रग्स की आपूर्ति कर रहे थे। एक गुप्त सूचना के आधार पर मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग की प्रवर्तन टीम ने वरुण, प्रभु और किरण को पकड़ लिया और उनके पास से 2.58 ग्राम एमडीएमए, 38.56 ग्राम ओजी कुश गांजा, एक बाइक और तीन मोबाइल फोन जब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि वरुण के तीन साथी फरार हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

अत्तापुर में 24 वर्षीय एक व्यक्ति ने कर ली आत्महत्या

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर के चिंतलमेट निवासी सैयद सुलेमान ऑटो चालक थे और अपने परिवार के साथ रहते थे। गुरुवार दोपहर को परिवार के सदस्यों ने उन्हें घर में पंखे से लटका हुआ पाया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

रहस्यमय क्रूर हत्या के मामले में शामिल अभियुक्त की गिरफ़्तारी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महाकाली पुलिस ने डायल 100 कॉल की शिकायत के आधार पर एक हत्या का मामला बीते 18 मई को दर्ज किया, जिसमें एक अज्ञात पुरुष की हत्या की सूचना दी गई थी, जिसकी उम्र लगभग 52-55 वर्ष थी। वह जे.के. फर्नीचर शॉप, एस.डी. रोड, सिकंदराबाद के सामने फुटपाथ पर खून से लथपथ पाया गया था। पुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद सुश्री एस. रश्मि पेरुमल ने कहा कि मृतक अज्ञात पुरुष की पहचान अभी तक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आरोपी शिवा उर्फ डोंगा शिवा, निवासी महात्मा गांधी नगर, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज की संख्या के सत्यापन के आधार पर की गई, और उसे न्यायिक हिरासत के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

एनआईआरडी एंड पीआर में मालदीव के अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) ने मालदीव गणराज्य के स्थानीय सरकार प्राधिकरण की विभिन्न परिषदों के 30 अधिकारियों के नौवें बैच के लिए 16 दिवसीय "आंतरिक लेखापरीक्षा में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" का उद्घाटन किया।

यह अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है। कार्यक्रम आंतरिक लेखापरीक्षा पर है, जिसमें सैद्धांतिक सत्र शामिल हैं, जिन्हें वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति द्वारा संभाला गया था, जिनके पास लेखा और लेखापरीक्षा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है, उन्होंने भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षा और लेखा विभाग में काम किया है। हैदराबाद में जीएचएमसी (खैरताबाद, सेरिलिंगमपल्ली) के क्षेत्रीय कार्यालयों में ले जाकर वास्तविक समय के अनुभवों को प्रदर्शित किया जाता है। इस 16 दिवसीय यात्रा में वारंगल का अध्ययन दौरा भी शामिल है, जहां अधिकारी भारत में उपयोग की जाने वाली पीआरआई (जिला परिषद, मंडल पंचायत, ग्राम पंचायत स्तर पर) में आंतरिक लेखा परीक्षा की प्रणाली को देखेंगे, ताकि भारत में ग्रामीण लोगों की आजीविका के उत्थान के लिए लागू की गई सभी योजनाओं के डिजिटलीकरण को समझा जा सके। साथ ही, यह भी दिखाया जाएगा कि पीआरआई, यूएलबी में विभिन्न स्तरों पर पारदर्शिता और जवाबदेही कैसे बनाए रखी जाती है। प्रशिक्षण दो जून, 2025 को सीपीआरडीपीएसएसडी, एनआईआरडीपीआर द्वारा समन्वित किया जाएगा। साथ ही इन अधिकारियों को हैदराबाद, तेलंगाना और उसके आसपास के विभिन्न सांस्कृतिक और विरासत स्थलों जैसे गोलकोंडा, टैंक बंड, चारमीनार, रामोजी फिल्म सिटी आदि से भी अवगत कराया जाएगा।

गोरक्षक सदस्य कानून को अपने हाथ में न लें : सीवी आनंद

> बकरीद त्योहार की तैयारी को लेकर पुलिस आयुक्त ने बैठक की

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी बकरीद त्योहार की तैयारी के लिए आज पुराने पुलिस आयुक्त कार्यालय, बशीर बाग के 5वें तल के सम्मेलन हॉल में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर, सी.वी. आनंद की अध्यक्षता में हुई बैठक का उद्देश्य पूरे शहर में त्योहार का शांतिपूर्ण और स्वच्छ उत्सव सुनिश्चित करना था।

विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सी.पी., कानून और व्यवस्था, आर.वी. कर्णन, जीएचएमसी कमिश्नर सी.रामेश, संयुक्त परिवहन आयुक्त, पंकजा, अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य), रघु प्रसाद, अतिरिक्त आयुक्त (स्वच्छता), डॉ.सीएच.मल्लेश्वरी, अतिरिक्त निदेशक (वी एंड एएच) की मौजूदगी में बैठक के दौर में सीवी आनंद ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने हैदराबाद सिटी कमिश्नरेट के आसपास चेकपोस्ट स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि उचित पशु चिकित्सा प्रमाण पत्र के बिना या वध के लिए तैयार न होने वाले पशुओं के अवैध परिवहन को रोका जा सके। इन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त कर लिया जाना चाहिए और उन्हें तुरंत जीएचएमसी द्वारा निर्दिष्ट पशु रखने के स्थान या गोशालाओं में भेज दिया जाना चाहिए। आयुक्त ने जनता और गोरक्षक सदस्यों से कानून को अपने हाथ में न लेने की अपील की, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल सरकारी अधिकारी और कानून प्रवर्तन एजेंसियां ही पशुओं को ले जाने वाले वाहनों को रोकने या उनका निरीक्षण करने के लिए अधिकृत हैं। सीपी ने पशुपालन विभाग और जीएचएमसी से अनुरोध किया गया कि वे सभी चेकपोस्टों पर 24/7 पशु चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जीएचएमसी अधिकारियों को बकरीद से पहले सभी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए कुत्तों को पकड़ने वाले दस्ते तैनात करने की सलाह दी गई। उन्हें जानवरों के शवों के निपटान के लिए हर घर में निपटान कवर उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया। त्यौहार के दिन कचरा और शवों के संग्रह के लिए विशेष टीमों को तैनात किया जाना है। जीएचएमसी को पशु अपशिष्ट के कुशल संग्रह और निपटान के लिए पर्याप्त वाहन, टिपर और जेसीबी की व्यवस्था करनी है और बकरीद के दौरान कचरा हटाने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों को सुनिश्चित करना है। बिजली और इंजीनियरिंग विभागों को जनता को किसी भी असुविधा को रोकने के लिए त्यौहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। एचएमडब्ल्यूएसएसबी और इंजीनियरिंग अधिकारियों को सीवरेज सिस्टम की निगरानी और रखरखाव करना है और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। आरटीए अधिकारियों को पर्याप्त ड्राइवर, मैकेनिक और क्रेन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। जीएचएमसी आयुक्त ने वार्डों और मस्जिदों के पास अतिरिक्त स्वच्छता टीमों और कचरा संग्रह वाहनों की तैनाती सहित लागू किए जा रहे व्यापक स्वच्छता उपायों का विवरण दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि कचरा बैग आसानी से उपलब्ध होंगे और जीएचएमसी अधिकारी सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

उन्होंने बेहतर समन्वय और प्रतिक्रिया के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को शामिल करते हुए स्थानीय, क्षेत्रीय और आयुक्त स्तर की समन्वय टीमें बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि अधिकारियों द्वारा निरंतर सहयोग और सक्रिय कार्रवाई के माध्यम से यह समन्वित तंत्र किसी भी समस्या को हल करने में महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा, जिससे सभी नागरिकों के लिए एक सुचारू, सुरक्षित और आनंदमय बकरीद उत्सव सुनिश्चित होगा।

नोटिस के पीछे 'कमीशन की राजनीति' कलेश्वरम जांच पर भड़के केटीआर

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पीसी घोष आयोग द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को पूछताछ के लिए बुलाने संबंधी नोटिस जारी करने की खबरों के बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि कांग्रेस विनियामक नोटिस की आड़ में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) को निशाना बनाकर 'कमीशन की राजनीति' कर रही है।

उन्हें संदेह है कि नोटिस के पीछे असली एजेंडा मौजूदा बैराजों को ध्वस्त करना, पुनर्निर्माण के लिए नए टेंडर आमंत्रित करना और इस तरह 20-30 प्रतिशत कमीशन हासिल करना था। उन्होंने गुरुवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान कहा, अभी तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। जैसे ही हमें नोटिस मिलेंगे, हम उचित जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ये नोटिस कांग्रेस-भाजपा की साजिश का हिस्सा हैं, ताकि जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों और राज्य में सरकार की विफलताओं से भटकाया जा सके। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) के खिलाफ बदनामी अभियान का सुप्रीम कोर्ट में पर्दाफाश हो चुका है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कालेश्वरम परियोजना के खिलाफ आरोपों के पीछे की सच्चाई भी जल्द ही सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय जल आयोग ने भी कालेश्वरम के इंजीनियरिंग महत्व को मान्यता दी है, जबकि मुख्यमंत्री अनभिज्ञ बने रहे और यह देखने में विफल रहे कि देश भर के विशेषज्ञ पहले ही क्या स्वीकार कर चुके हैं। उन्होंने याद दिलाया कि न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने कहा था कि उसने अपनी रिपोर्ट और जांच पूरी कर ली है।

भावपूर्ण श्रद्धासूमन

हैदराबाद के चारमीनार क्षेत्र मे हुई भयानक अग्नि दुर्घटना ने हम सभो को गहरा सदमा दिया है। अग्रवाल (मोदी) एवं जैन परिवार के 17 सदस्यों का एक साथ काल का ग्रास बन जाना एक ऐसी क्षती है जो कभी पूर्ण नही हो सकती, जिस पीडा का शब्दो मे व्यक्त करना बहुत मुश्कील है।

इस कठीन समय में हमारी नीजी संवेदनाएं परिवार के साथ है तथा इस दुख की घडी मे हम सभी उनके साथ है हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि वे असहनीय पीडा को सहन करने की शक्ति परिवारजनो को प्रदान करें एवं घायल सदस्यों को शिघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो और दिवंगत आत्माओ को परमात्मा अपने श्रीचरणों मे स्थान दे एवं शांति प्रदान करे।

गौलोकवासी आत्माओं की शांति के लिए
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुडा मे गौग्रास सेवा कार्यक्रम का आयोजन दि. 23 मई 2025 आज शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे किया जायेगा।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन
प.पू. डोंग्रेजी महाराज गौशाला
स्वामीनारायण गुरूकुल गौशाला
ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट
प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन
N S Patel Agencies - Patel & Co. Erragadda
Jasmat Patel Ph : 9848865900 Ridesh Jagirdar Ph : 9849988999

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 17021365F, Hav, Chaudhary Bhairavkumar Parakhaji, R/o, Banaskantha Dist, Gujarat, changed my Father's name from Chaudhary Parakhaji to Parkhaji Bhalaji Chaudhary vide Affidavit dt 15.05.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

धोखाधड़ी का आरोपी पूर्व सैनिक गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की ईओडब्ल्यू पुलिस ने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया है और जे.के. एंटरप्राइजेज, सौम्या श्री अस्पताल और कार्तिक लॉजिस्टिक्स में जमा के नाम पर पीड़ितों से 4.48 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की है। आर्थिक अपराध शाखा पुलिस स्टेशन, साइबराबाद, तेलंगाना राज्य के बीएनएस की धारा 316 (2), 318 (4), 351 (2) और टीएसपीडीएफई अधिनियम 1999 की धारा 5 के तहत सीआर संख्या 89/2024 के तहत गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र कुमार चौबे निवासी अलवाल हैदराबाद, मूल निवासी बिहार का है।

इस मामले की शिकायत चंद्रावती देवी निवासी बोलाराम, हैदराबाद ने की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी जितेंद्र कुमार चौबे (पूर्व सैनिक) सिकंदराबाद के तिरुमालागिरी में मिलिट्री कॉलेज में इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम करता था और वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुआ था। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, वह हैदराबाद में बोलाराम में रह रहा था और इलाके में कई लोगों से परिचित था। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आरोपी ने व्यवसाय करने का इरादा किया और अपनी योजना के तहत उसने सिकंदराबाद के अलवाल में जे.के. एंटरप्राइजेज, सौम्या श्री अस्पताल और कार्तिक लॉजिस्टिक्स खोली।

इन कंपनियों को दिखाकर उसने जमा राशि पर 57 प्रति माह के साथ अच्छे रिटर्न का वादा किया, सेना के सेवानिवृत्त कर्मी होने के कारण लोगों ने उस पर विश्वास किया और पैसे जमा कर दिए। शिकायतकर्ता ने 2,00,000 रुपये जमा किए, इसी तरह पूर्व सैनिकों ने भी आरोपी कंपनियों में पैसा जमा किया, आरोपी ने जमा के रूप में 4.48 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की। जमा राशि एकत्र करने के बाद, आरोपी ने कुछ महीनों तक मासिक रिटर्न का भुगतान किया और बाद में वह इसे भुगतान करने में विफल रहा। दिसंबर-2024 से उसने अपनी फर्म बंद कर दी और फरार हो गया। 21 मई को आरोपी जेतेंद्र कुमार चौबे को पुलिस ने नई दिल्ली से गिरफ्तार किया।

बेटी को पढ़ने के लिए मालिक के पास भेजा बनी हवस की शिकार

नोएडा, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में नाबालिग से रेप के दोषी 80 वर्षीय चित्रकार को अदालत ने 20 साल कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी चित्रकार पर जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने बुधवार को आरोपी मोरिस राइडर को दोषी करार देते हुए 20 साल के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में दोषी को एक साल और कारावास की सजा भुगतनी होगी। दो अन्य धाराओं में उस पर 7,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। चित्रकार नोएडा के सेक्टर- 46 में रहता था और वर्तमान में उसकी उम्र 80 वर्ष है। 2015 में जब पहली बार पीड़िता से दुष्कर्म किया गया, तो उसकी उम्र 13 वर्ष थी।

फर्जी मैरिज रजिस्ट्रेशन पर इलाहाबाद हाई कोर्ट सख्त

यूपी सरकार को दिया सख्त आदेश

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने विवाह पंजीकरण के फर्जी मामलों का स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रदेश सरकार को उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 में संशोधन करने का निर्देश दिया ताकि एक पुख्ता और सत्यापन योग्य विवाह पंजीकरण व्यवस्था अस्तित्व में आ सके। जस्टिस विनोद दिवाकर ने कहा कि यह कवायद छह महीने के भीतर पूरी होनी चाहिए।

124 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दिया निर्देश

कोर्ट ने घर से भागे जोड़ों की ओर से दायर 124 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह निर्देश दिया। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी विवाह का पंजीकरण कराने वाले दलालों के एक संगठित गिरोह को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। कोर्ट ने कहा, ''विवाह पंजीकरण का काम देख रहे सभी उप पंजीयक 14 अक्टूबर 2024 को जारी अधिसूचना के तहत दिए गए निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करेंगे।''अक्टूबर 2024 में जारी अधिसूचना में अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे कि उत्तर प्रदेश में विवाह पंजीकरण के लिए दूल्हा और दुल्हन का आधार प्रमाणन, बायोमेट्रिक डेटा और दोनों पक्षों तथा दो गवाहों के फोटो आवश्यक होंगे।

क्या निर्देश दिये गये है?

इसमें निर्देश दिया गया था कि आयु का सत्यापन डिजिलॉकर, सीबीएसई, उत्तर प्रदेश बोर्ड, सीआरएस, पासपोर्ट, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और सीआईएससीई जैसे आधिकारिक पोर्टलों के जरिए किया जाए। इसके अलावा, विवाह संपन्न कराने वाले पंडित का पंजीकरण के दौरान रजिस्ट्रार के कार्यालय में उपस्थित होना आवश्यक है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये अंतरिम निर्देश उन विवाहों में खासतौर पर लागू होंगे जहां लड़का और लड़की घर से भागे हों और अपने परिजनों की सहमति के बगैर वैवाहिक सूत्र में बंधे हों। कोर्ट ने कहा कि यदि दोनों पक्षों के परिजन पंजीकरण के समय मौजूद हों तो अधिकारी विवाह की यथार्थता से संतुष्ट होने के बाद अपने विवेकाधिकार से उक्त शर्तों में आंशिक या पूर्ण ढील दे सकता है।

44 पन्नों के आदेश में कोर्ट ने क्या कहा?

अपने 44 पन्नों के आदेश में कोर्ट ने कहा कि कई मामलों में यह देखने में आया है कि विवाह प्रमाण पत्र ऐसी सोसाइटी के लिए जारी किए जाते हैं जो अस्तित्व में नहीं हैं और ये फर्जी प्रमाणपत्र हाई कोर्ट से सुरक्षा हासिल करने के लिए जारी किए जाते हैं। कोर्ट ने 12 मई 2025 के अपने आदेश में कहा कि गवाह के तौर पर नामित व्यक्ति भी फर्जी पाए गए और आधार कार्ड सहित उनके विवरण फर्जी निकले। कई मामलों में वास्तव में कोई विवाह हुआ ही नहीं। कोर्ट ने यह भी कहा, ''कुछ याचिकाओं में वास्तविक वादी शामिल हैं जिन्हें सही मायने में न्यायिक संरक्षण और हस्तक्षेप की जरूरत है। हालांकि, ऐसे मामले अपेक्षाकृत कुछ ही हैं, जबकि ज्यादातर मामले में याचिकाएं मनगढ़ंत दस्तावेजों और फर्जी दावों पर आधारित हैं।''

मायावती के इस फैसले से बसपा छोड़ चुके पूर्व सांसद का छलका प्रेम

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को बीते दिनों अहम जिम्मेदारी दी है। बसपा चीफ ने आकाश आनंद को पार्टी का चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया है। इसके साथ ही आकाश को आगामी बिहार चुनाव का जिम्मेदारी भी दी गई है। बसपा के इस फैसले से जहां पार्टी के भीतर नया उत्साह है तो वहीं बीएसपी के ही पूर्व सांसद भी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। बसपा से पूर्व सांसद और राष्ट्रीय लोकदल के नेता मलूक नागर ने आकाश आनंद को जिम्मेदारी मिलने पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि इससे बीएसपी की ताकत और बढ़ेगी। रालोद महासचिव मलूक नागर ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि आकाश की इस नई भूमिका से बसपा की ताकत बढ़ेगी और इंडिया अलायंस को इसका नुकसान होगा। नागर ने कहा कि बसपा चीफ के इस फैसले से पूरा यूथ जुड़ेगा। मायावती और बसपा मजबूत होगी। इंडिया अलायंस के लिए यह बहुत बड़ा झटका है। इसीलिए वह लोग तिलमिलाए हुए हैं। बता दें 18 मई को बसपा चीफ ने दिल्ली में बसपा की बैठक की। इस बैठक में आकाश आनंद को चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया। इसके बाद से ही बसपा कैडर में अलग उत्साह है। बसपा चीफ ने कहा था कि आकाश आनंद हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए पार्टी के हित में काम करेंगे। मायावती ने यह भी कहा था कि आकाश आनंद को सभी की सहमति ने चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है।

मोदी सरकार के इस फैसले से खुश हुए आरजेडी सांसद मनोज झा, बताया किस चीज से हुई पीड़ा

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान का आतंकी चेहरा बेनकाब करने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है। यह सभी प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाएंगे। इस बीच गुरुवार को आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों पर प्रतिक्रिया देते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने मोदी सरकार के इस फैसले पर खुशी जताई है।

'यह पीड़ा किसी राजनीतिक पार्टी की नहीं

आरजेडी नेता मनोज कुमार झा ने कहा, बीते कुछ वर्षों में सरकार ने जो फैसले लिए हैं, यह उनमें से एक खूबसूरत फैसला है।

ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात दुनिया के हमारे कई सारे मित्र देश, जिनकी हमने समय-समय पर मदद भी की वह खुलकर सामने नहीं आए और यह पीड़ा किसी राजनीतिक पार्टी की नहीं बल्कि पूरे देश की है।

समाज के बीच जो नफरत बोई जा रही है, जिसकी कोशिश पहलगाम में भी की गई, उसको ध्वस्त करने के लिए प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाए, यह जरूरी है।

'भारत हर समय चाहता है आतंकवाद को समाप्त किया जाए'

दूसरी ओर बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सीमा पार आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले 7 प्रतिनिधिमंडलों पर कहा, हिंदुस्तान के संसदीय दल का प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में गया हुआ है। भारत हर समय चाहता है कि आतंकवाद को समाप्त किया जाए और भारत कभी भी किसी निर्दोष की हत्या के पक्ष में नहीं है। अपने बयान में बीजेपी नेता दिलीप जायसवाल ने आगे कहा, आतंकवाद के कारण किसी भी देश के नागरिक की हत्या हो, भारत यह कभी नहीं चाहता है। हम अपने पक्ष को पूरी दुनिया के सामने रखेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि संसदीय दल अपने देश के पक्ष को पूरी दुनिया के बीच रखने का काम करेगा।

नेपाल के रास्ते घुसपैठ की कोशिश में 37 पाकिस्तानी-बांग्लादेशी, सीमा पर हाई अलर्ट

बहराइच, 22 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाया पाकिस्तान अब नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ का प्रयास कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार करीब 37 संदिग्ध पाकिस्तानी व बांग्लादेशी नेपाल में मौजूद हैं। उनकी कोशिश किसी तरह से भारत में दाखिल होने की है। सूत्रों के अनुसार वह लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या व मथुरा को निशाना बना सकते हैं। सुरक्षा के मद्देनजर बहराइच से बलरामपुर तक लगती नेपाल सीमा पर एसएसबी के 1500 अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। एसएसबी 42वीं वाहिनी ने सीमा क्षेत्र में दोहरी गश्त बढ़ा दी है। इसके तहत जवान आमने-सामने से गश्त कर रहे हैं। वन क्षेत्र में भी अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए चौकी बनाई गई है। नेपाल से हर आने-जाने वालों के पहचान पत्र की जांच की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में एसएसबी सीसीटीवी से भी निगरानी कर रही है। बलरामपुर के एएसपी योगेश कुमार ने बताया कि एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम सीमा पर 24 घंटे नजर रख रही हैं। ग्राम सुरक्षा समितियों को भी सक्रिय किया गया है। जरवा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि सीमा क्षेत्र में पीएससी के जवान, पुलिस और एसएसबी संयुक्त रूप से गश्त कर रही है। एसएसबी की कोयलाबास चौकी प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि सीमा पर सीसीटीवी से भी निगरानी की जा रही है। गुरुंग नाका चौकी प्रभारी निरीक्षक एच। सोमेन सिंह ने बताया कि यहां से आवाजाही रोक दी गई है। घुसपैठ की आशंका में नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत व लखीमपुर खीरी में भी अलर्ट जारी किया गया है।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद का विरोध

कार्यक्रम के दौरान दिखाए काले झंडे, जमकर मचा बवाल

आजमगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद आजमगढ़ पहुंचे थे, जहां उनका नेहरू हॉल में कार्यक्रम था लेकिन, इस दौरान उन्हें अपने ही समाज के लोगों का आक्रोश झेलना पड़ा। मंत्री जी के पहुंचते ही निषाद समाज के लोगों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया और उन्हें काले झंडे दिखाए। जिसके बाद वहां स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने लोगों को समझाने की कोशिश की लेकिन विवाद बढ़ने पर पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया और कोतवाली ले गई। दरअसल मंत्री संजय निषाद ने जनपद के लोगों से वादा किया था कि वह निषादराज की प्रतिमा को लगवाएंगे। सालों बीतने के बाद भी उनकी प्रतिमा स्थापित नहीं की गई। इस बात को लेकर निषाद समाज के लोगों में गुस्सा बढ़ गया था। इसी बात से नाराज लोगों ने संजय निषाद का विरोध किया और उन्हें काले झंडे दिखाए।

मंत्री संजय निषाद को दिखाए काले झंडे

स्थानीय लोगों का कहना है कि सालों से निषादराज की प्रतिमा धूल फांक रही है। अब तक उनकी स्थापना नहीं कराई गई। जबकि संजय निषाद ने इस प्रतिमा को स्थापित कराने का वादा किया था। मंत्री बनने के बाद वो अपने वादे को भूल गए और ये प्रतिमा अब तक इसी तरह पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि मंत्री जी को उनका वादा याद दिलाने के लिए आज हमें यह कदम उठाना पड़ा है। इधर लोगों के विरोध के चलते कार्यक्रम स्थल पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद मौके पर मौजूद नगर कोतवाली पुलिस ने विरोध कर रहे पांच लोगों को हिरासत में ले लिया और सभी को नगर कोतवाली में ले गई। जिसके बाद संजय निषाद का कार्यक्रम शुरू हो सका। इस मामले पर मंत्री संजय निषाद ने कहा कि यह गुमराह लोग हैं ये इस बात को समझ नहीं रहे हैं मैं समाज के लिए लगातार लड़ रहा हूं। समाज की प्रगति और उत्थान करना ही मेरा मकसद है। मैं खुद के लिए राजनीति नहीं कर रहा हूं बल्कि समाज का उत्थान मेरा मकसद है।

अप्रशिक्षितों संग ट्रांसप्लांट का स्वांग रचती थी डॉ. अनुष्का, दो युवक रहते थे साथ

कानपुर, 22 मई (एजेंसियां)। कानपुर में बीडीएस की डिग्री रखने वाली डॉ। अनुष्का तिवारी दो अप्रशिक्षित युवाओं के साथ मिलकर हेयर ट्रांसप्लांट का स्वांग रचती थी। मास्क और ग्लब्स पहनकर मौजूद डॉ। अनुष्का के दिशानिर्देश के मुताबिक युवक हेयर ट्रांसप्लांट करते थे। हेयर ट्रांसप्लांट के लिए अनुष्का के क्लीनिक में काम करने वाली तीन युवतियां इन युवकों को बुलाती थीं। जांच के दौरान युवतियों ने पुलिस को फोन पर मामले से दूर रखने की बात कहने के बाद फोन बंद कर लिया। इसके बाद पुलिस अभी तक इन युवतियों को भी तलाश नहीं कर पाई है। दूसरी ओर अनुष्का के साथ दोनों युवक भी अभी तक पुलिस की

पहुंच से दूर है। हालांकि अधिकारियों ने क्राइम ब्रांच की टीम को अनुष्का की लोकेशन मिलने का दावा किया है। अधिकारियों के मुताबिक टीम ने अनुष्का की लोकेशन के आधार पर हरियाणा के रोहतक में डेरा डाला है। जल्द ही उसकी गिरफ्तार हो सकती है।

अपराध में शामिल कर्मचारियों की भी तलाश

पुलिस के हाथ से अनुष्का के निकल जाने के बाद उसकी गिरफ्तारी की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को दी गई थी। डॉ। अनुष्का के साथ इस अपराध में शामिल कर्मचारियों की भी तलाश में पुलिस जुटी है। इनमें क्लीनिक में काम करने वाली तीन युवतियां शामिल हैं। यह युवतियां डॉक्टर के अपराध की जानकार हैं। इनसे कई बड़े राज खुलकर सामने आने की उम्मीद है।

कोर्ट ने सुनाया अनोखा फैसला, केवल तीन दिन की सजा काटेगा दोषी

गोंडा, 22 मई (एजेंसियां)। कथित घटना में मुकदमा करने और न्यायालय में झूठा साक्ष्य देने के मामले में न्यायालय ने दोषी को सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट/अपर सत्र न्यायाधीश राजेश नारायण मणि त्रिपाठी ने ग्राम केशवपुर पहाड़वा कोतवाली नगर निवासी राम महेश को तीन दिन के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी को पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

दोषी ने एक कथित घटना का आरोप लगाकर ग्राम इब्राहिमपुर पकड़ी थाना लाइन बाजार जिला जौनपुर निवासी आशु गौतम के विरुद्ध कोतवाली नगर में मुकदमा कराया था और झूठा साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किया था। बीते 22 अप्रैल को न्यायालय ने आरोपी आशु को दोषमुक्त कर वादी मुकदमा रहे दोषी के विरुद्ध प्रकीर्ण मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। न्यायालय ने प्रकीर्ण मुकदमे में निर्णय सुनते हुए दोषी को सजा सुनाई है।

1 लाख 93 हजार शिक्षक भर्ती पर यू टर्न बना बीजेपी के गले की फांस! अखिलेश यादव ने समझाई क्रोनोलॉजी

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने बुधवार, 21 मई को एक अखबार की कतरन शेयर करते हुए ऐलान किया था कि सरकार 1 लाख 93 हजार शिक्षक भर्तियां करेगी। कुछ देर बाद राज्य सरकार के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट हटा दी गई। जिसके बाद अब इस मुद्दे पर सियासत शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को घेरते हुए लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी है। उन्होंने सरकार के यूटर्न के पीछे की क्रोनोलॉजी भी समझाई है। यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि 1,93,000 शिक्षक भर्तियों के जुमलाई विज्ञापन से जन्माः 2027 के चुनाव में 'भाजपा की हार का राजनीतिक गणित' । मान लिया जाए कि 1 पद के लिए कम-से-कम 75 अभ्यर्थी होते, तो यह संख्या होती 1,44,75,000 और एक अभ्यर्थी के साथ यदि केवल उनके अभिभावक जोड़ लिए जाएं तो कुल मिलाकर 3 लोग इससे प्रभावित होंगे अर्थात ये संख्या बैठेगी 4,34,25,000। सपा चीफ ने लिखा कि ये सभी व्यस्क होंगे अतः इन्हें 4,34,25,000 मतदाता मानकर अगर उप्र की 403 विधानसभा सीटों से विभाजित कर दें तो ये आँकड़ा लगभग 1,08,000 वोट प्रति सीट का आयेगा । और अगर इनका आधा भी भाजपा का वोटर मान लें (चूँकि भाजपा 50% वोटर्स की जुमलाई बात करती आई है) तो लगभग 1,08,000 का आधा मतलब हर सीट पर 54,000 मतों का नुक़सान भाजपा को होना तय है। इस परिस्थिति में भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों में दहाई सीटों पर ही सिमट जाएगी। उन्होंने लिखा कि पुलिस भर्ती के मामले में 'भर्तियों का ये गणित' भाजपा को उप्र में लगभग आधी सीटों पर हारने में सफल भी रहा है, अतः ऐसे आँकड़ों को अब सब गंभीरता से लेने लगे हैं। अब ये मानसिक दबाव का नहीं वरन सियासी सच्चाई का आँकड़ा बन चुका है। अखिलेश ने लिखा कि जैसे ही ये आँकड़ा प्रकाशित होगा और विधानसभा चुनाव लड़ने वाले भाजपाई प्रत्याशियों के बीच जाएगा वैसे ही उनका राजनीतिक गुणा-गणित टूट कर बिखर जाएगा और विधायक बनने का उनका सपना भी। इससे भाजपा में एक तरह से भगदड़ मच जाएगी। ऐसे में भाजपा को मतदाता ही नहीं बल्कि प्रत्याशियों के भी लाले पड़ जाएँगे। वैसे भी कुछ निम्नांकित उल्लेखनीय कारणों से भाजपा सरकार के विरोध में, उप्र की जनता पूरी तरह आक्रोशित है और भाजपा को 2027 के चुनाव में बुरी तरह से हराने और हटाने के लिए पूरी तरह कमर कस के तैयार है।

किडनी निकालकर कत्ल, अपहरण के बाद लूटे वाहन और फिर मार डाला

अलीगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। कुख्यात डॉ। देवेंद्र शर्मा उर्फ डाक्टर डेथ को लेकर रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। छर्रा इलाके के गांव पुरैनी का यह दुर्दांत अपराधी गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। पुलिस के क्राइम रिकॉर्ड से इतर अगर इसकी जरायम हिस्ट्री पर ध्यान दें तो डॉक्टर डेथ ने छर्रा-बरला क्षेत्र के ईंट भट्ठों में भी 50 लाशें फुंकवा दीं थीं। इनमें से कुछ का अपहरण कर उनके वाहन लूटे गए तो कुछ की किडनी निकालकर हत्या की गई। मुरादाबाद के बहुचर्चित किडनी कांड के मुख्य आरोपी डॉ। अमित से भी इसका नाम जुड़ा, तब यह खासा सुर्खियों व पुलिस की नजर में आया।

1998 में किडनी रैकेट बनाया

बेशक मुरादाबाद का किडनी कांड 2008 में सुर्खियों में आया। तब डा।अमित के पीछे मुरादाबाद पुलिस लगी। उसके गुरुग्राम सेंटर पर छापा मारकर कई लोग पकड़े। मगर अमित भाग गया था। मगर खुद देवेंद्र ने स्वीकारा कि अमित की व उसकी पुरानी मुलाकात थी। अमित ने उससे ट्रांसप्लाट के लिए किडनी दिलवाने को कहा। तब उसने अमित संग मिलकर 1998 से यह धंधा शुरू किया। इसके लिए कार चालकों की हत्या कर उनकी किडनी निकालने के साथ-साथ राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली के रेलवे स्टेशन, बस अड्डों से मजदूर वर्ग के लोगों को लालच देकर उनकी किडनी निकालने का भी काम किया। हालांकि 2004 में देवेंद्र पकड़ा गया। मगर 2008 में मुरादाबाद कांड में उसका नाम शामिल नहीं हो पाया था।

डॉक्टर की झूठी गवाही पर हुई थी श्यौराज को उम्र कैद

डाक्टर की गवाही पर बरला थाना क्षेत्र के गांव दिलालपुर निवासी श्यौराज को भी एक टैक्सी चालक की अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में उम्र कैद की सजा हो गई थी। उस समय अमर उजाला ने इसे मुद्दा बनाया गया। मामला सुर्खियों में आया तो सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल हुई, इस पर सुनवाई में श्यौराज बेगुनाह साबित हुए और उनकी रिहाई हुई थी। लगभग 13 साल पहले हरियाणा पलवल के एक टैक्सी चालक की अपहरण के बाद हत्या के मामले में श्यौराज को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में देवेंद्र भी आरोपी था। उसने पुलिस से कहा था कि हत्या के समय श्यौराज दिलालपुर भी उसके साथ था और कोर्ट में भी यही बयान दोहराया। जिसके बाद उसे सजा हो गई थी। श्यौराज की पत्नी ने कहा था कि किसी और को बचाने के लिए देवेंद्र ने श्यौराज को फंसाया है। सुनीता की आवाज को तथ्यों के साथ प्रमुखता से उठाया। अलीगढ़ और हरियाणा पुलिस को साक्ष्य दिए गए। इसके बाद सीओ की जांच रिपोर्ट आई, जिसे आधार बनाकर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई। फैसला उसके हक में आया और छह साल तक जेल में सजा काटने के बाद उसे बरी किया गया।

पूर्व आयकर इंस्पेक्टर भगोड़ा घोषित कोर्ट का स्थायी लाल वारंट भी जारी

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। सिविल कोर्ट के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-2 ने आयकर विभाग पटना के पूर्व इंस्पेक्टर अरुण कुमार दत्ता को 32 वर्ष पुराने एक आपराधिक मामले में भगोड़ा घोषित कर किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने उनके खिलाफ स्थायी रूप से लाल वारंट भी जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपित अरुण कुमार दत्ता पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर के निवासी थे। बता दें कि यह मामला वर्ष 1993 का है, जब जक्कनपुर थाने के तत्कालीन थानेदार बीके गोप ने खुद को सूचक बनाते हुए कांड संख्या 61/93 के तहत अरुण कुमार दत्ता के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। अदालत ने उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए समन, वारंट और एसएसपी को पत्र भी भेजा था, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसके बाद अदालत ने आयकर विभाग, पटना को पत्र भेजकर आरोपी की जानकारी मांगी थी। जवाब में विभाग ने बताया कि अरुण कुमार दत्ता वर्ष 2010 में सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उनका स्थायी पता उपलब्ध नहीं है। वहीं इस मामले के सूचक तत्कालीन थानेदार बीके गोप भी कोर्ट में पेश नहीं हुए। सभी प्रयासों के विफल रहने पर कोर्ट ने आरोपी को भगोड़ा घोषित करते हुए मामले का निष्पादन कर दिया।

बेखौफ अपराधियों ने मुखिया पति पर की ताबतोड़ फायरिंग,

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। बिहार में बेखौफ अपराधियों ने मुखिया पति पर फायरिंग करते हुए उनकी हत्या करने की कोशिश की। इस घटना में मुखिया पति सहित तीन लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला पालीगंज अनुमंडल की रानीतालाब थाना क्षेत्र का है, जहां सैदाबाद पंचायत के मुखिया पति अंजनी सिंह और दो और लोगों को सरेआम बाइक सवार अपराधियों ने गोलियों से भून डाला। इस घटना में घायल अंजनी सिंह और दो लोगों को पहले बिक्रम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और बिहटा के निजी अस्पताल में लाया गया, जहां अंजनी सिंह को बेहतर इलाज के लिए पटना के पारस में जबकि अन्य दो को पटना एम्स में भर्ती किया गया है।

आप की नई प्लानिंग

दिल्ली में हार के बाद संगठन में बड़े बदलाव, इन नेताओं को मिली जिम्मेदारी, यूपी पर खास फोकस

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने कई राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने नई जिम्मेदारियों की घोषणा करते हुए कई राज्यों के लिए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दी है। दिलीप पांडे को पार्टी का ओवरसीज कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। जितेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश, राजेश गुप्ता को कर्नाटक, ऋतुराज गोविंद को हिमाचल प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस सूची के अनुसार, उत्तराखंड के प्रभारी महेन्द्र यादव बनाए गए हैं। केरल में शेली ओबेरॉय, महाराष्ट्र में प्रकाश जारवाल, राजस्थान में धीरेश टोकस, तेलंगाना में प्रियांका कक्कड़, तमिलनाडु में पंकज सिंह और लद्दाख में प्रभाकर गौर को प्रभारी बनाया गया है।

2027 में विधानसभा चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने यूपी पर खास फोकस किया है। यूपी के लिए चार सीनियर नेताओं को सह प्रभारी बनाया गया है। दिलीप पांडे, विशेष रवि, अनिल झा और चंद्रेंद्र कुमार को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में विजय फुलारा और उत्तराखंड में घनेंद्र भारद्वाज को सह-प्रभारी बनाया गया है।

क्या केंद्र में वापस आएंगे कमलनाथ? कांग्रेस नेता ने याद किए लोकसभा के दिन

छिंदवाड़ा, 22 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद और कांग्रेस के सीनियर नेता कमलनाथ अब अपने राजनीतिक करियर के लिए क्या सोच रहे हैं? क्या कमलनाथ वापस केंद्र में जाना चाहते हैं या मध्य प्रदेश में ही रहना चाहते हैं? छिंदवाड़ा के लोग यह जानने के लिए उत्सकु हैं कि कमलनाथ का अगला कदम क्या होगा? ऐसे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने इन सभी सवालों का स्पष्टता से जवाब दे दिया है। कमलनाथ ने कहा, मैं संजय गांधी और राजीव गांधी के साथ स्कूल में पढ़ता था। तभी से इंदिरा गांधी को जानता था। जब हम बोर्डिंग स्कूल में थे तो वे रविवार को हमसे मिलने आते थे। हम उनके साथ घूमने भी जाया करते थे। राजनीति में आने की मेरी कोई मंशा नहीं थी। मेरे परिवार का इलेक्ट्रिकल्स का बिजनेस था। साल 1976 में मैंने यूथ कांग्रेस जॉइन की। साल 1977 में कांग्रेस और इंदिरा गांधी हार गए। इसके बाद संजय गांधी के नेतृत्व में बड़ा आंदोलन छिड़ा। मैंने हर जगह संजय गांधी का साथ दिया। इसके बाद 1979 में संजय गांधी ने मुझसे कहा कि तुम्हे चुनाव लड़ना चाहिए। कमलनाथ ने बताया कि राजनीतिक जगत में उन्होंने कदम कैसे रखा? कांग्रेस नेता ने बताया, संजय गांधी की बात सुनकर मैं अपने जिले छिंदवाड़ा वापस चला गया। वहां हमारे परिवार के पास जमीन थी, मेरा परिवार पाकिस्तान से आया था। इसलिए हमें छिंदवाड़ा में जमीन मिली थी। हालांकि, वहां कोई स्कूल-कॉलेज नहीं थे इसलिए मेरी पढ़ाई बाहर से हुई। मैं बाहर ही रहता था, लेकिन कभी कभी छिंदवाड़ा जाकर देखता रहता था कि वहां क्या चल रहा है। कमलनाथ ने जानकारी दी, छिंदवाड़ा की हालत उस समय सही नहीं थी। 95 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे थे। इसका समाधान निकालाना मेरे लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। दिसंबर 1979 में मैंने चुनाव लड़ने के लिए पहली बार पर्चा भरा। सातवां लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतकर सांसद बना।कांग्रेस के सीनियर नेता ने बताया, उस समय लोकसभा भी बहुत अलग हुआ करती थी। बाबू जगजीवन राम, बीजू पटनायक लोकसभा में हुआ करते थे। बदकिस्मती से अब बहुत बड़े बदलाव हो गए हैं। उस समय लोकसभा में अच्छे भाषण, वाद-विवाद होते थे। आज के समय के विपरीत उस जमाने में आप अपने विचार स्वतंत्रता से रख सकते थे। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि वह सबसे लंबे समय तक सांसद रहे। उन्होंने कहा, मैं लगातार चुनाव लड़ता गया और जीतता गया। इसी के साथ मैं सबसे लंबे समय तक रहने वाला संसद सदस्य बना। जब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी मिली तो मुझे सांसद पद से इस्तीफा देना पड़ा।

नाबालिग आतंकी पर चलेगा वयस्क की तरह केस, ट्रेन की बोगी में ब्लास्ट मामले में बाल न्यायालय में सुनवाई

जबलपुर, 22 मई (एजेंसियां)। ट्रेन की बोगी में ब्लास्ट करने वाले नाबालिग आतंकी के खिलाफ वयस्क की तरफ मुकदमा बाल न्यायालय में चलेगा। हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि वर्तमान मामले में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट तथा एनआईए अधिनियम 2008 दोनों ही लागू हैं। जेजे अधिनियम किसी भी अन्य कानून पर अधिक प्रभावी है। गौरतलब है कि भोपाल-इंदौर पैसेंजर ट्रेन की बोगी में मार्च 2017 में शाजापुर के समीप ब्लास्ट हुआ था। एनआईए ने धारा 120-बी, 122, 307, 326, 324; विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/4; रेलवे अधिनियम की धारा 150, 151; सार्वजनिक संपत्ति (रोकथाम) अधिनियम की धारा 4; और गैरकानूनी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम की धारा 16 (बी), 18, 25, 38 और 39 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। मामले को विवेचना में लिया था। एनआईए ने मामले की जांच करते हुए ब्लास्ट के मास्टर माइंड 17 वर्षीय किशोर सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ आरोप-पत्र प्रस्तुत किया था। विधि विभाग ने प्रकरण के विचारण के लिए एएसजे न्यायालय भोपाल को अधिसूचित किया था। आरोपी आतंकी की तरफ से विचारण न्यायालय के समक्ष ने एक आवेदन दायर किया था। आरोपी किशोर की आयु 18 वर्ष से कम होने के कारण विशेष न्यायालय ने विधि के अनुसार उसके प्रकरण को विचारण के लिए किशोर न्याय बोर्ड को भेज दिया था। किशोर न्याय बोर्ड भोपाल के प्रधान न्यायाधीश ने 28 अप्रैल 2024 को पारित आदेश में कहा था कि घटना की तारीख पर किशोर की आयु 17 वर्ष थी, परंतु वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ था।

जम्मू-कश्मीर दौरे पर गए टीएमसी नेताओं का दावा

पाकिस्तान की फायरिंग में पहलगाम हमले से ज्यादा लोग मारे गए

जम्मू, 22 मई (एजेंसियां)। कश्मीर ऑपरेशन सिंदूर के बाद तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर के दौरे पर है। यह प्रतिनिधिमंडल 23 मई तक जम्मू-कश्मीर के उन अलग-अलग इलाकों का दौरा कर रहा है, जहां पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में रिहायसी इलाकों को नुकसान पहुंचा है। इसी सिलसिले में जम्मू-कशमीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री नें हमे सीमावर्ती इलाकों और यहां रहने वाले लोगों की कठिनाइयों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने उन्हें पुंछ, राजौरी और उरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से जो भी फायरिंग हुई, उसमें पहलगाम हमले से भी ज्यादा लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि सीएम उमर अब्दुल्ला ने हमें बताया है कि पाकिस्तान की सीमा पार से हो रही गोलाबारी में इन इलाकों में कई निर्दोष नागरिकों की जान गई है। इन सीमावर्ती इलाकों में काफी नुकसान पहुंचा है। हर एक जीवन कीमती होती है और इसकी रक्षा करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सरकार नागरिकों की सुरक्षा को लेकर लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के चलते जवाबी कार्रवाई में रिहायसी इलाकों में जो नुकसान पहुंचा है, सरकार उसे दुरुस्त कराएगी। सागरिका घोष ने कहा कि इस दौरान जिन लोगों की जानें गई हैं उनके प्रति हम सभी की शोक संवेदनाएं हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने हमें भरोसा दिलाया है कि सरकार मृतकों के परिजनों को मुआवजा सहित मेडिकल सेवाओं और स्कूलों के पुनर्निर्माण पर काम कर रही है। तृणमूल कांग्रेस संघवाद का समर्थन करती है। हमें जम्मू-कश्मीर की सरकार पर पूरा भरोसा है। टीएमसी का यह प्रतिनिधिमंडल ऐसे समय में जम्मू-कश्मीर पहुंचा है जब केंद्र और राज्य सरकार के बीच कई संवेदनशील मुद्दों को लेकर राजनीतिक चर्चा जारी है। ऐसे समय में यह दौरा खास अहमियत रखता है, जहां इसमें न केवल एकता और सहानुभूति का संदेश दिया जा रहा है, बल्कि यह भी दिखाया जा रहा है कि एक राज्य से दूसरे राज्य के नेता मिलकर जमीनी मुद्दों को समझने और समाधान का प्रयास कर रहे हैं। सागरिका घोष ने कहा कि वे लौटने के बाद वे अपने अनुभव को पार्टी नेतृत्व के सामने रखेंगी ताकि सीमा क्षेत्रों की समस्याएं राष्ट्रीय स्तर पर उजागर हो सकें और इनके स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए जा सकें।

फिरोजपुर पुलिस ने तीन तस्करों को किया गिरफ्तार 12 किलो हेरोइन और 25 लाख की ड्रग मनी बरामद

फिरोजपुर, 22 मई (एजेंसियां)। फिरोजपुर पुलिस ने एक ड्रग तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 12.07 किलोग्राम हेरोइन और 25.12 लाख रुपये की ड्रग और हवाला मनी बरामद की गई है। सभी पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत थाना घल्ल खुर्द में प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिरोजपुर डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल व एसएसपी भूपेंद्र सिंह सिद्धू ने बताया कि उन्होंने दो दिन पहले तस्कर कर्ण, रोहित और आकाशदीप को 2 किलो 70 ग्राम हेरोइन व 25 लाख 12000 रुपये की ड्रग्स मनी समेत पकड़ा था। आरोपियों का अदालत से दो दिन का रिमांड हासिल किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी कर्ण ने बताया कि उसने शहर की रिखी कॉलोनी में एक मकान किराये पर लिया हुआ है।

कौन हैं अवंतिका सिंह औलख? जिनकी गुजरात के ताकतवर आईएएस में होती है गिनती, अब सीएमओ में मिली नई जिम्मेदारी

अहमदाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। गुजरात की पावरफुल आईएएस ऑफिसर्स में शामिल अवंतिका सिंह औलख को प्रमोशन मिला है। अब वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अतरिक्त प्रधान सचिव (एपीएस) हो गई हैं। भूपेंद्र पटेल जब से गुजरात के सीएम बने हैं तब से अवंतिका सिंह मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में जिम्मेदारी संभाल रही हैं। 2003 बैच की आईएएस अवंतिका सिंह औलख सितंबर 2021 से सीएमओ में काम कर रही हैं। इससे पहले वह गुजरात के सबसे बड़े जिले अहमदाबाद की कलेक्टर भी रह चुकी हैं। अवंतिका सिंह औलख अभी तक मुख्यमंत्री की सचिव थीं। अब वे मुख्यमंत्री का अतिरिक्त प्रधान सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगी। पंजाब के होशियारपुर से ताल्लुक रखने वाली अवंतिका सिंह औलख ने नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसआईटी), दिल्ली से इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और प्रतिष्ठित हार्वर्ड केनेडी स्कूल से लोक प्रशासन में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। वह गुजरात के अहमदाबाद के अलावा वडोदरा, भरूच और आणंद जिलों की कलेक्टर रह चुकी हैं। उन्हें अच्छे काम के लिए दो सर्वश्रेष्ठ कलेक्टर का सम्मान भी दिया गया था। अवंतिका सिंह औलख ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत अहमदाबाद मे बतौर कलेक्टर सराहनीय काम किया था। अवंतिका सिंह औलख अपने काम को काफी कुशलता से करती हैं, लेकिन स्वभाव से काफी विनम्र हैं। यही वजह है कि गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय में वह न सिर्फ टिकी हुई हैं बल्कि उन्होंने अपने काम से खुद की स्वीकार्यता को बढ़ाया है। राजनीतिक हलकों में उनको लेकर अच्छी प्रतिक्रिया है। वह एमपी और एमएमए के आग्रहों को विनम्रतापूर्वक सुनती हैं। सीएमओ में रहकर उनके कामों को करावती हैं। सीएमओ में काफी एक्टिव रहने वाली अवंतिका सिंह दो बच्चों की मां हैं। वह उनकी भी देखरेख करती हैं। अवंतिका सिंह की शादी आईएएस रुपवंत सिंह के साथ हुई है। वे गुजरात कैडर के आईएएस हैं। वे वर्तमान में जीएमडीसी (गुजरात मिनरल्स डेवलपमेंट कॉरपेरेशन) के एमडी हैं। उन्हें यह जिम्मेदारी अप्रैल, 2023 में मिली थी। वे भी 2003 बैच के आईएएस हैं।

नीट यूजी रिजल्ट मामले में सुनवाई: सॉलिसिटर तुषार मेहता हुए पेश, कहा- मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जाए

इंदौर, 22 मई (एजेंसियां)। नीट यूजी रिजल्ट मामले में हाई कोर्ट में एनटीए की ओर से सॉलिसिटर तुषार मेहता वर्चुअल उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि इंदौर से जुड़े 24 सेंटरों के प्रभावित स्टूडेंट्स के लिए एक कमेटी गठित की जाए। कमेटी प्रभावित स्टूडेंट की व्यथा सुने और संबंधित स्टूडेंट का एग्जाम फिर से लेने या अन्य विकल्प देने का निर्णय ले। मामले में हाई कोर्ट ने 26 मई को अगली सुनवाई तय की है। बिजली गुल होने के कारण इंदौर के 25 एग्जाम सेंटर पर स्टूडेंट ठीक से पेपर हल नहीं कर पाए थे। पिछली सुनवाई में एनटीए ने हाई कोर्ट में जवाब पेश किया था। कोर्ट ने नीट यूजी के रिजल्ट पर रोक लगा दी थी। मामले में 25 से ज्यादा सेंटरों से जुड़े स्टूडेंट्स प्रभावित हुए हैं। जिनकी संख्या अब 50 से ज्यादा हो गई है। इनकी मांग है कि रिएक्जाम कराई जाए।

याचिकाकर्ता के एडवोकेट मृदुल भटनागर ने बताया कि याचिकाकर्ता पीड़ित स्टूडेंट्स काफी ज्यादा हैं। सभी ने अपनी परेशानियां बताई कि लाइट गुल होने पर कैसे उनके प्रश्नपत्र बिगड़े। उज्जैन में भी ऐसी स्थिति बनी थी। वहां के भी 5 से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। ऐसे में आज हाई कोर्ट में रिज्वाइंडर पेश करने के लिए समय मांगा जाएगा। इसके साथ ही मांग की जाएगी कि जिन 25 सेंटरों के स्टूडेंट्स की परीक्षा प्रभावित हुई है उनकी रिएक्जाम कराई जाए ताकि उनका भविष्य खराब न हो। इन स्टूडेंट्स ने काफी मेहनत की है। इनमें से कई तीन-चार अटेम्ट वाले हैं।

पिछली सुनवाई में एनटीए ने पेश किया था जवाब

पिछली सुनवाई में एनटीए ने जवाब में बताया था कि हमने बहुत शांतिपूर्ण वातावरण और बिना किसी असुविधा के एग्जाम कराया था। साथ ही यह माना कि एग्जाम के दौरान कई सेंटर पर 10 मिनट से एक घंटे तक लाइट नहीं थी। वहां हमने कैंडल और जनरेटर के माध्यम से लाइट की व्यवस्था की थी। चूंकि समर सीजन में परीक्षा आयोजित हुई थी। पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था थी इसलिए कोई असुविधा नहीं हुई जबकि याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट भटनागर का कहना है कि ऐसे करीब 25 सेंटर ऐसे हैं जहां पर बच्चों के एग्जाम प्रभावित हुआ है।

तब एनटीए की यह थी दलील

इस मामले में 16 मई को हुई सुनवाई में एनटीए की ओर से जवाब देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। उन्होंने हाईकोर्ट के समक्ष एनटीए का पक्ष रखते हुए कहा था कि यदि पूरा रिजल्ट रोका गया तो सैकड़ों छात्र प्रभावित होंगे। बिजली गुल होने से प्रभावित 11 सेंटर की रिपोर्ट पर 2 दिन में जवाब पेश कर देंगे। तब हाईकोर्ट ने एनटीए, बिजली कंपनी और परीक्षा केंद्र को नोटिस जारी किए थे। इन सभी को 30 जून तक जवाब पेश करना होगा। 4 मई को मध्यप्रदेश के 30 शहरों में हुई इस परीक्षा में करीब ढाई लाख छात्र शामिल हुए थे।

जालंधर के काजी मोहल्ले में आज भी मुनीर का घर

1947 के दंगों में हिंदुस्तान छोड़कर गया परिवार, पाक फील्ड मार्शल के पूर्वज रहे हैं हिंदू

जालंधर, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ से फील्ड मार्शल प्रोमोट हुए आसिम मुनीर का परिवार 1947 के बंटवारे से पहले पंजाब के जालंधर के मोहल्ला काजी मंडी में रहता था। यहां आज भी उनका घर है। तब ये इलाका मुस्लिम बहुल था। बंटवारे के दौरान दंगों की बीच उनका परिवार पाकिस्तान शिफ्ट हो गया। भाजपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान की नींव ही भारत विरोधी सोच पर रखी गई। इसी का नतीजा है कि आसिम मुनीर उसी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं। कालिया ने दावा किया कि मुनीर के पूर्वज हिंदू थे और बाद में उन्होंने इस्लाम अपना लिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे मुनीर की ही भूमिका हो सकती है।

मुस्लिम समुदाय को समर्पित कई मोहल्ले

पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया ने कहा कि आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान बने। जालंधर सिटी के कई इलाके तब मुस्लिम बहुल थे। इनमें काजी मोहल्ला, अली मोहल्ला, चाहर बाग और इस्लामाबाद जैसे मोहल्ले मुस्लिमों के गढ़ हुआ करते थे। आसिम मुनीर का परिवार काजी मोहल्ले में रहता था। ये लोग कहीं बाहर से नहीं आए थे। इनकी 8 से 10 पीढ़ियां हिंदू रही हैं। कालिया ने यहां तक कहा कि आसिम मुनीर की पीढ़ियां भी हिंदू रही हैं।

काजी मोहल्ला मुस्लिम समुदाय का हिस्सा था

जालंधर के वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय निवासियों के अनुसार, 1947 से पहले शहर में लगभग 85 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी। इनमें से ज्यादातर विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए। काजी मोहल्ला निवासी 79 वर्षीय हरप्रीत सिंह कहते हैं कि काजी मोहल्ला मुस्लिमों का गढ़ था और आसिम मुनीर का परिवार भी यहीं से पाकिस्तान गया था। काजी मोहल्ला के केमिस्ट अनिल खेड़ा, जिनके पूर्वजों ने 1894 में पंजाब में पहली केमिस्ट की दुकान खोली थी, कहते हैं कि मुस्लिम समुदाय के लोग यहां तांगा चलाते थे और पुराने बाजार में सब्जी की दुकानें थीं। उन्होंने अपने बुजुर्गों से सुना है कि काजी मोहल्ला पूरी तरह से मुस्लिम इलाका था और विभाजन के दौरान पूरा इलाका खाली हो गया था।

जालंधर में 85% आबादी मुस्लिम थी

जालंधर की जामा मस्जिद के गद्दी नशीन (सज्जादा नशीन) सैयद नासिर उद्दीन पीरजादा ने कहा कि सभी मुसलमान जामा मस्जिद में नमाज अदा करने आते थे। जालंधर में 85% आबादी मुस्लिम थी। 12 इलाके तो ऐसे थे जहां 100 फीसदी मुस्लिम ही रहते थे। 1947 के बंटवारे के बाद मुस्लिम समुदाय के लगभग सभी लोग अपने परिवारों के साथ पाकिस्तान चले गए। कई राजनेता, लेखक और अच्छे परिवार पाकिस्तान चले गए। आसिम मुनीर के बारे में उन्होंने कहा कि यह एक राजनीतिक मामला है और वे इस बारे में कुछ नहीं कह सकते क्योंकि वे गद्दी नशीन हैं। आसिम मुनीर और उनके परिवार के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वे कब आए और कब गए।

सर्पदंश घोटाला: 38 बार सांप ने काटा, मिला 1.52 करोड़ का मुआवजा, सरकारी धन गबन की जांच शुरू

भोपाल, 22 मई (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सांप घोटाला सुना है? हैरानी हुई ना? लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसा सच में हुआ है। यहां सिवनी जिले में सर्पदंश घोटाला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था की लापरवाही और भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। इस घोटाले में 47 मृत व्यक्तियों के नाम पर बार-बार फर्जी मृत्यु का दावा कर शासन की राशि का गबन किया गया। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांप घोटाला हुआ है, केवल एक जिले से ही 11 करोड़ रुपए का कागजी मुआवजा सर्पदंश पीड़ितों को दिया गया। प्रदेश के सांप घोटाले पर जीतू पटवारी ने ट्वीट करते हुए मध्यप्रदेश वासियों से पूछा- सोचिए, बाकी 54 जिलों में सरकारी भ्रष्टाचार की क्या स्थिति होगी? बोले- देश-विदेश में कई घोटाले हुए हैं जिनमें अब नया सांप घोटाला भी शामिल हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार पर सांप काटने के नाम पर कागजी मुआवजा बांटकर घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि सिवनी की एक व्यक्ति को 38 बार सांप ने काटा और हर बार के 4-4 लाख रुपए उसके नाम पर निकाल लिए। उन्होंने कहा- मध्य प्रदेशवासियों, कई प्रकार के घोटाले, कई प्रकार के करप्शन, कई प्रकार की चोरियां हमने देखी हैं, दुनिया में कहीं नहीं होगा, मध्यप्रदेश में सांपों की गिनती करने का आदेश दिया गया है। यह कहीं नहीं होगा लेकिन हमें करना है। एक व्यक्ति को सांप ने 38 बार काट लिया। सिवनी का साथी है हमारा, उसको 38 बार काटा और 38 बार के 4-4 लाख रुपए उसके नाम पर निकाल लिए। एक जिले में 11 करोड़ रुपए ऐसे सांप के काटने के सरकार ने डिस्पोजल किए, ये पैसा वही है जो कर्ज लेकर आपसभी पर बोझ डाला है। प्रदेश की जनता पर बोझ डाला गया है। मध्यप्रदेश के वासियों, कभी नहीं सुना कि सांप काटने का कोई घोटाला होता है। वो केवल मध्य प्रदेश में। एक जिले का 11 करोड तो 55 जिलों के कितने! मतलब आप देखो किस तरीके से आपके खून पसीने के आर्थिक संसाधनों को लूटा जा रहा है। सांप घोटाला कर रहे हैं। जरा देखो, समझो और सुनो। जांच में सामने आया है कि मृत व्यक्तियों के नाम पर बिना मृत्यु प्रमाण पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन और पीएम रिपोर्ट के ही बिल पास किए जाते रहे। दरअसल, एमपी सरकार सांप काटने से मृत्यु होने पर 4 लाख रु का मुआवजा देती है। रमेश नाम के शख्स को 30 बार अलग-अलग दस्तावेजों में मृत बताया गया। वह भी हर बार सांप के काटने से। ऐसा करके भ्रष्ट अधिकारियों ने 1 करोड़ 20 लाख रुपये का गबन किया। इतना ही नहीं रामकुमार नाम के शख्स को सरकारी दस्तवाजों में भी 19 बार मरा हुआ दिखाया गया।यह घोटाला साल 2019 से शुरू हुआ और 2022 तक जारी रहा यानी कमलनाथ सरकार में शुरू हुआ भ्रष्टाचार का सिलसिला शिवराज सरकार तक चला। इस घोटाले में तत्कालीन एसडीएम अमित सिंह और पांच तहसीलदारों की भी भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

51 तोला सोना-एसयूवी दी, फिर भी दहेज के लिए करते रहे प्रताड़ित एनसीपी नेता की बहु ने किया सुसाइड

पुणे, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता राजेंद्र हगवणे की बहू वैष्णवी हगवणे के सुसाइड के मामले ने दहशत फैला दी है। बताया जा रहा है कि परिवार के तीन सदस्यों को अपनी बहू को दहेज की मांग को लेकर और सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी

ससुराल में फांसी लगाकर किया सुसाइड

पुलिस ने बताया कि दहेज को लेकर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के बाद महिला ने पिंपरी-चिंचवाड़ के बावधन इलाके में स्थित अपने ससुराल में 16 मई को कथित तौर पर फांसी लगाकर सुसाइड कर ली थी। पुलिस ने बताया कि महिला के पति शशांक, सास लता राजेंद्र हगवणे, ससुर राजेंद्र हगवणे (जो राकांपा नेता हैं), ननद करिश्मा और देवर सुशील के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने और घरेलू हिंसा से संबंधित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ससुर और देवर हुए फरार- पुलिस

पुलिस ने पीड़िता के पति, सास और ननद को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि ससुर और देवर फरार हैं। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने पूरे प्रकरण पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और न्यायिक जांच और पीड़ित परिवार के लिए शीघ्र न्याय की मांग की। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए पुणे जिले के बारामती से सांसद सुले ने कहा, 'यह घटना बेहद दुखद है। हगवणे परिवार मुलशी और पुणे में एक प्रमुख नाम है। उनके दादा ने कई दशकों तक पंचायत समिति में अच्छा काम किया था।'

दो करोड़ रुपये लाने का बनाया था दबाव- मृतक के परिजन

शिकायत में महिला के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि शादी के दौरान उन्होंने उसके पति के परिवार को 51 तोला (595 ग्राम) सोना, चांदी और एक एसयूवी दी थी, लेकिन उनकी बेटी के ससुराल वाले उस पर जमीन खरीदने के लिए दो करोड़ रुपये और लाने का दबाव बना रहे थे। पीड़िता के माता-पिता ने यह भी दावा किया कि मौत से पहले उनकी बेटी को शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया था और उन्होंने उसकी हत्या किये जाने की आशंका जताई।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 23 मई - 2025

पाकिस्तान की कलई खुलेगी

पहलगांव में 26 लोगों की हत्या के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचों को तहस-नहस तो कर दिया है। उसके बाद अब समय आ गया है कि दुनिया के सामने इस्लामाबाद की हकीकत भी सामने लाई जाए। इसके लिए भारत ने अपने प्रतिनिधिमंडल के जरिए दुनिया को भारत के बदले रुख से अवगत कराने की तैयारी कर ली है। कुछ देशों के समर्थन पाकर पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उसे बेनकाब करने के लिए भारत ने जिस तरह की कूटनीतिक चाल चली है उससे उसका भद्दा चेहरा लोगों के सामने आ जाएगा। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। अभी तक पाकिस्तान परमाणु बम की आड में अपनी करतूतों को छिपाता रहा था, लेकिन नई दिल्ली से मोदी सरकार ने साफ चेतावनी दे दी है कि यह उसकी गीदडभभकी नहीं चलने वाली। अगर पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों की आड़ में भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश की, तो उसे ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। इसके लिए भारत पूरी तरह सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत का न्यू नॉर्मल है। यह बात दुनिया वालों को भी जानकारी दे दी गई है कि पाकिस्तान की टेरर पॉलिसी के चलते ही ऐसी नौबत आई है। अपने यहां मौजूद आतंकी ढांचों पर एक्शन तो दूर, पाकिस्तान ने उन्हें हमेशा बचाने की कोशिश की। ये आतंकी अड्डे हिंदुस्तान और बाकी दुनिया के लिए भी बड़ा खतरा बने हुए थे। पाकिस्तान ने संघर्ष को भड़काने के लिए अपने सोर्स के जरिए खूब झूठ फैलाया। अब उसका यह चेहरा बेनकाब करने की जरूरत है कि भारत से टक्कर की चाहत में वह अपने नागरिकों को भी ढाल बना लेता है, और नई दिल्ली की लड़ाई आम लोगों से नहीं बल्कि आतंकियों और उनके आकाओं से है। मोदी सरकार ने सिंधु जल संधि को इसलिए निलंबित किया, क्योंकि एक तो इस ट्रीटी में भारतीय हितों का ख्याल नहीं रखा गया था और दूसरे, पाकिस्तान ने कभी अच्छे पड़ोसी होने का धर्म नहीं निभाया। ऐसे माहौल में पाकिस्तान को पानी पर सहानुभूति बटोरने का मौका नहीं मिलना चाहिए। पाकिस्तान को चीन और तुर्किए जैसे देशों से बराबर खाद-पानी मिल रहा है जिसकी वजह से वह मनबढ़ हो गया है। इस बार भी इन दोनों मुल्कों ने अपने निहित स्वार्थ के चलते पाकिस्तान को सपोर्ट किया। भारत की नई कूटनीतिक पहल से दोनों देशों पर दबाव पड़ना तय माना जा रहा है। इससे दूसरे देश भी पाकिस्तान की हकीकत से रूबरू हो सकेंगे। सरकार ने विदेश भेजने वाले सातों डेलिगेशन में सभी दलों के प्रतिनिधियों को शामिल किया है। जो यह दिखाने के लिए काफी है कि राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हित के मसले पर पूरा देश एक है। आतंकवाद से लड़ाई में सरकार को सभी का समर्थन हासिल है। भारत की एकजुटता संदेश है और चेतावनी भी कि पाकिस्तान से सीमापार आतंक का सच हम सभी देशों के सामने लाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे।

अमित शाह का नक्सलवाद खत्म करने की घोषणा पर बढ़ते कदम

अशोक भाटिया

नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में सीपीआई -माओवादी के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बासवराजू सहित 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया । छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चल रहा अभियान बहुत बड़े मुकाम तक पहुंचा है। इसमें 21 मई 2025 को नक्सली इतिहास के पन्ने में नक्सली सफाई का एक ऐसा अध्याय लिख दिया गया है, जो अब नक्सलियों के सफाई की अंतिम कहानी को लिखेगा। साल 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी की कोख से जन्मे नक्सलवाद और उसकी लड़ाई में पहली बार ऐसा हुआ है, जब नक्सलियों के महासचिव की टीम से सीधी टक्कर हुई है। जिसमें उनका शीर्ष कमांडर मारा गया हो। नक्सलियों ने जब से अभियान की शुरुआत की थी, तब से लेकर आज तक ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी महासचिव कमांडर से सुरक्षा बलों की सीधी टक्कर हुई और इस टक्कर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। इससे पहले महासचिव स्तर के कमांडर नीतियां बनाते थे। लड़ाई पहले लेयर के नक्सली लड़ते थे। लेकिन अब शायद वह लेयर भी खत्म हो गया है, जो सुरक्षा बलों के चलाए जा रहे अभियान की सबसे बड़ी कामयाबी है। बताया जाता है कि नक्सलियों के लिए मई और जून का महीना उनके हिसाब किताब का महीना होता है। इस महीने में नक्सली अपने पूरे नेटवर्क का हिसाब किताब करते हैं। इस महीने को नक्सलियों के हिसाब किताब का महीना कहा जाता है। नक्सलियों के हिसाब किताब के महीने से तात्पर्य सिर्फ इस बात का नहीं है कि नक्सलियों को कितनी लेवी आई है या नक्सली कितना पैसा वसूले हैं। हिसाब किताब का महीना इसलिए इसे कहा जाता है कि नक्सली चाहे दवा का भंडारण हो या फिर खाने का सामान या बंदूक की जरूरत हो या फिर गोलियों की यह सभी हिसाब किताब मई और जून महीने में कर लेते हैं। इस सफलता के पीछे की सबसे बड़ी वजह यह भी बताई जाती है कि जंगल में जहां नक्सली रहते हैं, उसके आसपास छोटी बड़ी नदियां होती हैं। मई और जून के महीने में इन नदियों में पानी नहीं होता है। जिसके कारण परिवहन बहुत आसान होता है। खाने पीने का सामान, दवाई या उससे जुड़ी चीज आसानी से बाजार से लेकर जंगल में उनके ठिकाने तक पहुंचाई जाती है। बारिश का महीना होने के बाद नदियों में पानी आ जाता है। फिर नदी पार करके इन सामानों को लाना काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए इस महीने में इनके भंडारण का सबसे ज्यादा काम होता है। इस बार इसी हिसाब किताब के महीने पर सुरक्षा एजेंसियों ने सबसे ज्यादा पहरा बैठा दिया है। जिसका परिणाम है कि अब नक्सलियों के महासचिव स्तर के कमांडर मारे जा रहे हैं। इस ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने जिन 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया, उनमे ही नंबाला केशव राव, उर्फ बासवराजू भी शामिल है, जो सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ था। यह पहली बार है जब भारत की नक्सलवाद के खिलाफ तीन दशकों की लड़ाई में महासचिव स्तर के नेता को हमारे सुरक्षा बलों ने मार गिराया है।गृह मंत्री ने कहा कि इस बड़ी सफलता के लिए वे हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करते हैं। श्री शाह ने कहा कि यह भी खुशी की बात है कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। ज्ञात हो कि नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू पर छत्तीसगढ़ सरकार ने एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया था। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी उस पर अलग-अलग इनाम घोषित थे। उसकी गिनती उन चुनिंदा नक्सल नेताओं में होती थी जो पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति दोनों सर्वोच्च निकायों में शामिल था। उसे एक ऐसा नक्सल नेता माना जाता था जो जंगल में अपनी तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और नेटवर्क के कारण कभी भी पकड़ा नहीं गया। लेकिन इस बार सुरक्षा बलों ने उसे चकमा देते हुए मार गिराया है। बसवराजू का जन्म आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जियान्नापेटा गांव में हुआ था। उसने वारंगल के इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक किया था। लेकिन पढ़ाई के बाद उसने बंदूक उठा लिया। साल 1970 के दशक में उसने नक्सली आंदोलन से जुड़कर प्रकाश, कृष्णा, विजय, उमेश और कमलू जैसे कई छद्म नामों से काम करना शुरू कर दिया। वो शुरू में जमीनी कार्यकर्ता था, लेकिन जल्द ही संगठन की रणनीति और हथियारों की ट्रेनिंग में माहिर हो गया। साल 1992 में उसे पीपुल्स वार ग्रुप की केंद्रीय समिति का सदस्य बनाया गया। उस वक्त इस ग्रुप का महासचिव गणपति हुआ करता था। बसवराजू को गणपति और सीतारामैया जैसे नेताओं से गुरिल्ला युद्ध का प्रशिक्षण मिला। उसने धीरे-धीरे सैन्य रणनीति, आईडी और बारूदी सुरंगों के संचालन में महारत हासिल कर लिया। साल 2018 में बसवराजू को सीपीआई (माओवादी) का महासचिव नियुक्त किया गया। उसने गणपति की जगह ली, जिसने उम्र और बीमारी के चलते पद छोड़ दिया था। लेकिन बसवराजू की कमजोरी यह रही कि उसके पास संगठन को राजनीतिक रूप से चलाने का अनुभव नहीं था। इसलिए सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि उसके कार्यकाल में माओवादी आंदोलन रणनीतिक रूप से कमजोर हुआ। हालांकि वह सैन्य अभियानों के लिए जिम्मेदार रहा और बस्तर में कई बड़े हमलों की साजिश रचता रहा। सुरक्षा विशेषज्ञ और प्रोफेसर डॉ। गिरीशकांत पांडे बताते हैं, ₹बसवराजू एक सैन्य रणनीतिकार था लेकिन उसके पास राजनीतिक सोच का अभाव था। उसके नेतृत्व में माओवादी आंदोलन ने दिशा खो दी। यही वजह है कि माओवादी आंदोलन दिशा भटक गया। उसकी मौत माओवादी नेटवर्क की रीढ़ तोड़ने जैसा है।" नक्सलियों के खिलाफ पिछले दिनों हुई कारवाई की मिली जानकारी के अनुसार 1। 21 मई 2025 से पहले 21 दिनों में 31 नक्सली मारे गए हैं।2। नक्सलियों के लिए हथियार बनाने वाली लेथ मशीन को जप्त किया गया है। 3।नक्सलियों के 818 BGL सेल को बरामद किया गया है।4। 450 आईडी बम डिफ्यूज किए गए हैं।5। 2 साल के लिए नक्सलियों द्वारा रखा गया राशन जप्त किया गया है।6। बंदूक और दूसरे हथियार बनाने की दो फैक्ट्रियों को पकड़ा गया है।7। नक्सलियों के एक दर्जन से ज्यादा कैंप को ध्वस्त किया गया है।8। नक्सलियों के इलाज के लिए बनाए गए चार अस्पताल को पूरे तौर पर ध्वस्त कर दिया गया है।9। हथियारों का बड़ा जखीरा पुलिस ने बरामद किया है। 10। 21 मई 2025 को महासचिव को मारकर सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के मनोबल को तोड़ दिया है। पिछली नक्सलवादी घटनाओं के देखे तो 2003 में अलीपीरी बम विस्फोटः- आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायडू की हत्या का प्रयास।2010 में दंतेवाड़ा नरसंहारः- इस हमले में 76 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।2013 में झीरम घाटी हमलाः- इसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सहित 27 लोग मारे गए थे। 2019 में श्यामगिरी हमलाः- बीजेपी विधायक भीमा मंडावी सहित पांच लोग मारे गए। 2020 में मिनपा एंबुशः- सुकमा में हुए नक्सली हमले में 17 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। 2021 में टेकलगुड़ेम हमलाः- बीजापुर में उस साल का सबसे बड़ा नक्सली हमला, जिसमें 22 जवान शहीद हो गए। सुरक्षा बलों को खुफिया सूचना मिली थी कि बसवराजू समेत संगठन की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के कई सदस्य अबूझमाड़ के नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा ट्राई-जंक्शन पर डेरा डाले हुए हैं। इसके बाद चार जिलों नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड, एसटीएफ और अन्य इकाइयों ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। 70 घंटे चले इस अभियान में एक बड़े जंगल क्षेत्र की घेराबंदी की गई। मुठभेड़ के दौरान भारी गोलीबारी हुई। सुरक्षा बल बसवराजू के सुरक्षा घेरे को तोड़ने में सफल रहे। इस अभियान में बसवराजू मारा गया। ऑपरेशन में डीआरजी का एक जवान शहीद हुआ, जबकि कुछ अन्य घायल हुए। बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बरामद की गई। उसकी मौत से सीपीआई (माओवादी) को बड़ा झटका लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अब संगठन में ऐसा कोई अनुभवी नेता नहीं बचा है जो 40 से 50 वर्ष की उम्र का हो और नेतृत्व की क्षमता रखता हो।

समय के साक्षी कछुए : टिकाऊ प्रकृति की टूटती कड़ी

प्रो. आरके जैन

निःशब्द, धीमी चाल और सदियों का साक्षी — जब कोई प्राणी हमारी धरती पर प्रकृति का सबसे शांत, लेकिन सबसे मज़बूत प्रहरी बनकर खड़ा हो, तो उसका महत्व केवल जैवविविधता तक सीमित नहीं रह जाता, वह हमारी संस्कृति, चेतना और पर्यावरण की आत्मा बन जाता है। कछुआ, जो समय की रेत पर अपने धैर्य और दीर्घायु के पदचिह्न छोड़ता आया है, आज ख़तरे में है। 23 मई को मनाया जाने वाला विश्व कछुआ दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक पुकार है-उस मौन जीवन के लिए, जिसे हमने वर्षों तक नज़रअंदाज़ किया, और जो आज हमसे बचाव की गुहार कर रहा है। विश्व कछुआ दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में "अमेरिकन टॉरटॉयस रेस्क्यू" नामक एक गैर-लाभकारी संगठन द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य था कछुओं और कछुए की विविध प्रजातियों के संरक्षण और उनके महत्व को वैश्विक स्तर पर जागरूकता के साथ जोड़ना। यह प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है, जिसमें विभिन्न देशों के वैज्ञानिक, संरक्षणकर्मी, विद्यार्थी, शिक्षक और आम नागरिक मिलकर भागीदारी निभा रहे हैं। कछुए धरती पर लगभग 22 करोड़ वर्षों से अस्तित्व में हैं - यानी वे डायनासोर से भी पहले आए और आज भी जीवित हैं। उन्होंने बर्फीले युगों, महाविनाशों और भूगर्भीय परिवर्तनों को झेला है। उनके अस्तित्व की स्थिरता उनकी "धीमे लेकिन स्थायी" जीवनशैली का प्रमाण है। लेकिन यह दुखद है कि आज, जिन संकटों से वे जूझ रहे हैं, वे किसी प्राकृतिक आपदा के नहीं, बल्कि मानवीय लालच और लापरवाही के परिणाम हैं। कछुए की भूमिका केवल पारिस्थितिकी तंत्र तक सीमित नहीं है; वे लोककथाओं, संस्कृति और आध्यात्मिक मान्यताओं में भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। भारत, चीन, अफ्रीका और अमेरिका की पुरानी कथाओं में कछुए को पृथ्वी का वाहक, दीर्घायु और ज्ञान का प्रतीक माना गया है। भारतीय पुराणों में कूर्म अवतार को विष्णु के रूप में पूजा जाता है, जो समुद्र मंथन के समय मंदराचल पर्वत को अपने पीठ पर टिकाकर सृष्टि के संतुलन में सहायक बना। लेकिन आज, उसी कछुए को जल स्रोतों से उठाकर बाजारों में बेचा जा रहा है-कभी खाने के लिए, कभी सजावट के लिए, तो कभी औषधि के नाम पर। विश्व में ज्ञात 350 से अधिक कछुआ प्रजातियों में से लगभग 60% संकटग्रस्त या विलुप्ति की कगार पर हैं। भारत में "इंडियन स्टार टर्टल," "रेड क्राउन रूफ टर्टल," और "नॉरदर्न रिवर टेरपिन" जैसी दुर्लभ प्रजातियाँ गंभीर खतरे में हैं। समुद्री कछुए जैसे "ऑलिव रिडली" जो हजारों किलोमीटर तैरकर अंडे देने भारत के ओडिशा तट पर आते हैं, उन्हें मछली पकड़ने के जाल, रोशनी के प्रदूषण और मानव हस्तक्षेप से भारी खतरा है। इन मूक प्राणियों के लिए संकट के प्रमुख कारणों में हैं -प्लास्टिक प्रदूषण (अक्सर वे प्लास्टिक को जेलीफिश समझकर खा जाते हैं), समुद्र तटों का अतिक्रमण, अवैध व्यापार, सड़क दुर्घटनाएं, अंधविश्वास आधारित शिकार, और जलवायु परिवर्तन। अंडे सेने की प्रक्रिया तापमान पर निर्भर होती है, जिससे मादा और नर कछुओं का अनुपात बिगड़ रहा है, जो भविष्य की संतति के लिए खतरा है। कछुए पारिस्थितिकी के संतुलन में अदृश्य लेकिन अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मरे हुए जीवों को खाकर जल स्रोतों की सफाई करते हैं, समुद्री घास को नियंत्रित रूप से चरकर समुद्री पारिस्थितिकी को टिकाऊ बनाए रखते हैं, और उनके द्वारा खुदी गई मिट्टी की बिलों में अनेक छोटे जीवों को सुरक्षा मिलती है। वे पारिस्थितिकी के "की-स्टोन स्पीशीज़" माने जाते हैं, जिनके लुप्त होने से पूरी पारिस्थितिकी प्रणाली असंतुलित हो सकती है। आज विश्व भर में कछुओं के संरक्षण के लिए अनेक उपाय किए जा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर और बदलती कूटनीति

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारत की विदेश नीति लंबे समय तक एक संतुलित और संयमित स्वरूप में ढली रही, जिसमें सहिष्णुता, संवाद और बहुपक्षीय साझेदारी को प्राथमिकता दी जाती रही। किंतु बदलते वैश्विक परिदृश्य, सीमा-पार से हो रहे निरंतर हमले, और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की बारंबार विश्वासघातपूर्ण प्रवृत्तियों ने भारत को अपनी कूटनीतिक सोच और रणनीतिक रवैये में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए विवश कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर, जो भारत की सैन्य क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और तकनीकी दक्षता का प्रत्यक्ष प्रमाण बना, केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं थी, वह एक निर्णायक संदेश था, जिसे भारत ने दुनिया को सुनाया।इस अभियान के बाद भारत ने न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर और सीमावर्ती पाकिस्तानी क्षेत्रों में धूल थोड़ी बहुत बैठ चुकी है, लेकिन यह मान लेना कि भारत का अशांत पड़ोसी देश अब सुधर जाएगा, नासमझी होगी। दशकों के अनुभव ने हमें यह सिखाया है कि पाकिस्तान बार-बार अपने कट्टरपंथ और छल-कपट की ओर लौटता है, और कूटनीति की भाषा उसके लिए केवल मंचीय प्रदर्शन मात्र है। ऑपरेशन सिंदूर में जो सैन्य और मनोवैज्ञानिक आघात पाकिस्तान को मिला, वह शायद कुछ समय तक उसकी गतिविधियों को सीमित रखे, लेकिन यह कोई स्थायी समाधान नहीं है। ऐसे में, प्रश्न यह नहीं है कि पाकिस्तान ने क्या सीखा, बल्कि यह है कि भारत ने इस संघर्ष और उसके पश्चात की घटनाओं से क्या सीखा, विशेषकर अपनी विदेश नीति के परिप्रेक्ष्य में। भारत को अपनी सतर्कता में किसी भी प्रकार की ढील नहीं देनी चाहिए। पाकिस्तान ने एक बार फिर यह प्रमाणित किया है कि वह एक अविश्वसनीय, गैर-जिम्मेदार और विश्व मंच पर नाटकीयता का प्रदर्शन करने वाला राज्य है। जो सबक इस संघर्ष से मिले हैं, वे न केवल सैन्य स्तर पर महत्वपूर्ण हैं, बल्कि राजनयिक और राजनीतिक नेतृत्व के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। सबसे पहली बात यह समझने की है कि पाकिस्तान अब भी अपनी आतंकवादी नीति, छद्म युद्ध और धार्मिक उन्माद की विचारधारा से पीछे हटने को तैयार नहीं है। वह आज भी आतंकवाद को एक नीति के रूप में अपनाए हुए है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि उसने हमेशा सुधार की संभावना को नकारा है। ऐसे में भारत को भी अब यह समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान से शांति की अपेक्षा करना आत्मवंचना है। भारत को अपनी कूटनीति और रणनीति को इस यथार्थ के आलोक में पुनः परिभाषित करना होगा। इस पूरे प्रकरण के बाद यह भी स्पष्ट हो गया है कि मुस्लिम जगत के बड़े हिस्से ने पाकिस्तान की 'धार्मिक पीड़ितता' की कहानी को नकार दिया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और अन्य अरब देशों ने भारत के साथ सहयोग और मैत्री का रुख अपनाया है। लेकिन इसके विपरीत, कुछ यूरोपीय देशों और अमेरिका के कुछ राजनीतिक वर्गों ने, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां मुस्लिम आबादी का प्रभाव है, पाकिस्तान के झूठे आख्यानों को समर्थन देने का प्रयास किया। टर्की इस समर्थन का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। राष्ट्रपति एर्दोआन ने सीरिया और आर्मीनिया में अपने संघर्षों को धार्मिक चश्मे से देखने के बाद अब पाकिस्तान के साथ स्पष्ट गठबंधन कर लिया है। उन्होंने भारत-विरोधी रुख अपनाकर तुर्की समाज में कट्टरपंथी समर्थन हासिल करने की कोशिश की है। भारत को इस परिस्थिति में द्विस्तरीय रणनीति अपनानी चाहिए। एक ओर तो उसे तुर्की की वर्तमान नेतृत्व की नीतियों का जवाब कूटनीतिक सख्ती और रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से देना होगा, वहीं दूसरी ओर तुर्की समाज के उस हिस्से से भी जुड़ाव बनाना होगा जो उदारवादी और प्रगतिशील विचार रखता है। एक लोकतांत्रिक और बहु-सांस्कृतिक भारत की छवि को वहाँ के युवाओं और बौद्धिक वर्ग के समक्ष सशक्त रूप में प्रस्तुत करना होगा ताकि भावी तुर्की नेतृत्व के साथ संबंधों की संभावनाएं बनी रहें। बांग्लादेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। वहां की सेना और राजनैतिक वर्ग में पाकिस्तान-प्रेरित धार्मिक और सैन्य उग्रवाद की ओर झुकाव स्पष्ट होता जा रहा है। भारत को बांग्लादेश के साथ आर्थिक और सामरिक सहयोग को बनाए रखते हुए, वहाँ की कट्टर शक्तियों को आर्थिक और वैचारिक समर्थन देने वाले वैश्विक वित्तीय संस्थानों के साथ भी संवाद स्थापित करना चाहिए। आईएमएफ, विश्व बैंक जैसी संस्थाओं के माध्यम से पाकिस्तान और बांग्लादेश में इस्लामवादी और सैन्य ताकतों को मिलने वाली सहायता पर अंकुश आवश्यक है। यह केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए आवश्यक है। इस पूरे परिदृश्य में चीन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर में चीन निर्मित वायु रक्षा प्रणाली की असफलता ने चीन को एक स्पष्ट संदेश दे दिया है-भारत अब तकनीकी और रणनीतिक रूप से पिछला नहीं रहा। भारत की सैन्य क्षमताएं केवल आक्रामक ही नहीं, बल्कि चौंकाने वाली भी हैं। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय कूटनीति को चाहिए कि वह चीन के साथ संवाद में इस तथ्य को रेखांकित करे कि पाकिस्तान जैसा देश जो परमाणु ब्लैकमेलिंग और आतंकवाद का सहारा लेता है, एक विश्वसनीय साझेदार नहीं हो सकता। चीन को यह समझाना होगा कि भारत के साथ स्थिर और सकारात्मक संबंध न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि उसके आर्थिक हितों के लिए भी अनिवार्य हैं। यूरोप और ब्रिटेन का रवैया, इस पूरे मामले में सबसे निराशाजनक रहा। किसी एक भी प्रमुख राष्ट्र, मीडिया संगठन या राजनेता ने न तो मानवीय आधार पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की और न ही पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को प्रश्रय देने की निंदा की। इसका एक बड़ा कारण यूरोप की आंतरिक राजनीति है, जहाँ मुस्लिम वोट बैंक का महत्व बढ़ता जा रहा है। वामपंथी पार्टियां और उनके नेता, चुनावी गणित के चलते, इस्लामिक कट्टरवाद की आलोचना करने से कतराते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल यूरोप की सुरक्षा के लिए घातक है, बल्कि विश्व स्तर पर आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट प्रतिक्रिया की संभावनाओं को भी क्षीण करती है। भारत को अब पश्चिमी एशिया के देशों से मिले समर्थन को और भी गहरा करना होगा। सऊदी अरब, यूएई, मिस्र और ओमान जैसे देशों के साथ रक्षा, ऊर्जा, और सांस्कृतिक सहयोग के नए द्वार खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सऊदी अरब यात्रा, जो पहले पलगाम हमले के कारण स्थगित हो गई थी, अब और भी महत्वपूर्ण हो गई है। यह अवसर भारत को पश्चिम एशिया में एक स्थायी और विश्वसनीय शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच शांति बहाल करने का दावा, न केवल बेतुका था, बल्कि भारतीय संवेदनाओं को आहत करने वाला भी था। हालांकि ट्रंप के ऐसे कथन अक्सर घरेलू राजनीति की दृष्टि से होते हैं और उन्हें गंभीरता से लेना आवश्यक नहीं, लेकिन यह तथ्य बना रहता है कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं।

संकटकाल में घिनौनी राजनीति

राजेश कुमार पासी

राजनीति में टाइमिंग बहुत महत्वपूर्ण होती है, कब क्या करना है, ये बात अगर आपको पता है तो आप राजनीति में सफल हो सकते हैं लेकिन लगता है कि कांग्रेस की राजनीतिक समझदारी को ग्रहण लग गया है । जब देश युद्ध के दौर से गुजर रहा हो तो उस समय शासन से लड़ना देशद्रोह कहलाता है । बेशक कांग्रेस विपक्षी पार्टी है लेकिन उसे हर समय सरकार के विरोध में नजर नहीं आना चाहिए । कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हर मुद्दे पर मोदी सरकार के विरोध में दिखना चाहते हैं और जनता को यह संदेश देना चाहते हैं कि वो ही ऐसे नेता हैं जो मोदी सरकार से लड़ रहे हैं । अब सवाल यह है कि उन्हें यह छोटी सी बात पता नहीं है कि जब देश दुश्मन से लड़ रहा हो तो देश के साथ खड़े होना पड़ता है । भाजपा और मोदी से लड़ाई चलती रहेगी लेकिन देश से ऊपर तो कुछ नहीं है । कांग्रेस और राहुल गांधी की सबसे बड़ी समस्या ही यही है कि वो मोदी का विरोध करते-करते देश विरोध तक पहुंच जाते हैं । सरकार और सेना ने कहा है कि अभी ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ रोका गया है । इसको इससे भी समझ सकते हैं कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक मोर्चे पर जबरदस्त जंग चल रही है । भारत लगभग 40 देशों को अपने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है ताकि वो इन देशों में जाकर भारत सरकार की बात रख सकें । भारत सरकार इन देशों को यह बताना चाहती है कि उसने पाकिस्तान के खिलाफ क्यों और क्या कार्यवाही की है । क्या सामान्य हालातों में सरकार सर्वदलीय मंडलों को विदेशों में भेजती है । अगर सरकार ऐसा कर रही है तो उसे इसकी जरूरत महसूस हुई होगी । कांग्रेस भी इस प्रतिनिधि मंडल का हिस्सा है। इससे यह भी पता चलता है कि देश संकटकाल से गुजर रहा है । ऑपरेशन सिंदूर का सच विदेशों में पहुंचना चाहिए अन्यथा पाकिस्तान इसका फायदा उठा सकता है और खुद को पीड़ित बता सकता है । भारत की छवि के लिए यह जरूरी है । प्रतिनिधि मंडल भेजने से ही पता चलता है कि अभी जंग जारी है, बेशक वो कूटनीतिक मोर्चे पर लड़ी जा रही हो । इन हालातों में कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए बेतुके सवाल खड़े कर दिये हैं । इन सवालों का नतीजा यह निकला है कि राहुल गांधी पाकिस्तान के पोस्टर ब्वाय बन गये हैं । पाकिस्तानी मीडिया के हर चैनल पर उनका बयान चलाया जा रहा है । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी देने के सम्बन्ध में बयान दिया था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को बता दिया था कि हमने सिर्फ आतंकवादी शिविरों पर हमला किया है । आपके नागरिक और सैन्य ठिकानों पर कोई हमला नहीं किया गया है। इसके बाद अगर आप कार्यवाही करते हैं तो इसका बड़ा जवाब दिया जायेगा । हैरानी की बात यह है कि सेना के डीजीएमओ ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी यह बयान दिया था कि हमले के तुरंत बाद पाकिस्तानी समकक्ष को उन्होंने बता दिया था कि भारत ने क्या किया है । राहुल गांधी विदेश मंत्री के बयान को अपने तरीके से परिभाषित करते हुए यह कह रहे हैं कि उन्होंने हमले से पहले ही पाकिस्तान को सूचना दे दी थी कि भारत हमला करने जा रहा है । विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट कर दिया गया कि विदेश मंत्री ने ऐसा कुछ नहीं कहा है लेकिन राहुल गांधी कहां किसी की सुनते हैं. वो इसके बावजूद अपना नैरेटिव चला रहे हैं । आतंकवादियों और उनके आकाओं को सजा देने की बात प्रधानमंत्री मोदी सहित कई नेता कर रहे थे लेकिन किसी ने यह नहीं कहा कि किस दिन और कहां हमला होने वाला है । राहुल गांधी विदेश मंत्री के बयान के आधार पर यह स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने हमले से पहले पाकिस्तान को सूचना दे दी जिसके कारण उसकी सेना अलर्ट हो गई और उसने भारतीय वायुसेना के कई विमान गिरा दिये । इसलिए वो पूछ रहे हैं कि सरकार बताये कि भारत के कितने विमान पाकिस्तान ने गिरा दिए हैं । कांग्रेस की बर्बादी का कारण उनकी इस सोच से ही पता चल जाता है । इस मानसिकता और समझ का इंसान अगर कांग्रेस को चलाएगा तो उसका यही हाल होगा जो हो रहा है । हैरानी है कि इतने समझदार नेता होने के बावजूद कांग्रेस अभी तक कैसे चल रही है । उनके नेता पवन खेड़ा तो राहुल गांधी से भी दो कदम आगे निकल गये हैं । उन्होंने कहा है कि विदेश मंत्री ने जो कुछ कहा है, वो चेतावनी देना नहीं है बल्कि मुखबिरी करना है । यही कांग्रेस की परेशानी है कि उसके नेता राहुल गांधी को समझाने की जगह उनके साथ खड़े हो जाते हैं । जयशंकर जी के बयान का ऐसा मतलब हल्की सी समझदारी वाला इंसान भी नहीं निकाल सकता । जहां तक पाकिस्तान के अलर्ट होने का सवाल है तो दोनों देश पहलगाम हमले के बाद ही पूरे अलर्ट पर थे ।

टीआरपी के लिए गधा छोड़ दो

डॉ टी महादेव राव

भैया । लोकप्रिय होने और समाचारों में दिन रात बने रहने के लिए जरूरी है कि किसी किसी विवाद को चिंगारी देना। इससे दो बातें होती हैं एक तो विवाद के कारण लोकप्रियता तो मिलती ही है, साथ ही अन्य बड़ी समस्याओं और गंभीर मसलों पर से लोगों का ध्यान दूसरी ओर मोड़ने में भी कामयाब हो जाते हैं। लेकिन छोटू। नीट और मणिपुर के बाद महा कुंभ के दौरान बड़े भैया के तथाकथित उत्तराधिकारी अपनी लोकप्रिय सक्रियता का सशक्त प्रदर्शन कर विकसित भारत की नई एकांगी तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। दिक्कत क्या है? लोकप्रिय तो दोनों भाई दिन रात हो रहे हैं। भैया। ऐसा करके वे एक छोटे वर्ग के कोप का हिस्सा बनेंगे लेकिन बड़े वर्ग का समर्थन, सहानुभूति और स्नेह भी मिलेगा, जो लंबी दूरी तय करने में मददगार होगी। अब देखो आम चुनाव और उसके बाद उपचुनाव में अनापेक्षित पराजय प्राप्त हुआ। लोगों की उंगलियां उस बात पर उठे इससे पहले नई बात पर का विवाद लोगों का ध्यान भटकाने का मुद्दा बना कि नहीं। कोई न कोई बात को सुरसुरी पटाखे की तरह छोड़ दो वह बस लंबे समय तक आवाज करता ही रहेगा। यही बात हुई न। बिलकुल भैया। एक कहावत है किसी ने झाड़ी को हिलते देख कहा देखो शेर की पूंछ तो दूसरे ने कहा हां खूनख्वार शेर को मैंने भी देखा है। यही बात हुई न। मीडिया और सोशल मीडिया के लिए जैसे त्यौहार का माहौल बन गया है! तुमने मीडिया और सोशल मीडिया कहा तो कल ही पढ़ी एक अंग्रेजी पोस्ट मुझे याद आ रही है। एक गधा पेड़ से बंधा हुआ था। उसका मालिक उसे रोज इसी तरह बांधता था। एक रात पेड़ पर मौजूद शैतान ने गधे की रस्सी काट दी और गधा खुशी से रेंकने लगा। सबसे पहले, वह बगल के खेतों में घुस गया, फसल को रौंद डाला और नष्ट कर दिया। उस खेत के किसान की पत्नी ने गुस्से में आकर गधे को कुल्हाड़ी से काट डाला। यह देखकर गधे का मालिक अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सका और उसने किसान की पत्नी को छुरी से काट डाला। क्या उसका पति शांत होगा? किसान बंदूक लेकर आया और गधे के मालिक के सीने पर गोली दागी। वह तुरंत मर गया। गधे के मालिक की पत्नी को बहुत गुस्सा आया, उसने अपनी कमर कस ली और अपने बेटों पर चिल्लाई। वे सभी किसान के घर पहुंचे। अपने घर में आग लगी देखकर, किसान, जिसकी आँखें धुंए से जल रही थीं, गधे के मालिक की पत्नी और बेटों का पीछा किया और मार दिया। थोड़ी देर बाद जब उसका गुस्सा शांत हो जाता है तब वह शैतान से पूछता है... तुमने इतने लोगों को क्यों मारा?

कल प्रदोष व्रत

पूजा के समय सुनें यह कथा शिव कृपा से पुत्र की होगी प्राप्ति!

शनि प्रदोष व्रत 24 मई शनिवार को है। यह ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष का प्रदोष व्रत है। शनिवार को होने वाले प्रदोष व्रत को शनि प्रदोष के नाम से जानते हैं। पौराणिक कथा और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो लोग शनि प्रदोष व्रत रखकर शिव पूजा करते हैं और कथा सुनते हैं, उनको पुत्र की प्राप्ति होती है। इस बार शनि प्रदोष व्रत के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 1 घंटा 54 मिनट का है। उस दिन सौभाग्य योग में प्रदोष व्रत की पूजा की जाएगी

शनि प्रदोष व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक नगर में एक सेठ का परिवार रहता था। उनके पास किसी भी प्रकार के सुख और सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी। लेकिन सेठ और उसकी पत्नी काफी दुखी रहते थे क्योंकि उनकी कोई संतान नहीं थी। सेठ को इस बात की चिंता थी कि उसका वंश आगे कैसे बढ़ेगा। एक दिन सेठ और सेठानी ने विचार किया और अपना सारा कामकाज अपने नौकरों को सौंप दिया।

इसके बाद सेठ और सेठानी तीर्थयात्रा पर निकल गए। नगर से कुछ दूर बाहर निकलने पर उनको एक साधु मिले, जो ध्यान लगाए बैठे थे। सेठ के मन में आया कि क्यों न इस साधु के दर्शन करके आशीर्वाद ले लें और फिर तीर्थयात्रा पर आगे बढ़ें। वे सेठानी को साथ लेकर साधु के पास गए और उनके पास जाकर बैठ गए।

काफी समय बीत जाने के बाद साधु ध्यान की मुद्रा से बाहर आए तो उनको लगा कि सेठ और सेठानी काफी समय से उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं। पाकर सेठ और सेठानी ने साधु को प्रणाम किया और अपने बारे में जानकारी दी। उन्होंने सेठ और सेठानी से कहा कि वे उनके कष्ट को जानते हैं। इसका सबसे आसान उपाय है शनि प्रदोष का व्रत। तुम दोनों विधि विधान से शनि प्रदोष का व्रत रखो। तुम पर महादेव की कृपा होगी और संतान की प्राप्ति होगी।

उसके बाद उस साधु ने सेठ और सेठानी को शनि प्रदोष व्रत की विधि बताई। सेठ और सेठानी इस उपाय को जानकर बेहद खुश हुए। वे दोनों साधु का आशीर्वाद लेकर खुशी खुशी तीर्थ यात्रा पर चले गए। वहां से लौटकर आने के बाद उन दोनों ने विधि विधान से शनि प्रदोष का व्रत रखा। दान और दक्षिणा दिया। भगवान शिव की कृपा से सेठ और सेठानी को पुत्र की प्राप्ति हुई।

इस प्रकार से जो भी शनि प्रदोष का व्रत रखकर शिव पूजा करेगा, शनि प्रदोष की व्रत कथा सुनेगार, निश्चित ही उसे शिव कृपा प्राप्त होगी। उसे भी संतान सुख का सौभाग्य प्राप्त होगा।

शनि प्रदोष व्रत मई 2025 मुहूर्त

ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी तिथि का शुभारंभः 24 मई, शनिवार, 7:20 पीएम से

ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी तिथि का समापनः 25 मई, रविवार, 3:51 पीएम पर

शनि प्रदोष पूजा का मुहूर्तः शाम 7:20 बजे से रात 9:13 बजे तक

निशिता मुहूर्तः देर रात 11:57 पीएम से 12:38 एएम तक

सौभाग्य योगः दोपहर 3 बजकर 1 मिनट से रात तक

दरिद्र को पसंद है स्वादिष्ट भोजन

अधिकतर लोगों को स्वादिष्ट भोजन करने का शौक होता है। स्वादिष्ट भोजन के चक्कर में लोग अपनी सेहत को भी दांव पर लगा देते हैं। जो लोग सेहतमंद होते हैं, वे स्वादिष्ट भोजन को तरजीह नहीं देते हैं। उनको क्या खाना है? वो सोच-विचारकर ही खाते हैं। यदि आप स्वादिष्ट भोजन के शौकीन हैं तो महात्मा विदुर की बातें जानकर अपना माथा पीट लेंगे। मंत्री विदुर ने हस्तिनापुर के राजा धृतराष्ट्र को कई बातें बताई थीं, जिसमें स्वादिष्ट भोजन के बारे में भी कहा है। आइए जानते हैं स्वादिष्ट भोजन के बारे में विदुर की क्या सोच थी।

दरिद्र लोगों के भोजन में होता है अधिक तेल

महात्मा विदुर ने धृतराष्ट्र से कहा कि जो लोग धन कमाने के चक्कर में अंधे हो जाते हैं, उन लोगों के भोजन में मांस की अधिकता होती है। वे मांस खाना पसंद करते हैं। जो लोग मध्य श्रेणी के हैं, उनके भोजन में गोरस की अधिकता होती है। जो लोग दरिद्र होते हैं, उनके भोजन में तेल की मात्रा अधिक होती है।

स्वादिष्ट भोजन दरिद्रों को पसंद

विदुर ने कहा है कि दरिद्र व्यक्ति हमेशा स्वादिष्ट भोजन ही करता है क्योंकि उनके पेट की भूख उनके भोजन में स्वाद उत्पन्न कर देती है। ऐसी भूख धनी लोगों के लिए हमेशा ही दुर्लभ होती है। उन्होंने धृतराष्ट्र से कहा कि हे राजन! इस संसार में धनी लोगों को भोजन करने की शक्ति नहीं होती है। वहीं दरिद्र लोगों के पेट में काठ यानि लकड़ी भी पच जाती है।

सज्जनों को अपमान से होता है डर

विदुर कहते हैं कि जो लोग अधम व्यक्ति हैं, उनको अपनी जीविका के चले जाने का डर सताता है। जो लोग मध्यम श्रेणी के हैं, उनको लोगों को मरने से डर लगता है, जबकि जो सज्जन व्यक्ति हैं, उनको अपने अपमान से ही बड़ा भय लगता है।

ऐश्वर्य का नशा सबसे बुरा

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग मदिरा का पान करते हैं, शराब पीते हैं, ये तो नशा ही है, लेकिन ऐश्वर्य का नशा तो बहुत ही बुरा होता है। जिस व्यक्ति को ऐश्वर्य का नशा लग जाता है, वह बिना भ्रष्ट हुए होश में नहीं आता है। ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए वह भ्रष्ट तक बन जाता है, वह अच्छे और बुरे का अंतर करना भूल जाता है। जो लोग इंद्रियों के वश में रहते हैं, उनसे बाहर नहीं निकल पाते हैं, उनके दुर्गुण हमेशा बढ़ते ही रहते हैं। ऐसे लोगों को समाज त्याग देता है।

वाणी का विष उगलने वाले श्रीकृष्ण की बात याद रखें

कुछ ऊपरवाला मेहरबानी कर दे, कुछ हम परिश्रम करें तो ख्याति मिल जाती है। लेकिन इन दिनों लोगों ने एक शॉर्टकट निकाल लिया है।

सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा कर दो, दुनिया जान जाएगी। प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए वाणी, विचार और व्यवहार- तीन रास्ते कभी अपनाए जाते थे। इसमें से लोगों ने वाणी वाला रास्ता पकड़ लिया। विष उगल दो, छा जाओगे। फिर आजकल बदनामी भी हो जाए तो भी लोग उसे नाम होना मानते हैं।

महाभारत के एक संवाद की बहुत चर्चा की जाती है। द्रौपदी दुर्योधन के गिरने पर हंसी और कहा कि अंधे के बेटे अंधे होते हैं। महाभारत में इसका प्रमाण नहीं मिलता।

इतना जिक्र आता है कि दुर्योधन ने बाद में धृतराष्ट्र को यह संवाद द्रौपदी के नाम से बोला। दुर्योधन जैसे लोग ऐसे ही संवाद बोलते हैं, लेकिन जब द्रोपदी का अपमान किया जा रहा था, तब दुर्योधन व कर्ण ने जो संवाद बोले, वो तो लिखे भी नहीं जा सकते।

वाणी का विष उगलने वालों को याद रखना पड़ेगा कि भगवान कृष्ण वस्त्रावतार लेकर आए थे और उन्होंने कहा था कि जो वाणी से गिरेगा, मैं उसे जीवन से भी गिराऊंगा।

हरियाणा से आते हैं सबसे अधिक खाटूश्याम जी के भक्त, रोचक है कनेक्शन

विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम की महिमा दिनों दिन बढ़ती जा रही है। बाबा के दरबार में दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, पंजाब, कोलकाता, बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। देश के सभी राज्यों के श्रद्धालुओं का खाटूश्याम जी मंदिर से गहरा जुड़ाव है। वहीं संख्या के आधार देखा जाए तो खाटूश्याम जी मंदिर में सबसे अधिक श्रद्धालु हरियाणा से आते हैं। हरियाणा की कई संस्थाएं और धर्मशाला भी खाटूश्याम जी में संचालित होती है, जो भक्तों को राहत देने का काम करती है।

हालांकि, अन्य राज्यों से भी भक्त बड़ी संख्या में आते हैं, लेकिन हरियाणा से सैकड़ों लोग ऐसे हैं जो कई सालों से हर एकादशी पर आकर मंदिर में कचरा उठाने, भक्तों को पानी पिलाने, दिव्यांग भक्तों को मंदिर तक पहुंचाने सहित सहित अनेक सेवा के काम करते हैं।

खाटूश्याम जी का हरियाणा से खास है कनेक्शन

खाटूश्याम जी का हरियाणा से गहरा ऐतिहासिक और धार्मिक संबंध है। बाबा श्याम जिन्हें बर्बरीक के नाम से भी जाना जाता है, महाभारत काल के एक वीर योद्धा थे। महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में हो रहा था। जब बर्बरीक युद्ध की मनसा से कुरुक्षेत्र की ओर आगे बढ़ रहे थे, तब हरियाणा के वर्तमान जगह चुलकाना धाम में आराम करने के लिए रुके थे। वहीं, पर भगवान श्री कृष्ण ने दान के रूप में बर्बरीक से उसका शीश मांगा था। यही वह है जगह है, जहां भगवान श्री कृष्ण ने बर्बरीक को कलयुग का अवतार बाबा श्याम होने का वरदान दिया था। इस जगह पर आज बाबा श्याम की पूजा होती है।

इतिहास और आस्था का प्रतीक खाटूश्याम जी

यहीं कारण है कि हरियाणा के भक्तों करखाटूश्याम जी मंदिर से गहरा जुड़ाव है। हरियाणा के लोग बाबा श्याम को कुलदेवता के रूप में भी पूजते हैं। प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु हरियाणा से खाटूधाम आते है। वार्षिक फाल्गुन लक्खी मेले के समय तो भारी संख्या भक्तों का हुजूम पहुंचता है। हरियाणा की संस्कृति और लोक गीतों में भी खाटूश्याम जी की महिमा गाई जाती है। इस प्रकार, हरियाणा के लोगों के लिए खाटूश्याम जी केवल एक देवता नहीं, बल्कि उनके इतिहास और आस्था का प्रतीक हैं।

सूर्य को जल चढ़ाने के 7 नियम

नौतपा में जरूर करें इनका पालन

ज्येष्ठ माह की शुरुआत हो चुकी है। इसी महीने में गर्मी चरम पर होती है। सूरज धरती को तपा देता है। इसी महीने में नौतपा भी लगता है। इस दौरान सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, जिससे धरती पर जीवों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल ज्येष्ठ मास की शुरुआत में नौतपा शुरू होता है। 9 दिन तक सूर्यदेव अपने उग्र रूप में रहते हैं। इस दौरान दान-पुण्य का विशेष महत्व है। वहीं, बहुत से ऐसे कार्य हैं, जो नहीं करने चाहिए।

कब होगी नौतपा की शुरुआत?

वैदिक पंचांग के अनुसार, 25 मई को सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसका समय सुबह 03:27 बजे रहेगा। सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में 8 जून तक रहेंगे। ऐसे में नौतपा 25 मई से 8 जून तक रहेगा। नौतपा की मान्यता नौ दिन की है, लेकिन भीषण ताप की ये अवधि 15 दिन की मानी गई है। इस दौरान भीषण गर्मी पड़ेगी।

नौतपा में जरूर करें इन चीजों का दान

नौतपा के दौरान सूर्य देव की आराधना जरूर करनी चाहिए। सूर्यदेव को अर्घ्य देने से परिवार के सभी लोग स्वस्थ रहते हैं। सूर्य पूजा से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। नौतपा के दौरान जल, दही, दूध, नारियल पानी का सेवन ज्यादा करना चाहिए। इस दौरान गरीबों को भी गर्मी से बचने वाली चीजों का दान करना चाहिए। साथ ही सूर्य को अर्घ्य देने से कुंडली मे कमजोर सूर्य भी प्रबल हो जाते हैं।

सूर्य को अर्घ देते समय भूल से भी न करें ये गलती

नौतपा में सुबह अगर आप सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं तो इस बात का विशेष ख्याल रखें कि अर्घ्य देने का समय लगभग एक ही हो।

अगर आपने अर्घ्य देना शुरू किया है तो इस नियम को किसी भी स्थिति में तोड़ें नहीं। अगर भूलवश सही समय पर कभी अर्घ्य न दे पाएं तो क्षमा याचना करते हुए जल में रोली डालकर सूर्य को जल चढ़ाएं।

अर्घ्य देने के लिए बासी जल का इस्तेमाल आपको नहीं करना चाहिए।

अर्घ्य देते समय आपको सूर्यदेव के मंत्र 'ऊं घृणि सूर्याय नमः' का 7 बार जप अवश्य करना चाहिए। साथ ही सूर्य देव को पूर्व दिशा में ही हमेशा जल चढ़ाएं।

अर्घ्य देने के बाद सूर्य देव का ध्यान करते हुए चारों ओर परिक्रमा करनी चाहिए।

इस बात का विशेष ख्याल रखें कि सूर्यदेव को जल का अर्घ्य देते समय जल की बूंदें आपके पैरों पर न गिरे। साथ ही तांबे के लोटे में सूर्यदेव को जल का अर्घ्य देना सबसे शुभ माना जाता है।

सूर्य देव को अर्घ्य देने वालों को रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी करना चाहिए। इससे सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं।

पैसों की समस्या से हैं परेशान?

तो घर में लगा दीजिए ये 'धन का पौधा'

जिस पौधे की हम बात कर रहे हैं उसका नाम है क्रासुला। दिखने में छोटा और साधारण सा यह पौधा असल में धन लाभ का बड़ा ज़रिया बन सकता है। इसे "मनी प्लांट" भी कहा जाता है, लेकिन ध्यान रहे, यह सामान्य मनी प्लांट नहीं है। क्रासुला की खासियत यह है कि इसे धन का प्रतीक माना जाता है। इस पौधे को अगर घर के सही स्थान पर रखा जाए, तो यह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और धन के आने के नए रास्ते खोल देता है।

भगवान कुबेर की होती है विशेष कृपा

मान्यता है कि क्रासुला का पौधा भगवान कुबेर को बेहद प्रिय है। इसे घर में रखने से उनके आशीर्वाद से पैसों की कोई कमी नहीं रहती। खासतौर पर अगर इसे घर की उत्तर दिशा में रखा जाए तो यह और भी शुभ होता है। उत्तर दिशा को वास्तु में धन की दिशा कहा गया है और यही वजह है कि क्रासुला को यहां रखना फायदे का सौदा बन जाता है।

खुलेगा तरक्की का रास्ता

इस पौधे के घर में होने से न सिर्फ पैसा आता है, बल्कि करियर और कारोबार में भी तेजी से प्रगति होती है। इसका असर घर के सभी सदस्यों पर पड़ता है। नौकरी में प्रमोशन की राह आसान हो जाती है और व्यापार में लाभ के नए रास्ते खुलने लगते हैं।

कमजोर शुक्र को करता है मजबूत

जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह कमजोर होता है, उन्हें कई तरह की आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्रासुला का पौधा शुक्र को मज़बूत करने में मदद करता है। इसका सीधा असर आपकी लाइफस्टाइल और इनकम पर दिखने लगता है।

वास्तु दोष से भी दिलाए राहत

क्रासुला का पौधा केवल पैसे से जुड़े फायदे नहीं देता, यह घर के माहौल को भी शांत और सुखद बनाता है। अगर किसी मकान में लंबे समय से वास्तु दोष बना हुआ है, तो यह पौधा उसकी नकारात्मकता को दूर करता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और सौभाग्य का वास होता है।

पैसे की तंगी से हैं परेशान तो शुक्रवार को करें लौंग के ये 5 अचूक उपाय

भारतीय परंपरा में लौंग को न केवल मसाले के रूप में जाना जाता है, बल्कि इसे एक चमत्कारी वस्तु भी माना जाता है। खासकर जब बात शुक्रवार की हो, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। शुक्रवार को मां लक्ष्मी की पूजा का दिन माना गया है और ऐसा माना जाता है कि इस दिन कुछ खास उपायों से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त की जा सकती है। लौंग से जुड़े कुछ खास उपाय हैं जिन्हें अपनाकर न केवल धन की समस्या से राहत मिल सकती है, बल्कि घर का वातावरण भी अच्छा हो सकता है।

धन की परेशानी से छुटकारा पाने का तरीका

अगर आप लंबे समय से पैसों की कमी महसूस कर रहे हैं, तो शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करते समय उनके चरणों में गुलाब के फूलों के साथ दो लौंग चढ़ाएं। पूजा के बाद इन लौंग को अपने पर्स में रख लें। ऐसा करने से धीरे-धीरे पैसों की स्थिति सुधरने लगती है और आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है।

नकारात्मकता दूर करने के लिए उपाय

घर में बार-बार तनाव, झगड़े या बीमारियां हो रही हों, तो यह नेगेटिव ऊर्जा का संकेत हो सकता है। शुक्रवार को शाम के समय 5 लौंग, 3 कपूर और 3 बड़ी इलायची एक मिट्टी के पात्र में जलाएं। जब धुआं उठने लगे तो उसे पूरे घर में फैलाएं। बाद में राख को पानी में मिलाकर घर के दरवाजे पर छिड़क दें। इससे घर का माहौल बेहतर होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

बरकत के लिए पोटली बनाएं

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में हमेशा बरकत बनी रहे, तो शुक्रवार को मां लक्ष्मी की पूजा के समय पांच कौड़ियां और पांच लौंग उनके सामने रखें। पूजा के बाद इन्हें लाल कपड़े में बांधकर पोटली बना लें और इसे तिजोरी या धन रखने की जगह पर रखें। यह तरीका घर में समृद्धि और खुशहाली लाने में मदद करता है।

सुख-शांति बनाए रखने का तरीका

हर शुक्रवार को पूजा के समय मां लक्ष्मी के सामने दो या पांच लौंग चढ़ाएं। पूजा खत्म होने के बाद इन लौंग को अपने पास रखें या पर्स में रखें। यह छोटा सा उपाय आपके जीवन में सुख-शांति और स्थिरता बनाए रखता है।

घर के रिश्तों में मिठास लाने का उपाय

परिवार में अगर किसी कारणवश मतभेद या तनाव हो, तो शुक्रवार को दो तेज पत्तों पर पांच लौंग रखकर जलाएं। जब यह सामग्री जल जाए तो उसका धुआं पूरे घर में फैलाएं और राख को दरवाजे के पास रख दें। इससे घर का वातावरण बेहतर होता है और रिश्तों में सुधार आता है।

बरगद के पेड़ पर सात बार क्यों लपेटा जाता है कच्चा सूत?

सात बार सूत लपेटना केवल एक धार्मिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक भावना है। मान्यता है कि बरगद का पेड़ जीवन की स्थिरता और दीर्घायु का प्रतीक है और जब स्त्रियां उसके चारों ओर सात बार सूत लपेटती हैं, तो यह पति-पत्नी के सात जन्मों के अटूट बंधन का संकेत देता है। साथ ही, ऐसा माना जाता है कि यह क्रिया पति पर आने वाले संकटों को टाल देती है और जीवन में सुख-शांति बनाए रखती है।

वट सावित्री व्रत की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, सावित्री एक पतिव्रता स्त्री थीं जिनके पति सत्यवान अल्पायु थे। जब यमराज उनके प्राण लेने आए, तो सावित्री ने उनका पीछा किया और अपने तर्क, भक्ति और प्रेम से उन्हें इतना प्रभावित किया कि यमराज को न केवल सत्यवान के प्राण लौटाने पड़े, बल्कि उन्हें सौ पुत्रों का आशीर्वाद भी देना पड़ा। जिस स्थान पर यह चमत्कार घटित हुआ, वह वट वृक्ष के नीचे था। इसी वजह से वट वृक्ष की पूजा विशेष मानी जाती है, इसकी शाखाओं को 'सावित्री स्वरूप' मानकर स्त्रियां श्रद्धापूर्वक इसकी पूजा करती हैं।

तलाक का दावा करने वालों को ऐश्वर्या ने जड़ा तमाचा यूजर्स ने जोड़ा ऑपरेशन सिंदूर से कनेक्शन

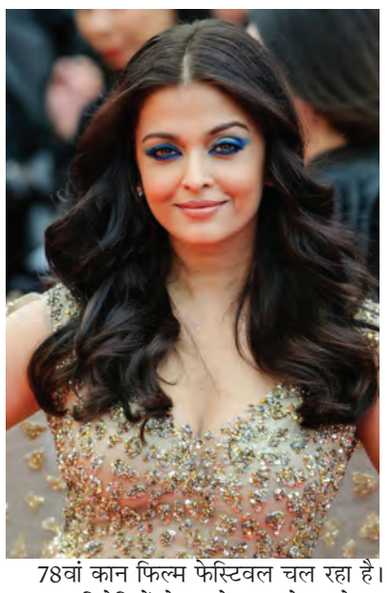

78वां कान फिल्म फेस्टिवल चल रहा है। तमाम अभिनेत्रियों ने अपने लुक से आयोजन में चार चांद लगा दिए हैं। मगर, ऐश्वर्या के लुक का सभी दिल थामकर इंतजार कर रहे थे, जो आज बुधवार को आखिर पूरा हुआ। ऐश्वर्या राय शाही अंदाज में कान के रेड कार्पेट पर छाईं। उन्होंने व्हाइट कलर की साड़ी पहनी। साथ ही वे अपना सिंदूर फ्लॉन्ट करती नजर आईं।

सिंदूर लुक ने खींचा ध्यान

कान फिल्म फेस्टिवल से ऐश्वर्या राय की तस्वीरें सामने आने के बाद इंटरनेट पर छा गई हैं। नेटिजन्स भर-भरकर तारीफ कर रहे हैं। ऐश्वर्या कदवा आइवरी हैंडलूम बनारसी साड़ी में रॉयल लगीं। साड़ी पर हाथ से बुने हुए ब्रोकेड मोटिफ्स और असली चांदी में हाथ से कढ़ाई की गई जरी की बारीकियां हैं। साड़ी के साथ ऐश ने पारंपरिक ज्वैलरी पहनी। मगर, सबसे ज्यादा ध्यान उनके सिंदूर ने खींचा।

ऐश्वर्या ने बातें बनाने वालों को जड़ा तमाचा

कान के रेड कार्पेट पर ऐश्वर्या अपने पति अभिषेक बच्चन के नाम का सिंदूर लगाकर उतरीं। ऐश्वर्या राय के इस सिंदूर लुक ने उन लोगों की बोलती बंद कर दी है, जो कुछ वक्त पहले अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या के रिश्ते में दरार आने की बातें कर रहे थे। अभिनेत्री के तलाक की अफवाहें भी काफी वायरल हुईं। इन अफवाहों को हवा देने वालों के मुंह पर कान फिल्म फेस्टिवल में ऐश्वर्या ने करारा तमाचा जड़ा है। नेटिजन्स भी लिख रहे हैं, 'ऐश्वर्या ने अपने इस लुक से यह जता दिया है कि उनकी शादीशुदा जिंदगी में सबकुछ बहुत बढ़िया है'।

यूजर्स ने जोड़ा ऑपरेशन सिंदूर से कनेक्शन

नेटिजन्स ऐश्वर्या राय के सिंदूर लुक को भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' से जोड़कर देख रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। कान फिल्म फेस्टिवल से ऐश की तस्वीरें सामने आने के बाद नेटिजन्स लिख रहे हैं, 'ऐश्वर्या का यह लुक 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित है'। कुछ लोग इसके लिए उनकी तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा यूजर्स ऐश्वर्या के लुक की तारीफ भी अपने-अपने अंदाज में कर रहे हैं।

डेब्यू लुक से हो रही तुलना

ऐश्वर्या राय ने कान फिल्म फेस्टिवल में नमस्ते कहकर अभिवादन किया। फिर फैंस को फ्लाइंग किस किया। ऐश्वर्या राय साल 2002 से कान फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेर रही हैं। इस बार उनके साड़ी लुक की तुलना उनके डेब्यू लुक से की जा रही है, जब ऐश्वर्या ने पीले रंग की साड़ी पहन फेस्टिवल में शिरकत की थी।

सोनू सूद को इस अवतार में देखकर फैंस हुए सरप्राइज बोले- 'मुझे आज भी नागराज कॉमिक्स याद है'

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। सोनू की इन अनोखी तस्वीरों पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं तो वहीं सेलेब्स भी अपनी राय पेश कर रहे हैं।

सोनू का अनोखा लुक

सोनू ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ पुरानी तस्वीरों को शेयर कर फैंस और सेलेब्स दोनों को ही सरप्राइज कर दिया है। इन तस्वीरों में सोनू किसी मॉन्स्टर के लुक से कम नहीं नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस अनोखे लुक में ग्रीन कलर के लाल आंखों वाले मुकुट को पहना हुआ है। साथ ही उन्होंने हरे रंग की ओपन जैकेट कैरी की है और जींस के साथ ग्रीन शाइनिंग जूते पहने हुए हैं। सोनू का यह लुक देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा।

सोनू का पोस्ट

सोनू ने अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जब उन्होंने कभी रैप वॉक किया था। उस दौरान की इन अनोखी तस्वीरों को सोनू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'एक बार की बात है, इस तरह से सब कुछ शुरू हुआ।' सोनू की इस पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस जमकर कमेंट की बारिश कर रहे हैं।

फराह खान ने किया कमेंट

सोनू की तस्वीरों पर कई फैंस और सेलेब्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान कुंदर ने लिखा, 'सोनू आप इस लुक में मेट गाला में भाग ले सकते हैं।' वहीं सोनू के एक फैन ने लिखा, 'पहली तस्वीर में वह अपने बेटे की तरह दिख रहे हैं'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'हमारे नागराज'।

एक फैन ने कमेंट किया 'मुझे आज भी नागराज कॉमिक्स का वह विज्ञापन याद है'। सोनू की तस्वीर करते हुए एक फैन ने लिखा, 'सोनू भाई अपना अतीत नहीं भूलते इसलिए गरीबों का दुख समझते हैं'। वहीं कुछ फैंस को सोनू की ये तस्वीरें देखकर अपने कॉलेज के पुराने दिन याद आ गए।

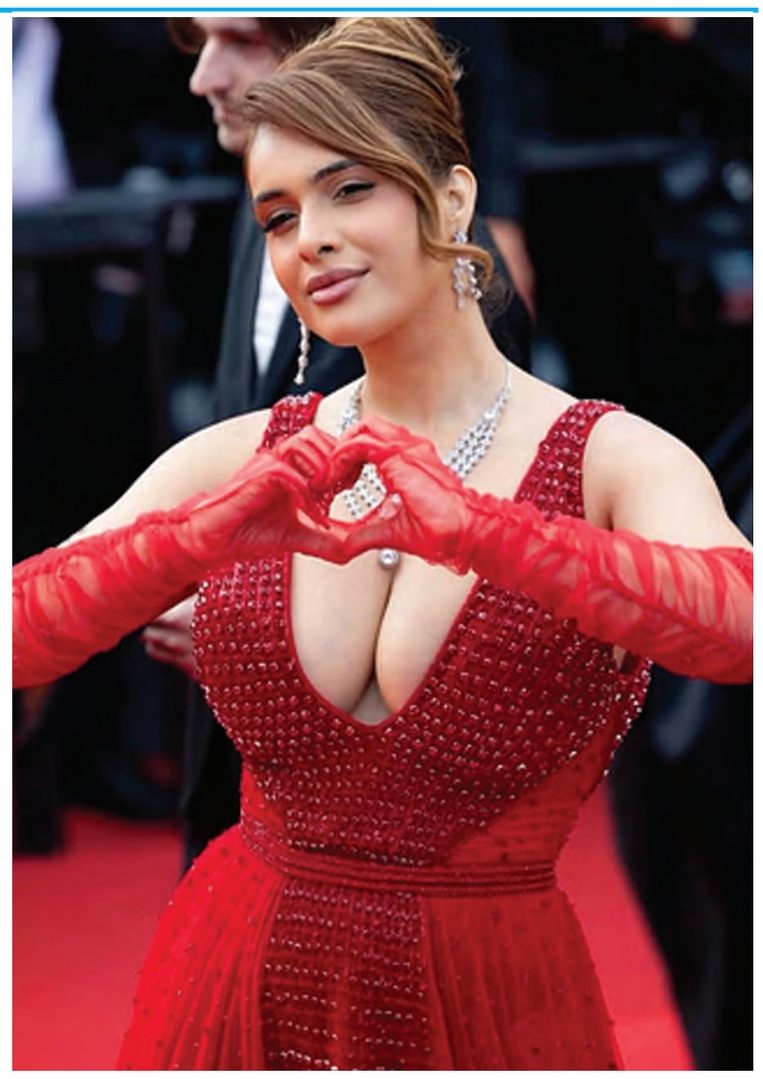

रेड गाउन में भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने कान में बिखेरा जलवा

लिखा- 'कभी सिर्फ एक सपना था ...अब एक पल जिसे मैं जी रही हूं'

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फ्रांस से अपनी कई कान 2025 की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह लाल रंग के बीडेड गाउन में जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं।

नेहा का लुक

नेहा मलिक ने रेड बीडेड गाउन के साथ ट्रांस्पेरेंट ग्व्लस पहनें। इस लुक के साथ उन्होंने सिंपल स्टोन नेकपीस पहना, जिसने उनके लुक में चार चांद लगाए। इस दौरान ने देसी स्टाइल में नमस्ते किया और हार्ट इमोजी बनाकर वहीं पर मौजूद सभी का आभार जताया।

नेहा का पोस्ट

नेहा ने अपने इस कान लुक के साथ कैप्शन में लिखा, 'कभी सिर्फ एक सपना... अब एक पल जिसे मैं जी रही हूं। एक छोटे शहर की लड़की, जिसका कोई गॉडफादर नहीं, कोई शॉर्टकट नहीं, बस सपने जो विश्वास, कड़ी मेहनत और आंसुओं से बुने गए थे जिन्हें किसी ने नहीं देखा..।

नेहा का सपना हुआ सच

नेहा ने आगे लिखा, 'मैं रेड कार्पेट देखकर बड़ी नहीं हुई। मैं यह मानकर बड़ी हुई कि एक दिन, मैं उस पर चलूंगी और आज... मैं उस पर चली..। यह केवल ग्लैमर के बारे में नहीं है - यह सफर के बारे में है।

अपनी मां और परिवार को लेकर लिखी खास बात

नेहा ने आगे लिखा, 'खुद पर विश्वास करने के बारे में जब मेरी मां और परिवार के अलावा कोई नहीं करता, जब दुनिया आपको जाने देने के लिए कहती है तब भी टिके रहने के बारे में। 'शायद एक दिन' को आज के दिन में बदलने के बारे में।

क्यों खास है नेहा के लिए कान

नेहा ने आगे लिखा, 'हर उस लड़की के लिए जो अनदेखी महसूस करती है - चलते रहो। आपके सपने सुन रहे हैं और मुझमें जो छोटी लड़की है... हमने इसे बनाया। कान 2025'।

मणिरत्नम ने 'ठग लाइफ' में सान्या मल्होत्रा की भूमिका का किया खुलासा

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ का गाना 'जिंगुचा' का एक झलक दिखा, तो उसमें सान्या मल्होत्रा और सिलंबरासन को एक साथ डांस करते देखा गया। इसने दर्शकों के मन में कई सवाल पैदा किए, कुछ ने तो यहां तक कहा कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगी। हालांकि, अब इन सभी सवालों के जवाब देते हुए खुद निर्देशक मणिरत्नम ने अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के रोल को लेकर खुलासा किया है।

ठग लाइफ फिल्म के निर्देशक मणिरत्नम ने हाल ही में तमिल पत्रिका विकटन से बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म में सान्या की मौजूदगी को लेकर बात की। डायरेक्टर ने कहा, 'वह फिल्म में एक छोटी सी भूमिका निभा रही हैं और केवल गाने में दिखाई देंगी। यह एक दोस्ताना भूमिका है। वह एक बेहतरीन डांसर और एक अच्छी इंसान हैं।' इस बात से निर्देशक ने लग रहे सभी कयासों को गलत साबित कर दिया है।

आगे बातचीत में निर्देशक मणिरत्नम ने सान्या मल्होत्रा को कास्ट करने के पीछे वजह बताई है। उन्होंने कहा, 'कहानी दिल्ली की है, तो हमें उसी तरह का फ्लेवर चाहिए था। हमें उत्तर भारतीय चेहरा चाहिए था, इसलिए हमने उन्हें चुना।' इस फिल्म में सान्या के अलावा रोहित सराफ और अली फजल भी नजर आएंगे।

मणिरत्नम द्वारा निर्देशित 'ठग लाइफ' में कमल हासन ने रंगाराया शक्तिवेल नायकर की भूमिका निभाई है, जो क्राइम और जस्टिस के बीच फंसा हुआ व्यक्ति है। फिल्म में कमल हासन के अलावा सिलंबरासन टीआर, तृषा कृष्णन, अभिरामी और अशोक सेलवन भी नजर आएंगे। फिल्म में संगीत एआर रहमान ने दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 05 जून को रिलीज होगी।

मुश्किल में अभिनेता रवि मोहन, पूर्व पत्नी ने तलाक के बाद गुजारा भत्ते के तौर पर मांग लिए 40 लाख महीना

तमिल अभिनेता रवि मोहन पिछले कुछ समय से चर्चा में हैं। वह अपनी पत्नी आर्ती रवि से अलग हैं। अभिनेता को हाल ही में चेन्नई में एक शादी में गायिका केनीशा फ्रांसिस के साथ देखा गया था। इसके बाद से दोनों एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों के ब्रेकअप की वजह केनीशा ही हैं। इन सबके बीच आरती रवि और रवि मोहन बुधवार को चेन्नई में फैमिली कोर्ट में पेश हुए। आरती ने कथित तौर पर तलाक के बाद 40 लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ते के तौर पर मांग की है।

रवि मोहन ने दी तलाक की अर्जी

न्यूज 18 की एक खबर के मुताबिक फैमिली कोर्ट के जज ने रवि मोहन के औपचारिक अनुरोध को सुना। इसमें उन्होंने बताया कि उन्हें किन वजहों से तलाक चाहिए। जज ने पाया कि दोनों के बीच सुलह की कोई गुंजाइश नहीं है।

आरती रवि ने मांगे 40 लाख रुपये

दूसरी तरफ आरती रवि ने अलग होने के लिए 40 लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ते की मांग करते हुए एक याचिका दायर की है। जज ने दोनों याचिकाओं को देखा। जज ने आरती और रवि दोनों से कहा कि वह 12 जून 2025 को होने वाली अगली सुनवाई से पहले अपने लिखित जवाब दें।

आरती रवि ने इल्जामों को किया खारिज

इस मामले को लेकर आरती रवि ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने रवि की तरफ से लगाए गए इल्जामों से खुद का बचाव किया है। उन्होंने लिखा है कि जो कुछ भी हुआ है उससे वह बहुत आहत हैं। उन्होंने केनीशा फ्रांसिस का नाम लिए बिना उन्हें 'तीसरा शख्स' कहा और कहा कि वह इस सबकी जिम्मेदार हैं।

आरती-रवि मोहन का तलाक

रवि और आरती की शादी 2009 में हुई थी और 2024 में उन्होंने अलग होने का एलान किया। इस घटनाक्रम ने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि उनके फैन्स को भी चौंका दिया है।

अगर एक दिन के लिए भगवान बनने का मौका मिले तो काली मां बनना चाहती हैं : ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना का बॉलीवुड करियर थोड़े समय के लिए ही था और इसके बाद वो राइटर बन गईं। वो अपनी किताबों और उनके बेबाक, मजाकिया अंदाज के लिए जानी जाती हैं।हाल ही में लेखक अमीश त्रिपाठी के साथ एक इवेंट में ट्विंकल ने उनसे उनकी राइटिंग जॉनर के बारे में बात की और आश्चर्य जताया कि अगर वो एक दिन के लिए भगवान बन सकते तो वो कौन से भगवान बनना चाहेंगे? जब अमीश ने ट्विंकल से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि वो काली मां बनना चाहेंगी।

"अगर आपको एक दिन के लिए भगवान बनने का मौका मिले, तो आप बनना चाहेंगे?" ट्विंकल ने तुरंत कहा कि उन्हें पहले से ही इसका जवाब पता है। "मैंने पहले ही कह दिया, मैं दुनिया को जीभ निकालकर दिखाते हुए काली मां बनूंगी।" उसने कहा। जब अमिश ने बताया कि काली मां बेहद शक्तिशाली हैं, तो ट्विंकल ने कॉन्फिडेंस से कहा, "मुझे पता है।"

एक यूट्यूब चैनल पर शेयर की गई चैट में, दोनों राइटर्स ने "द म्यूज" के बारे में बात की। (ये शब्द मां सरस्वती के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो विद्या, ज्ञान, संगीत और कला की देवी मानी जाती हैं।) अमीश ने कहा कि यूनानियों का मानना था कि जिन देवी-देवताओं ने उन्हें क्रिएटिविटी का आशीर्वाद दिया, वे म्यूज थे और ट्विंकल ने कहा कि आशीर्वाद के अलावा, लोगों को अनुशासन का पालन करना चाहिए, ताकि वो लिख सकें। "आपको अनुशासन में रहना होगा। आपको हर दिन उस समय अपने डेस्क पर बैठना होगा, इसलिए भले ही म्यूज किसी और के पास जा रही हो, आप उसे पकड़ लें और उसके अपनी डेस्क पर वापस ले आएं। आपको यही करना है। आपको हर दिन काम करना होगा और वो तब आएगी जब उसे आना होगा।"

ट्विंकल ने ये भी कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि जब वो लिखती हैं तो वो एक बेहतर इंसान बन जाती हैं और उन्होंने कहा, "जब मैं लिखती हूं, तो अचानक मुझे लगता है कि मैं एक समझ के साथ लिख रही हूं। मेरे अंदर अधिक सहानुभूति है, मेरे पास जजमेंट कम है। जब मैं अपनी डेस्क पर होती हूं, तो मैं एक बेहतर इंसान बन जाती हूं।"

पहली बार शाहरुख खान से मिलकर नस काटने का था प्लान, वामिका गब्बी ने किया खुलासा

किसी भी उभरते हुए कलाकार के लिए सुपरस्टार शाहरुख खान से पहली बार मिलना हमेशा एक खास पल होता है। हालांकि अभिनेत्री वामिका गब्बी के पास बताने के लिए एक अलग कहानी है। अपनी आने वाली फिल्म 'भूल चूक माफ' के प्रचार में व्यस्त वामिका ने सुपरस्टार शाह रुख खान के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया और कहा कि यह मुलाकात बहुत अजीब थी।

भाई ने दिया नस काटने का सुझाव

एक बातचीत में वामिका ने बताया कि शाहरुख खान ने अपनी हिंदी फिल्म 'जवान' में एटली के साथ काम किया था। शाहरुख खान निर्देशक की अगली फिल्म 'बेबी जॉन' के प्रचार के लिए आए थे। शाहरुख की उपस्थिति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि वामिका और उनके भाई हार्दिक पीछे खड़े होकर यह सोच रहे थे कि अगर शाहरुख उनके पास आए तो वे क्या कहेंगे। उनके भाई ने मजाक में सुझाव दिया, 'नस काट देना'। इसके बाद दोनों हंस पड़े।

वामिका से मिलने आए शाहरुख

बेबी जॉन के सेट से निकलने से ठीक पहले शाहरुख खान वामिका गब्बी से मिलने आए और उन्हें शुभकामनाएं दीं और अलविदा कहा।

इस पर वामिका ने कहा 'उन्होंने कहा 'ठीक है, अलविदा' और मैंने कहा, 'आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा, सर। मेरा भाई मुझे अपनी कलाई काटने का सुझाव दे रहा था लेकिन जाहिर है कि मैं ऐसा नहीं करूंगी।' 10 सेकंड के लिए एकदम सन्नाटा छा गया। हर कोई चुप हो गया और वह (शाहरुख) चले गए। उनके जाने के बाद, प्रोडक्शन से एक व्यक्ति मेरे पास दौड़ता हुआ आया और बोला, 'क्या आपने अभी अपनी कलाई काटने की बात कही है?' मेरा भाई चौंक गया। मुझे सच में लगा कि वह (शाहरुख) हास्य समझ जाएंगे, लेकिन वह नहीं समझे।'

विवादों में आई थी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत 'भूल चूक माफ' 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। करण शर्मा द्वारा निर्देशित, यह फिल्म उस समय विवादों में आ गई थी जब निर्माता दिनेश विजान ने घोषणा की थी कि फिल्म 16 मई को प्राइम वीडियो पर डिजिटल रिलीज होगी। मल्टीप्लेक्स श्रृंखला पीवीआरआईएनओएक्स ने इसे सीधे प्राइम वीडियो पर रिलीज करने के निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद दोनों में समझौता हुआ। अब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कन्नड़ सुपर स्टार दर्शन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल घटनास्थल से मिली एक्टर की फोटो

कर्नाटक की पुलिस ने कर्नाटक के सुपरस्टार दर्शन और कई दूसरे लोगों के खिलाफ कत्ल के एक मामले में अतिरिक्त आरोप पत्र दाखिल किया है। इस केस के जांच अधिकारी एसीपी चंदन कुमार ने बेंगलुरू की अदालत में चार्जशीट दाखिल की। बताया जाता है कि चार्जशीट 132 पेजों की है जिसमें में कत्ल के केस से जुड़े नए सबूत और गवाहों की गवाही भी है।

घटनास्थल पर मिली दर्शन की तस्वीर

बताया जाता है कि पुलिस ने कत्ल के दिन दूसरे आरोपियों के साथ दर्शन की एक फोटो हासिल की। यह फोटो एक आरोपी के फोन से हटा दी गई थी। जिसे बाद में जांच के दौरान पाया गया। यह घटनाक्रम दर्शन के लिए एक झटका है। क्योंकि उनकी टीम कह रही है कि घटना के वक्त दर्शन वहां मौजूद नहीं थे।

जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील

कर्नाटक पुलिस ने दर्शन को जमानत दिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की समीक्षा करते हुए मंगलवार को कहा कि वह 14 जुलाई के बाद इस पर विचार करेगा। इस मामले में जमानत देते हुए कोर्ट ने दर्शन और अन्य आरोपियों को हर महीने कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था।

जून 2024 में हुई थी गिरफ्तारी

दर्शन, उनकी साथी पवित्रा और दूसरे 15 लोगों को 11 जून 2024 को गिरफ्तार किया गया था। इल्जाम है कि इन लोगों ने एक फैन रेणुका स्वामी का अपहरण किया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। इल्जाम यह भी है कि रेणुका स्वामी ने कथित तौर पर पवित्रा को अपमानजनक और अश्लील संदेश भेजे थे। रेणुका एक्टर का फैन था।

अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड को कहा अलविदा पिता सुनील शेट्टी ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी ने फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया है। यह चौंकाने वाला खुलासा खुद उनके पिता और दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी ने किया है। एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने बताया कि अथिया अब फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं और उन्होंने अपने करियर की नई राह चुन ली है।

अथिया शेट्टी ने छोड़ा बॉलीवुड

साल 2015 में सलमान खान के प्रोडक्शन तले बनी फिल्म 'हीरो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वालीं अथिया शेट्टी लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर थीं। उनके फिल्मी करियर की शुरुआत तो चर्चा में रही, लेकिन इसके बाद उनकी गिनती बॉलीवुड की कम फिल्मों में नजर आने वाली अभिनेत्रियों में होने लगी। 'मुबारकां' और 'मोतीचूर चकनाचूर' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद वह अचानक इंडस्ट्री से गायब सी हो गईं।

सुनील शेट्टी के बयान ने किया साफ

जब उनसे जुड़ी कोई नई फिल्म या प्रोजेक्ट की खबर नहीं आई, तो फैंस के मन में सवाल उठने लगे कि आखिर अथिया कहां हैं? क्या वह फिल्मों से ब्रेक पर हैं या कोई नया प्रोजेक्ट साइन किया है? लेकिन सुनील शेट्टी के हालिया बयान ने सब कुछ साफ कर दिया।

अथिया के करियर पर पापा सुनील का बयान

सुनील शेट्टी ने जूम के साथ बातचीत में बताया, 'एक दिन अथिया ने मुझसे कहा, 'बाबा, मुझे अब फिल्में नहीं करनी हैं और बस, उसने तय कर लिया। मैंने उसे कभी नहीं रोका। मैं उसकी इस सोच की सराहना करता हूं कि उसने खुद के मन की सुनी, न कि समाज की उम्मीदों की।' सुनील का कहना है कि अथिया के पास फिल्मों के कई ऑफर्स थे, लेकिन उन्होंने ठुकरा दिए।

क्रिकेटर केएल राहुल के साथ पारिवारिक जीवन

बता दें अथिया शेट्टी ने क्रिकेटर केएल राहुल से शादी की है और अब वह अपने पारिवारिक जीवन पर पूरी तरह फोकस कर रही हैं। फिल्मी चमक-धमक से दूर, वह अब अपने निजी जीवन को प्राथमिकता दे रही हैं। हाल ही में अथिया प्यारी सी नन्ही परी की मां भी बनी हैं।

होमबाउंड के निर्देशक नीरज घेवन ने की जान्हवी की तारीफ

निर्देशक नीरज घेवन की फिल्म 'होमबाउंड' की कान फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग हुई। यहां फिल्म की काफी सराहना हुई और स्टैंडिंग ओवेशन मिला।

फिल्म को मिली सराहना से फिल्म की कास्ट और निर्देशक नीरज घेवन भावुक भी हो गए। अब नीरज घेवन ने फिल्म में जान्हवी कपूर के कास्ट किए जाने पर बात की। नीरज का कहना है कि इस फिल्म के बाद जान्हवी को लेकर लोगों की धारणा बदल जाएगी।

'होमबाउंड में दिखेगी जान्हवी की असली क्षमता'

होमबाउंड के निर्देशक नीरज घेवन ने फिल्म की कास्टिंग को लेकर बात की। इस दौरान जान्हवी को लेकर उन्होंने कहा, "जान्हवी को बहुत ट्रोल किया गया, लेकिन जब लोग यह फिल्म और उनकी असली क्षमता देखेंगे, तो वे यह देखकर चौंक जाएंगे। वह वास्तव में किसी और चीज से बनी हैं। मैंने उन्हें भीमराव अंबेडकर की 'एनीहिलेशन ऑफ कास्ट' पढ़ने के लिए दिया और वह उन स्पष्ट अंतरों को समझने की कोशिश करने लगीं, जिनके साथ हम एक साथ रहते हैं।"

नीरज के साथ फिल्म की वर्कशॉप को थेरेपी की तरह मानती हैं जान्हवी

इसी बातचीत के दौरान फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर ने भी जान्हवी की तारीफ की। उन्होंने कहा, "जान्हवी ने फिल्म के लिए नीरज के साथ 10 दिनों की वर्कशॉप की, जो उनके लिए बहुत मायने रखती है।

उन्हें लगा कि वह नीरज के साथ 10 दिनों की थेरेपी में थीं और वह ठीक हो गईं। अब भी वह कहती हैं कि होमबाउंड के सेट पर बिताए गए वो 7-8 दिन उनके लिए फिल्म के सेट पर बिताए गए सबसे अच्छे दिन होंगे।"

ईशान खट्टर और विशाल जेठवा भी आएंगे नजर

नीरज घेवन द्वारा निर्देशित 'होमबाउंड' में ईशान खट्टर और विशाल जेठवा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म एक छोटे से उत्तर भारतीय गांव के दो बचपन के दोस्तों के जीवन की कहानी को दिखाती है। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन ने प्रोड्यूस किया है। कान में फिल्म को सराहना मिलने के बाद अब दर्शक इस फिल्म को देखने के लिए और भी उत्साहित हैं।

जान्हवी कपूर के कान रेड कार्पेट लुक पर फिदा हुए बॉयफ्रेंड शिखर

जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर की फिल्म 'होमबाउंड' को कान फिल्म फेस्टिवल में खूब सराहा गया है। इस फिल्म के प्रीमियर के लिए ही जान्हवी कान फिल्म फेस्टिवल पहुंची थीं। कान इवेंट से ही उनके लुक भी चर्चा में हैं। हाल ही में जान्हवी ने एक खूबसूरत ड्रेस पहने अपना फोटो इंस्टाग्राम पर साझा किया है, इस पर कई सेलिब्रिटीज ने रिएक्शन दिया। इन्हीं रिएक्शन में से एक रिएक्शन शिखर पहाड़िया का भी है। शिखर और जान्हवी लंबे वक्त से डेट कर रहे हैं, अक्सर दोनों को साथ देखा जाता है।

जान्हवी के लुक पर फिदा शिखर

जान्हवी ने एक एक वेट लुक एस्थेटिक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस लुक पर शिखर फिदा हो गए हैं। वह जान्हवी की पोस्ट पर लिखते हैं, 'गॉडेस, तुमने तो रात को भी रोशन कर दिया है।' शिखर के इस रिएक्शर पर यूजर्स ने उन्हें पागल प्रेमी करार दे दिया है।

फ्रांस में मौजूद हैं शिखर

कान फिल्म फेस्टिवल में जान्हवी कपूर को सपोर्ट करने के लिए उनकी बहन खुशी कपूर भी मौजूद हैं। साथ ही शिखर भी फ्रांस में ही हैं। वह जान्हवी को सपोर्ट करने के लिए पहुचे हैं। पिछले दिनों खुशी कपूर, शिखर पहाड़िया और करण जौहर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, ये तीनों फ्रांस की खूबसूरत स्ट्रीट पर फोटो शूट करा रहे थे।

होने वाली सास ने भी की तारीफ

जाह्नवी कपूर के पहले कान डेब्यू लुक को शिखर पहाड़िया की मां स्मृति शिंदे ने भी काफी सराहा है। एक इंस्टाग्राम पोस्ट करके उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। जान्हवी की तस्वीर साझा की और उस पर लिखा, 'बधाई हो शानदार डेब्यू के लिए जानू। ऐसे ही और बेहतर करती रहो।'

जान्हवी कपूर का करियर फ्रंट

कान फिल्म फेस्टिवल से हटकर जान्हवी कपूर के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'परम सुंदरी' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। अगले साल रिलीज होने वाली एक साउथ फिल्म 'पेड्डी' में भी जाहन्वी अभिनय करती नजर आएंगी। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ नजर आएंगी।

कान में ऐश्वर्या के साड़ी वाले लुक से प्रभावित हुईं अभिनेत्री मिनी माथुर, बोलीं- 'हर बार आप'

78वें कान फिल्म फेस्टिवल का शानदार आयोजन हो रहा है, जिसमें दिग्गज सितारे शिरकत कर रहे हैं। इसमें भारतीय कलाकारों ने भी शानदार उपस्तिथि दर्ज कराई। अब इस कड़ी में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने भी कान समारोह के रेड कॉर्पेट पर जलवा बिखेरा। एक्ट्रेस के साड़ी वाले पारंपरिक लुक ने सभी को हैरान किया। उन्हें देख अभिनेत्री मिनी माथुर भी प्रभावित हुईं और उन्होंने प्रतिक्रिया भी दी है।

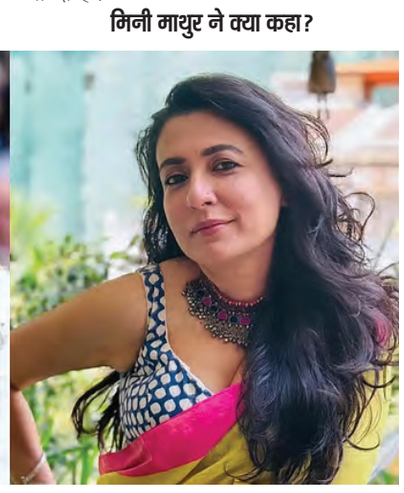

मिनी माथुर ने क्या कहा?

कान फिल्म फेस्टिवल में बीते दिन बुधवार को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं, जिसका एक वीडियो डाइट सब्या ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके कमेंट सेक्शन में अभिनेत्री मिनी माथुर ने ऐश्वर्या के लुक पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'उन्होंने यह सही किया। हर बार अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कपड़ों की क्षमता दिखाने का मतलब नहीं होता। कभी-कभी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इस समय कौन हैं, इस कारण थोड़ा सरल-सहज रहें।'

ऐश्वर्या राय का लुक

इस बार कान में ऐश्वर्या व्हाइट साड़ी में रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती नजर आईं। साड़ी पर पारंपरिक भारतीय आभूषणों की सजावट की गई थी। इसके अलावा उन्होंने सिंदूर के साथ अपना लुक कंप्लीट किया। इस दौरान उन्होंने नमस्ते कहकर वहां उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। साथ ही आपको बताते चलें कि ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2002 में पहली बार कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं।

मिनी माथुर के बारे में

मिनी माथुर बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर टेलीविजन होस्ट किया था। धीरे-धीरे उन्होंने खुद को एक अभिनेत्री के तौर पर भी बॉलीवुड में स्थापित किया। एक्ट्रेस 'आई मी और मैं' फिल्म में नजर आ चुकी हैं।

पापा शाहरुख की हीरोइन काजल ने सुहाना को बर्थडे विश किया, नई फिल्म को लेकर दिया हिंट

शाहरुख खान की बेटी और 'द आर्चीज' फेम एक्ट्रेस सुहाना खान आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उन्हें उनके फैमिली और फ्रेंड सर्कल से खूब प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी कड़ी में एक्ट्रेस काजोल ने भी सुहाना को बर्थडे विश किया है, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया है।

सुहाना खान को काजोल ने किया विश

शाहरुख खान के साथ सबसे ज्यादा हिट एक्ट्रेस मानी जाने वालीं काजोल ने सुहाना को खास अंदाज में विश किया। काजोल ने सुहाना की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई सुहाना। मुझे पता है ये साल तुम्हारे लिए काफी बड़ा होने वाला है।' काजोल की इस बात से सुहाना की दूसरी फिल्म का इशारा मिल रहा है।

अनन्या पांडे ने भी किया सुहाना को विश

सुहाना के बर्थडे पर उनकी बेस्ट फ्रेंड्स भी उन्हें विश करने से पीछे नहीं हटीं। अनन्या पांडे, नव्या नवेली नंदा और शनाया कपूर ने सुहाना को अपने-अपने अंदाज में बधाई दी। अनन्या पांडे ने अपनी और सुहाना की एक पुरानी प्यारी तस्वीर शेयर की जिसमें उनके साथ शाहरुख के छोटे बेटे अबराम और शनाया कपूर भी नजर आ रहे हैं। अनन्या ने कैप्शन में सुहाना को 'सुजी पाई' कहकर बुलाया और लिखा कि दुनिया में कोई और सुहाना जैसा नहीं है।

नव्या-शनाया की बर्थडे विश भी रही खास

वहीं नव्या नवेली नंदा ने भी सुहाना के साथ अपनी एक क्लासी तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें 'सबसे खास' बताया। नव्या का यह पोस्ट भी काफी वायरल हो रहा है और दोनों की बॉन्डिंग को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। शनाया कपूर ने भी अपनी 'सिस्टर' सुहाना को इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई दी। शनाया और सुहाना की दोस्ती बचपन से ही गहरी रही है और उनका रिश्ता अक्सर सोशल मीडिया पर भी नजर आता है।

'द आर्चीज' में नजर आ चुकीं सुहाना

अगर काम की बात करें तो सुहाना खान ने हाल ही में नेटफ्लिक्स फिल्म 'द आर्चीज' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। यह फिल्म जोया अख्तर के निर्देशन में बनी थी और इसमें सुहाना ने वेरोनिका का किरदार निभाया था। उनके अभिनय की तारीफ भी हुई थी और इंडस्ट्री में उनकी पारी की अच्छी शुरुआत मानी जा रही है।

फिल्म 'किंग' में नजर आने वाली हैं सुहाना

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सुहाना जल्द ही एक बड़े प्रोजेक्ट 'किंग' में नजर आ सकती हैं, जिसमें उनके पिता शाहरुख खान भी अहम भूमिका में होंगे। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभय वर्मा और कई दूसरे दिग्गज सितारे भी नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म मानी जा रही है, जो 2000 की फिल्म 'बिच्छू' और फ्रेंच फिल्म 'लियोनः द प्रोफेशनल' से प्रेरित बताई जा रही है।

अभिनेत्री योगिता बाली की 36 साल बाद परदे पर वापसी, बेटे नमोशी ने अभिनय के लिए मनाया

वो फिल्म याद है आपको, नवीन निश्चल और अमिताभ बच्चन वाली, 'परवाना'? इसका वो किशोर कुमार का गाया गाना तो आपको जरूर ही याद होगा जिसे लिखा कैफी आजमी ने और संगीत से संवारा मदन मोहन ने, 'सिमटी सी शरमाई सी, किस दुनिया से तुम आई हो..कैसा जहां में समाएगा, इतना हुस्न जो लाई हो ओ ओ ओ..'। इस गाने में परदे पर शरमाते जो हीरोइन दिख रही हैं, वह हैं योगिता बाली। साल 1971 में इसी फिल्म 'परवाना' से उनका डेब्यू हुआ और अब इन दिनों वह पहचानी जाती हैं मिसेज मिथुन चक्रवर्ती के तौर पर। योगिता बाली अब फिर से परदे पर नजर आने वाली हैं।

अभिनेत्री के तौर पर योगिता बाली की आखिरी फिल्म 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'बदला' रही है। इसके बाद उनका नाम किसी फिल्म के क्रेडिट्स में नजर आया तो आया फिल्म 'एनेमी' में बतौर निर्माता के तौर पर। मिथुन और योगिता के बड़े बेटे महाक्षय उर्फ मिमोह ने अपने पिता के साथ इस फिल्म में काम किया है। दोनों के छोटे बेटे नमोशी (अंग्रेजी की वर्तनी के अनुसार उनके नाम का उच्चारण नमाशी ही होना चाहिए, पर वह खुद कहते हैं कि ये उच्चारण नमोशी ही लिखा जाए तो बेहतर) भी बतौर हीरो फिल्मों में कदम रख चुके हैं। उनकी पहली फिल्म 'बैड बॉय' निर्देशक राजकुमार संतोषी ने निर्देशित की है।

नमोशी ने दरअसल अभिनय के बजाय फिल्ममेकिंग का प्रशिक्षण लिया है। उनकी बनाई शॉर्ट फिल्में कई फिल्म समारोहों में भी जा चुकी हैं। कुछ महीने पहले ही नमोशी ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। उसकी एक फिल्म 'घोस्ट' का वह निर्देशन कर चुके हैं। इसमें काम करने के अलावा वह इसकी एडीटिंग भी खुद ही कर रहे हैं। इस फिल्म में नमोशी खुद तो अभिनय कर ही रहे हैं, फिल्म में उनके साथ उनके पिता मिथुन, दोनों भाई मिमोह और उस्मय और भाभी मदालसा शर्मा भी नजर आएंगी।

लेकिन, कास्टिंग कू का असल बम नमोशी ने अब फोड़ा है अपनी मां को कैमरे के सामने वापस आने के लिए मना कर। जी हां, 36 साल बाद योगिता बाली ने फिर से अभिनय करने की बात मान ली है। नमोशी अपनी मां योगिता बाली और पिता मिथुन चक्रवर्ती को लेकर एक वेब सीरीज 'टोस्टेड' शुरू करने जा रहे हैं। स्पनिल राजे की लिखी इस सीरीज का निर्देशन भी नमोशी करेंगे। जानकारी के मुताबिक इस सीरीज की शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू हो जाएगी।

चीन की गोद में बैठे बांग्लादेश ने फिर दिया भारत को धोखा

कैंसिल कर दिया 180 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच खाई बढ़ती जा रही है। पिछले हफ्ते भारत ने बांग्लादेश से आने वाले 770 मिलियन डॉलर (लगभग 6,600 करोड़ रुपये) के सामान पर रोक लगा दी थी। यह बांग्लादेश से आने वाले सामान का करीब 42% हिस्से को कवर करता है। इससे पहले बांग्लादेश ने भारतीय धागे, चावल और अन्य सामान का आयात रोक दिया था। बांग्लादेश ने साथ ही भारतीय कार्गो पर ट्रांजिट शुल्क भी लगाया है। अब बांग्लादेश सरकार ने भारत को दिया गया 180 करोड़ रुपये का ऑर्डर कैंसिल किया है।

बांग्लादेश की सरकार ने सरकारी कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड को यह ऑर्डर दिया था। कंपनी ने बताया कि बांग्लादेश सरकार ने एक आधुनिक समुद्री जहाज बनाने के लिए ऑर्डर दिया था। लेकिन अब इसे कैंसल कर दिया गया है। यह सौदा 21 मिलियन डॉलर यानी करीब 180 करोड़ रुपये का था। बांग्लादेश के रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले डायरेक्टरेट जनरल डिफेंस परचेज ने यह ऑर्डर दिया था। करीब 61 मीटर लंबे और 15.8 मीटर चौड़े इस जहाज को 24 महीनों में बनाया जाना था। डिजाइन के मुताबिक इस जहाज की अधिकतम गति कम से कम 13 समुद्री मील होनी थी। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्ते थोड़े तनावपूर्ण हो गए हैं। मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार भी चीन के करीब आ गई है। उसने चीन के साथ 2.1 अरब डॉलर के नए सौदे किए हैं।

कंपनी का प्रदर्शन

कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स कमर्शियल और नौसैनिक जहाज बनाती है और उनकी मरम्मत करती है। इसके मुख्य ग्राहकों में भारतीय नौसेना और भारतीय तट रक्षक हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर बुधवार को 4.43% बढ़कर 2,500.5 रुपये पर बंद हुए। कंपनी के शेयरों में इस साल अब तक 54.7% और पिछले 12 महीनों में 109.6% की तेजी आई है। फाइनेंशियल ईयर 2025 की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले साल के मुकाबले 118% बढ़ गया।

सोना 4 दिनों में ही 3,282 महंगा हुआ

चांदी 3,886 बढ़कर 98,492 किलो बिक रही, इस साल 1.10 लाख तक जा सकता है गोल्ड

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 22 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 274 बढ़कर 95,583 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,309 प्रति 10 ग्राम थी। इस हफ्ते सिर्फ 4 कारोबारी दिनों में ही सोना 3,282 महंगा हो चुका है। बीते शनिवार को ये 92,301 पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 3,886 बढ़ चुकी है । एक्सपर्ट्स के अनुसार डॉलर के कमजोर होने और जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण सोने-चांदी की कीमतों में यह तेजी देखने को मिल रही है। वहीं, चांदी आज 1,160 बढ़कर 98,492 प्रति किलो बिक रही है। एक दिन पहले चांदी का दाम 97,332 रुपए था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,060 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,910 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,910 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,910 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,960 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 89750 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 97910/10 ग्राम।

आखिर क्यों अमेरिका ने लौटा दिए भारत के 25 टन आम? सामने आई बड़ी वजह

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने हाल ही में भारत से भेजे गए आम के 15 शिपमेंट को लेने से इनकार कर दिया। इसके पीछे अमेरिकी जांच एजेंसियों ने विकरण डाटा में गड़बड़ी बताई।

भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिकी निरीक्षण दल मानक निरीक्षण प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर सका। इस वजह से मजबूरन इन आमों को अमेरिका में ही नष्ट करना पड़ा और इससे भारतीय किसानों को तकरीबन 4.2 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।महाराष्ट्र राज्य कृषि मार्केटिंग बोर्ड ने मंगलवार को बताया कि जो आम अमेरिका भेजे गए थे उनका विकिरण टेस्ट हमारे यहां ही हुआ था। उन्होंने बताया कि अमेरिका में जिस एजेंसी ने इस शिपमेंट का विकिरण टेस्ट किया, उन्हें जो खामी मिली उसके बारे में उन्होंने हमसे बात न करके सीधे अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसके बारे में बता दिया। जिस वजह से आम के 15 शिपमेंट का अमेरिका में ही नष्ट किया गया। जानकारी के अनुसार आम के 10 एक्सपोर्ट ने 25 टन आम का 8 और 9 मई को एमएसएएमबी सुविधा में 15 शिपमेंट का विकिरण कराया गया था। एमएसएएमबी के अनुसार अगर अमेरिकी क्लीयरेंस डिपार्टमेंट अगर एक्सपोर्ट किए गए आम के लिए जरूरी पीपीक्यू203 डॉक्यूमेंट की डिमांड करते तो ये मामला वहीं सेटल हो जाता। आपको बता दें भारत से जो 15 शिपमेंट आम के गए थे वो शिपमेंट लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा सहित प्रमुख अमेरिकी एंट्री पॉइंट पर जांच के लिए रोके गए थे। जहां आम का जरूरी विकिरण टेस्ट किया गया। जो कि पहले ही भारत में अमेरिकी विकिरण टेस्ट एजेंसी द्वारा मुंबई में किया जा चुका था। आम के 15 शिपमेंट नष्ट होने के बाद एक बार फिर मुंबई विकिरण सुविधा से अमेरिका के लिए आमों का एक्सपोर्ट शुरू हो गया है। एमएसएएमबी ने बताया कि 11 मई से 18 मई के बीच मुंबई फैसिलिटी से 39 खेप में 53,072 बक्से में 185.75 टन आम अमेरिका के लिए एक्सपोर्ट किए गए हैं। आपको बता दें फिलहाल अमेरिका के लिए जो सब्जी और फल जाते हैं उसके लिए मुंबई, बेंगलुरु और अमदाबाद विकिरण फैसिलिटी का इस्तेमाल किया जाता है और ये तीनों की यूएसडीए द्वारा अप्रूव्ड हैं।

जल्दी ही आने वाला है एनएसई का आईपीओ?

सेबी चीफ की यह बात तो सुन लीजिए

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को बाजार नियामक एसईबीआई से जल्द ही हरी झंडी मिल सकती है। यदि यह आया तो यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। एसईबीआई के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने गुरुवार को इस बारे में संकेत दिया। उन्होंने बताया कि एनएसई के आईपीओ से जुड़े सभी मुद्दों को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में पांडे ने कहा, मैं बस इतना कह सकता हूं कि सभी बकाया मुद्दों का समाधान हो जाएगा, और हम आगे बढ़ेंगे। मैं आपको समय नहीं बता सकता, लेकिन मुझे लगता है कि हमें जल्द ही इसे करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नियामक और एनएसई चिंताओं को दूर करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। एसईबीआई प्रमुख ने यह भी बताया कि परामर्श पत्र पर मिली टिप्पणियों के बाद इस महीने समाप्ति तिथियों पर निर्देश जारी किए जाएंगे। एनएसई भारत में निवेशकों की संख्या के हिसाब से सबसे बड़ी गैर-सूचीबद्ध कंपनी बन गई है, जिसके 1 लाख से अधिक शेयरधारक हैं। इस महीने की शुरुआत में, रॉयटर्स ने बताया था कि एनएसई ने आईपीओ पर एसईबीआई के साथ लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध में वित्त मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की थी।

ट्रंप की एक ना चली, एपल ने इंडिया में खड़ा कर दिया 30,000 एम्प्लॉइज के लिए हॉस्टल

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों एक हैरान कर देने वाली बता कही थी उन्होंने कहा कि वो नहीं चाहते हैं कि एपल अपने प्रोडक्शन का और ज्यादा विस्तार भारत में करें. इसकी जगह वो अमेरिका में फोकस करें. इसपर एपल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन चीन के बजाय भारत में बनाए जाएंगे और कंपनी इस योजना पर आगे बढ़ती दिख रही है.

कंपनी ने किया 2.56 बिलियन डॉलर का निवेश

दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी अपने देवनहल्ली प्लांट में 2.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रही है. यह देवनहल्ली के डोड्डागोल्लाहल्ली और चप्परादाहल्ली गांवों में फैला हुआ है, जो बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 34 किमी दूर है. जबकि फॉक्सकॉन ने फेस 1 (2023-24) में लगभग 3,000 करोड़ रुपए का निवेश किया, दूसरे फेस (2026-27) में भी निवेश लगभग इतनी ही राशि का है. इस साल दिसंबर तक 100,000 आईफोन मैन्युफैक्चरिंग टारगेट होने की संभावना है.

30,000 एम्प्लॉइज के लिए हॉस्टल

ईटी के रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं को इसमें ज्यादा प्राथमिकता मिलेगी. कंपनी इसके लिए हॉस्टल बना रही है. जिसमें करीब 30,000 कर्मचारी रह सकते हैं, जिससे यह भारत में इस तरह की सबसे बड़ी सुविधा बन जाएगी. उन्होंने कहा कि हॉस्टल का काम इस साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है.जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है. अपने चीन मॉडल के अनुरूप ही, कंपनी ने तमिलनाडु में भी अपने श्रीपेरंबुदूर यूनिट के कर्मचारियों के लिए हॉस्टल बनाए हैं. इन हॉस्टल में करीब 18,000 कर्मचारी रह सकते हैं.

30,000 कर्मचारियों में से 50-80% महिलाएं हैं

फॉक्सकॉन के कर्मचारियों ने ईटी को बताया कि महिलाओं को आवास के लिए प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि देवनहल्ली में 30,000 कर्मचारियों में से 50-80% महिलाएं हैं. प्रोजेक्ट एलीफेंट फॉक्सकॉन की चीन+1 रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उस देश से बाहर प्रोडक्शन में डाइवर्सिटी लाना है. इसके साथ ही कर्मचारियों ने बताया कि कुछ आईफोन वेरिएंट की असेंबली मई में शुरू हुई थी जबकि दूसरे की अगस्त में शुरू होगी. सितंबर में आईफोन 17 के लॉन्च से पहले काम जोरों पर है, कंपनी यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि उसकी डॉर्म सुविधा पटरी पर रहे.

सुदंर पिचाई, सत्या नडेला पर भी भारी पड़ती इस भारतीय की सैलरी

टेस्ला से मिलते हैं 11,95,20,06,911 रुपए

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। जब भी मोटी सैलरी की बात आती है तो अमूमन लोगों की जुबान पर सुंदर पिचाई और सत्या नडेला का नाम आता है। लेकिन आज आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी सैलरी सुनकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। आइए जानते हैं कौन हैं भारतीय मूल के वैभव तनेजा जिन्होंने तगड़ी सैलरी के मामले में बड़े-बड़ों को पीछे छोड़ दिया है। वैभव तनेजा को साल 2024 में सैलरी के रूप में 139.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 11,95,20,06,911 रुपये मिले। उनकी सैलरी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से भी ज्यादा है। वही गूगल के सुंदर पिचाई की बात करें तो साल 2024 में उन्हें 10.73 मिलियन डॉलर की सैलरी मिली। वहीं माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला को 79.1 मिलियन डॉलर की सैलरी मिली थी। इन दोनों का रिकॉर्ड तोड़कर वैभव सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले शख्स हो गए हैं।

भारत से की है पढ़ाई

वैभव तनेजा ने 1996 से 1999 के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से पढ़ाई की। कॉमर्स में ग्रेजुएशन के साथ-साथ वह चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की पढ़ाई भी कर रहे थे। बाद में उन्होंने सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट का कोर्स किया। इसके बाद इन्होंने पीडब्ल्यूसी ज्वाइन किया। भारत में कुछ साल काम करने के बाद वैभव ने विदेश का रुख किया। तनेजा का अनुभव टेक्नोलॉजी, रिटेल और टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर की कंपनियों के साथ काम करने का रहा है। वह कई छोटी-बड़ी कंपनियों के बोर्ड मेंबर्स और ऑडिट कमेटी के साथ भी काम कर चुके हैं। पीडब्ल्यूसी के बाद मार्च 2016 में वह अमेरिका की एक कंपनी सोलर सिटी में वाइस प्रेसिडेंट बन गए। उनके पास अकाउंटिंग ऑपरेशन की जिम्मेदारी थी। फिर वह कॉरपोरेट कंट्रोलर भी बने। इसी बीच 2016 में ही एलन मस्क की टेस्ला ने सोलरसिटी का अधिग्रहण कर लिया। अब वैभव तनेजा टेस्ला के एम्प्लॉई बन गए।टेस्ला के सोलरसिटी का अधिग्रहण करने के बाद वैभव तनेजा अपने पद पर काम करते रहे।

देखते रह जाएंगे बड़े-बड़े कारोबारी, मधुमक्खियों ने भारतीयों की जेबें भर दी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। क्या आपको भी शहद खाने का शौक है और शहद के बेहिसाब फायदे आप जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस शहद को खाकर आपकी सेहत को फायदा हो रहा है, उसी शहद की पैदावार से भारतीयों को हजारों नहीं बल्कि करोड़ों का मुनाफा हो रहा है. पूरी दुनिया में 20 मई को मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है. इस मौके पर केवीआईसी में स्वीट रेवोल्यूशन उत्सव का आयोजन किया गया. इसी दौरान सामने आया कि कैसे मधुमक्खी पालन भारतीयों के लिए लाभदायक साबित हो रहा है और बड़ी कामयाबी का रास्ता बन रहा है.केवीआईसी के हनी मिशन के तहत अभी तक 20,000 मैट्रिक टन शहद का प्रोडक्शन हुआ है. जिससे मधुमक्खी पालकों को 325 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है. साथ ही "हनी मिशन" कार्यक्रम के तहत देश में मधुमक्खी पालन को बढ़ाने के लिए अब तक देश भर में 2 लाख से अधिक मधुमक्खी बक्से और मधु कॉलोनियां बांटी जा चुकी हैं. 'स्वीट रेवोल्यूशन' ने मधुमक्खी पालकों और किसानों के जीवन को बदला है. इस मौके पर केवीआईसी अध्यक्ष ने हनी मिशन की उपलब्धियों पर रोशनी डालते हुए कहा कि केवीआईसी ने अब तक देशभर में 2,29,409 मधुमक्खी बक्से और मधु कॉलोनियां बांटी, जिससे लगभग 20,000 मीट्रिक टन शहद का प्रोडक्शन हुआ है. इससे मधुमक्खी पालकों को लगभग 325 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है. साथ ही उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में केवीआईसी से जुड़े मधुमक्खी पालकों ने करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य का शहद विदेश में निर्यात किया है.इस मौके पर केवीआईसी की सीईओ राशि ने कहा, "हनी मिशन सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि यह एक आजीविका मॉडल है. आज ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों युवाओं, महिलाओं और किसानों को इस मिशन से रोजगार मिल रहा है. कार्यक्रम में केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीबीआरटीआई), पुणे का भी जिक्र किया गया. बताया गया कि साल 1962 में स्थापित इस संस्थान ने आज तक 50,000 से ज्यादा मधुमक्खी पालकों को आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग दी है.कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने बताया कि मधुमक्खियां सिर्फ शहद प्रोडक्शन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलों मधुमक्खियों के जरिए तैयार होती है, अगर मधुमक्खियां न रहें, तो 30 प्रतिशत खाद्य फसलें और 90 प्रतिशत जंगली पौधों की प्रजातियां संकट में आ सकती हैं.शहद का इस्तेमाल पूरे देश में किया जाता है, लेकिन सबसे ज्यादा मधुमक्खी पालन उत्तर प्रदेश में होता है. उत्तर प्रदेश में22.5 मीट्रिक टन शहद प्रोडक्शन हुआ है. इसी के साथ मधुमक्खी पालन में यूपी सबसे आगे हैं. यूपी के बाद पश्चिम बंगाल, पंजाब और बिहार हैं, बिहार के बाद राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और जम्मू और कश्मीर का नाम शहद प्रोडक्शन में टॉप 10 राज्यों में शामिल है.

इतने में तो एक किलो सोना आ जाएगा.. बिटकॉइन पहली बार $110,000 के पार

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने आज नया इतिहास बना दिया। बिटकॉइन की कीमत गुरुवार को ट्रेडिंग के दौरान पहली बार $110,000 के पार पहुंच गई। एशिया में कारोबार की शुरुआत में बिटकॉइन की कीमत 2.2% तक उछलकर $110,707 तक पहुंच गई थी। भारतीय करेंसी यह रकम करीब 94,83,145 रुपये बैठती है। यानी एक बिटकॉइन में आप एक किलो सोना खरीद सकते हैं। एमसीएक्स पर सोना करीब 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास चल रही है। बिटकॉइन को लेकर निवेशकों में एक बार फिर उत्साह दिख रहा है। अमेरिका में एक अहम स्टेबलकॉइन बिल पास होने से उम्मीद है कि क्रिप्टो कारोबार करने वालों के लिए नियम और भी स्पष्ट होंगे। बिटकॉइन की कीमत में तेजी की एक और वजह यह है कि अमेरिका के बिजनसमैन माइकल सायलर की कंपनी स्ट्रेटजी ने बिटकॉइन में $50 बिलियन से ज्यादा का निवेश किया है। इसके अलावा कई और लोग भी डिजिटल एसेट जमा कर रहे हैं। इस वजह से भी बिटकॉइन की मांग बढ़ रही है। फाल्कनएक्स लिमिटेड के ग्लोबल को-हेड ऑफ मार्केट्स जोशुआ लिम ने कहा कि धीरे-धीरे बढ़ते हुए यह नए रिकॉर्ड बना रहा है। एसपीएसी और पीआईपीई डील से बीटीसी की मांग में कोई कमी नहीं है। कॉइनबेस पर स्पॉट कीमतों में इसका असर दिख रहा है। कुछ छोटी कंपनियां और क्रिप्टो की दुनिया के कुछ दिग्गजों द्वारा बनाई गई नई पब्लिक कंपनियां भी बिटकॉइन खरीद रही हैं। ये कंपनियां कनवर्टीबल बॉन्ड्स और प्रीफर्ड स्टॉक्स बेचकर पैसा जुटा रही हैं। आईजी के मार्केट एनालिस्ट टोनी साइकैमोर ने एक नोट में कहा कि नए रिकॉर्ड से पता चलता है कि जनवरी में बिटकॉइन की कीमत में गिरावट आई थी। 20 जनवरी को यह अपने पिछले हाई से गिरकर अप्रैल में $75,000 से नीचे चला गया था। उन्होंने कहा कि $110,000 से ऊपर टिके रहने के लिए $125,000 की ओर बढ़ने की जरूरत है।

शेयर बाजार में बिकवाली हावी

सेंसेक्स 645 अंक टूटा, निफ्टी 24609 से नीचे आया

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को बिकवाली दिखी। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी ऋण संबंधी चिंताओं के कारण वैश्विक बाजारों में कमजोरी का रुख रहा। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स में 644 अंक की गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 644.64 अंक या 0.79 प्रतिशत गिरकर 80,951.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,106.71 अंक या 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,489.92 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 203.75 अंक या 0.82 प्रतिशत गिरकर 24,609.70 पर आ गया।सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल और अल्ट्राटेक सीमेंट को लाभ हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका के बजट से जुड़ी चिंताओं और क्रेडिट रेटिंग में गिरावट की वजह से एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट आई है। अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर ब्याज दरें बढ़ गई हैं क्योंकि लंबे समय के लिए इनकी मांग कम हो गई है। इन सब कारणों से एशियाई शेयर बाजारों में बिकवाली बढ़ गई और मार्केट नीचे आ गया। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायण,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-45
सूर्यास्त - 18-40
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	05-16 बजे
चंद्र-	मीन मे	मिथुन..	07-16 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क---	09-29 बजे
बुध-	वृष मे	सिंह---	11-40 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	13-47 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	15-53 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..	18-02 बजे
राहु-	कुंभ मे	धनु.....	20-16 बजे
केतु-	सिंह मे	मकर...	22-22 बजे
		कुंभ...	00-13 बजे
		मीन....	01-51 बजे
		मेष.....	03-27 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 22-29 तक उपरान्त द्वादशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , शुक्रवार 23 May
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 16-02 तक उपरान्त रेवती
योग - प्रीति 18-36 तक उप आयुष्मान
करण- बव 11-54 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - अपरा एकादशी व्रत स्मार्थ वै

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:36 से 12:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:45 - 07:21	शुभ	रोग	18:40 - 20:05	अशुभ
लाभ	07:21 - 08:58	शुभ	काल	20:05 - 21:28	अशुभ
अमृत	08:58 - 10:36	शुभ	लाभ	21:28 - 22:50	शुभ
काल.	10:36 - 12:13	अशुभ	उत्पात	22:50 - 00:13	अशुभ
शुभ	12:13 - 13:50	शुभ	शुभ	00:13 - 01:35	शुभ
रोग	13:50 - 15:28	अशुभ	अमृत.	01:35 - 02:58	शुभ
उत्पात	15:28 - 17:05	अशुभ	चंचल	02:58 - 04:21	शुभ
चंचल	17:05 - 18:40	शुभ	रोग	04:21 - 05:45	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है ।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है ।कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन भावनात्मक रहेगा ।आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं ।कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

6 करोड़ का प्रोजेक्ट दिलाने ठगे 50 लाख

असीम कृपा फाउंडेशन के डायरेक्टर ने जांजगीर की महिला से की धोखाधड़ी, गिरफ्तार

रायगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में असीम कृपा फाउंडेशन के डायरेक्टर और उसके साथी ने मिलकर जांजगीर-चांपा की महिला से धोखाधड़ी की है। उन्होंने नाबार्ड योजना के तहत 6 करोड़ का प्रोजेक्ट दिलाने के नाम पर 50 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने आरोपी संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, जांजगीर चांपा के ग्राम खोखरी की रहने वाली अनिता साहू (40) महानदी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का संचालन करती है। यह कंपनी खाद, बीज और दवा किसानों को बेचती है। रायगढ़ के डूमरपाली निवासी रंजीत चौहान (29) और सुदीप मंडल (40) से अनिता की पहचान सुनील कश्यप, अभिषेक देवांगन, छवि बंजारे, मनहरन पटेल और सुरेश वानी के माध्यम से हुआ। तब रंजीत चौहान ने कहा कि, आपका रजिस्टर्ड कंपनी है। मैं आपके कम्पनी को नाबार्ड योजना से 6 करोड़ का प्रोजेक्ट एक महीने के भीतर दिला दूंगा। रंजित ने अनिता से कहा कि, इसके लिए 50 लाख रुपए असीम कृपा फाउन्डेशन बोईरदादर के नाम पर जमा करना होगा।

अनिता को उस पर यकीन नहीं हुआ और उसने पैसे जमा करने से इनकार कर दिया। ऐसे में रंजित ने उसे झांसे में लेने के लिए 50 लाख रुपए का फर्जी चेक 15 नवंबर 2025 को पिछला तारीख का डालकर दिया। इससे अनिता ने उस पर विश्वास कर लिया।

इस दौरान, अनिता को पता चला कि रंजित चौहान और सुदीप मंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। जब अनिता ने उनसे संपर्क किया, तो रंजित ने एफआईआर की बातों को गलत बताया। इसके बाद, रंजित ने नाबार्ड प्रोजेक्ट का दो करोड़ रुपए का चेक आने की बात कहते हुए 50 लाख रुपए असीम कृपा फाउंडेशन के खाते में डालकर चेक ले जाने की बात कही।

इसके बाद, अनिता ने उस पर यकीन करते हुए किस्तों में 27 लाख रुपए उसके खाते में डाल दिए। 5 जनवरी को कैश 23 लाख रुपए उसके असीम कृपा फाउंडेशन के कार्यालय में जाकर दिया। अनिता ने उसके दिए चेक से कैश निकालने बैंक गई, तो पता चला कि खाते में पैसे ही नहीं है। जांच कराने पर पता चला कि, जिस खाते नंबर का चेक था, वो खाता ही बंद है।

अनिता ने फोन से रंजित से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसके बात नहीं हो सकी। इसके बाद उसके कार्यालय में जाकर पता करने पर जानकारी मिली कि वे दोनों फ्रॉड हैं। जिसके बाद उसे एहसास हो गया कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पीड़िता ने इसकी शिकायत बुधवार को चक्रधर नगर पुलिस से की थी।

पुलिस ने असीम कृपा फाउंडेशन के डायरेक्टर रंजित चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी रंजित ने कई लोगों के साथ धोखाधड़ी कर चुका है।

दीपक बैज बस्तर में निकालेंगे न्याय यात्रा

3 दिन में 33 किलोमीटर की यात्रा, राहुल ने न्याय की लड़ाई जारी रखने कहा था

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। बस्तर संभाग में आदिवासियों, जल-जंगल-ज़मीन और खनिज को संरक्षित रखने के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज 26 मई से न्याय यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं। यह यात्रा बचेली से शुरू होगी, जो 28 मई को दंतेवाड़ा में समाप्त होगी।

इस दौरान 28 मई को कांग्रेस कार्यकर्ता दंतेवाड़ा कलेक्ट्रेट का घेराव भी करेंगे। इस न्याय यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और आदिवासी समाज के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने बताया कि, तीन-दिवसीय न्याय पदयात्रा की शुरुआत 26 मई दोपहर 3 बजे, बचेली के बस स्टैण्ड से होगी। इस यात्रा में संभाग के अलावा प्रदेश भर के कार्यकर्ता जुटेंगे।

सुकमा-बीजापुर में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ जारी, एक नक्सली ढेर, एक जवान बलिदान

बीजापुर, सुकमा, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर जिले की सीमा पर तुमरेल क्षेत्र में 21 मई बुधवार को नक्सलियों की मौजूदगी की खबर मिलने पर पुलिस और सुरक्षाबल (डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा) ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 नक्सली मारे गए। वहीं, दूसरे दिन 22 मई की सुबह से नक्सलियों के साथ रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है।

सुरक्षाबलों ने एक नक्सली का शव बरामद किया है और चार-पांच नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

एक जवान बलिदान हो गया। वहीं, एक जवान घायल हो गया। क्षेत्र में सर्चिंग जारी है और वार रूम से अधिकारी नजर रखे हुए हैं। पूरी जानकारी अभियान खत्म होने के बाद दी जाएगी।

नक्सलियों के गढ़ बस्तर संभाग को नक्सलवाद से मुक्त कराने के लिए छत्तीसगढ़ में जवानों का अभियान जारी है। लगातार नक्सलियों का एनकाउंटर हो रहा है। इससे नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर फोर्स को एक के बाद एक बड़ी कामयाबी मिल रही है। जवानों ने 21 मई को डेढ़ करोड़ रुपये के देश के सबसे बड़े इनामी खूंखार नक्सली बसवराजू समेत 27 नक्सलियों को मार गिराया। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच देश का यह सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन था। वहीं भारी संख्या में हथियार बरामद हुए। मुठभेड़ में दो जवान बलिदान हुए थे।

पोस्टमार्टम के लिए ले जाए जा रहे नक्सलियों के शव

अबूझमाड़ के वन क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों द्वारा मार गिराए गए नक्सली नेता बसव राजू समेत 27 नक्सलियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जा रहा है।

सक्ती रियासत के राजा को रेप केस में सजा

राजपरिवार की ही महिला से किया अप्राकृतिक दुष्कर्म, बीजेपी नेता और जिला पंचायत सदस्य भी हैं

सक्ती, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में राजघराना परिवार के वर्तमान राजा धर्मेंद्र सिंह को 7 साल की सजा मिली है। धर्मेंद्र ने राजपरिवार की ही एक महिला के घर घुसकर अप्राकृतिक रेप किया था। पीड़िता ने सक्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने सजा सुनाई है।

धर्मेंद्र सिंह भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य भी हैं। बता दें कि सक्ती राज परिवार के राजा सुरेंद्र बहादुर ने अपने बावर्ची के बेटे धर्मेंद्र सिंह को उत्तराधिकारी बनाया था। साल 2021 में इनका राज्याभिषेक किया गया था। लेकिन राजा सुरेंद्र बहादुर की पत्नी गीता राणा सिंह ने सार्वजनिक रूप से कुंवर धर्मेंद्र को पुत्र मानने से मना कर दिया है।

मामला 2022 का है। राजपरिवार की एक महिला ने दत्तक उत्तराधिकारी राजा धर्मेंद्र सिंह (30 साल) के खिलाफ अप्राकृतिक अनाचार करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। सक्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़कर अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया था।

वे सक्ती रियासत के पांचवें महाराज बने थे। जिन्हें गीता राणा ने मान्यता नहीं दी। राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह के निधन के बाद धर्मेंद्र सिंह ने राजघराने की जिम्मेदारी संभाली थी। वह भाजपा समर्थित जिला पंचायत सभापति भी हैं।

फास्ट ट्रैक कोर्ट के शासकीय अधिवक्ता मुन्ना पटेल ने बताया कि न्यायाधीश गंगा पटेल ने धारा 376, 450 भारतीय दंड संहिता के मामले में दोष सही पाए जाने पर 21 मई 2025 को सजा सुनाई है। साथ ही उन पर 10 हजार रूपए अर्थदंड का जुर्माना भी लगाया है।

न्यायालय के फैसले के बाद धर्मेंद्र सिंह को तुरंत जेल भेज दिया गया है। बता दें कि धारा 376 के तहत 7 साल सजा और 10 हजार जुर्माना और धारा 450 के तहत 5 साल सजा और 5 हजार जुर्माना लगाया गया है। जिसके मुताबिक वह 7 साल तक जेल में रहेगा।

विधायक श्वेता सिंह केस-चीफ इलेक्शन ऑफिसर से मिले बीजेपी नेता

2 पैन कार्ड और 4 वोटर कार्ड को लेकर सौंपा ज्ञापन, बोले- पूरी जांच हो

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। बोकारो विधायक श्वेता सिंह पर लगाए गए आरोपों को लेकर राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) से मिला और बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपा। भाजपा ने आरोप लगाया कि श्वेता सिंह ने 2019 विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करते समय शपथ पत्र में कई अहम जानकारियां छुपाई थीं, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है।

ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया है कि श्वेता सिंह ने नामांकन पत्र भरते समय बीएसएल द्वारा आवंटित आवास

का 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' नहीं संलग्न किया। इसके बावजूद उन्होंने शपथ पत्र में गलत जानकारी देते हुए 'सरकारी बकाया' वाले कॉलम में 'एनए' यानी 'नॉट एप्लिकेबल' लिखा। जबकि हकीकत यह है कि उनके ऊपर वर्ष 2022 से ही बीएसएल आवास का बकाया बकाया है।

इसके अलावा भाजपा का आरोप है कि श्वेता सिंह के पास चार वोटर आईडी कार्ड और दो पैन कार्ड हैं। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को इन सभी दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराई है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा नेताओं ने मांग की कि इन सभी मामलों की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि सत्य सामने आ सके। उन्होंने कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो चुनाव आयोग को श्वेता सिंह की सदस्यता रद्द करनी चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण, सरोज सिंह, सुधीर श्रीवास्तव और अशोक बड़ाईक शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस मामले को पहले ही राजभवन को सूचित किया जा चुका है और वहां से इसे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भेजा गया है।

ऑटो-पिकअप में सीधी टक्कर, 2 की मौत

7 लोग गंभीर रूप से घायल, सभी सदर अस्पताल में भर्ती

कोडरमा, 22 मई (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-जमुआ मेन रोड के लोकाई तालाब के पास सुबह करीब 6:30 बजे ऑटो और पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। इस टक्कर में 2 लोगों की मौत जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार झुमरीतिलैया के नरेश नगर से 7 लोग एक ऑटो पर सवार होकर डोमचांच की ओर जा रहे थे।

इसी क्रम में लोकई तालाब के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक पिकअप वैन से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें ऑटो पर सवार चालक समेत नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोडरमा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान चिकित्सकों ने एक महिला और एक पुरुष को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के नरेशनगर निवासी 35 वर्षीय मुकेश कुमार और 36 वर्षीय चंदा देवी पति रवि भुईयां के रूप में हुई है।

वहीं घायलों की पहचान नरेशनगर झुमरी तिलैया निवासी 28 वर्षीय शिला देवी पति मुकेश भुइयां, 35 वर्षीय मीना देवी पति मनोज भुइयां, 32 वर्षीय मन्नू कुमार भुइयां पिता लिटारी भुइयां, 36 वर्षीय मूंदकी देवी पति अर्जुन भुईयां, 35 वर्षीय अनीता देवी पति दिलीप भुईयां, 30 वर्षीय सुगनी देवी पति रॉकी भुइयां और 32 वर्षीय गुड्डी देवी पति मन्नू कुमार भुइयां के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार सभी शहर के अलग-अलग हिस्से में कभी काम करते हैं तो कभी कचरा चुनने का काम करते हैं। आज भी सभी सुबह में ऑटो में सवार होकर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में कूड़ा-कचड़ा और कबाड़ी चुनने के लिए निकले थे।

पुलिस कस्टडी में साइबर क्राइम के आरोपी की मौत

आक्रोशित परिजनों ने किया रोडजाम पुलिस ने भांजी लाठी, छोड़े आंसू गैस के गोले

देवघर, 22 मई (एजेंसियां)। देवघर में साइबर क्राइम के आरोपी की पुलिस हिरासत में मौत का मामला गुरुवार को हंगामे में बदल गया। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगा सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया। इसके बाद पुलिस ने लाठी भांज कर भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस को आंसू गैस के गोले भी छोड़ने पड़े। पूरा मामला पालोजोरी थाना क्षेत्र का है। दरअसल, साइबर थाना और स्थानीय पुलिस ने पालोजोरी थाना क्षेत्र के दुधनी गांव में छापेमारी कर 4 युवकों को हिरासत में लिया था।

पूछताछ के क्रम में 35 वर्षीय मेराज अंसारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमॉर्टम के बाद जब शव को पालोजोरी ले जाया गया तो आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति तनावपूर्ण हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस कस्टडी में मेराज की पिटाई से मौत हुई है। इधर, इस मामले पर पुलिस अधिकारी कोई बयान देने से बच रहे हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, मृतक के बड़े भाई महबूब अंसारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद से ही मेराज के साथ मारपीट शुरू कर दी थी।

देह व्यापार: महिलाओं ने एसपी से की शिकायत

कहा- पति-पत्नी करा रहे गलत धंधा, घर से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

रायगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में देह व्यापार की शिकायत करने बड़ी संख्या में महिलाएं एसपी ऑफिस पहुंची। जहां उन्होंने एसपी के नाम आवेदन दिया और मामले में कार्रवाई की मांग की। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है।

शहर से करीब के ग्राम पंचायत गढ़उमरिया के जाम टिकरा मोहल्ला की महिलाओं ने बताया कि पिछले करीब 10-12 सालों से यहां देह व्यापार का धंधा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राम नारायण साहू और उसकी पत्नी मोहल्ले के एक घर में यह काम करवा रहे हैं। इससे मोहल्लेवासी लंबे समय से परेशान हैं।

उन्होंने अपने ज्ञापन में बताया कि पूर्व में भी जूमिटल थाना में इसकी शिकायत की जा चुकी है। तब 151 के तहत कार्रवाई की गई थी, लेकिन बावजूद इसके देह व्यापार का धंधा यहां बंद नहीं हो रहा है।

महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन सौंपकर दोनों पति-पत्नी पर कार्रवाई करते हुए देह व्यापार का धंधा बंद कराने की मांग की है। एसपी ऑफिस शिकायत के लिए पहुंची महिला ने बताया कि इंदिरा साहू और उसके पति देह व्यापार का धंधा कराते हैं। इसके लिए जूटमिल थाना में आवेदन दिए थे।

उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जिस मकान पर देह व्यापार चल रहा है, उसे सील करा दिया जाए। उसने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। महिला ने बताया कि मोहल्ले में स्थिति यह हो गई कि मोहल्ले की महिलाएं घर से बाहर न निकल पा रही है और न बैठ पा रही है।

महिलाओं के साथ शिकायत लेकर पहुंचे कोड़ातराई भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप पंडा ने बताया कि देह व्यापार रामनारायण साहू और उसकी पत्नी के द्वारा चलाया जा रहा है। मोहल्ले की महिलाएं कई बार पंचायत में भी बता चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 13 मई को रात को थाना में सूचना दी गई।

ऐसे में कुछ लोगों को यहां पकड़ा गया था, लेकिन छुटने के बाद फिर से वही काम कर रहे हैं। मोहल्ले में बाहरी लोगों का आना जाना है। इससे यहां हर कोई परेशान है। इसे लेकर आज पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की गई है।

इस संबंध में डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि मामले में शिकायत की जांच की जाएगी और जांच में दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पूर्व में जूटमिल थाना में शिकायत की गई थी। उस पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी।

झारखंड शराब घोटाला, एसीबी की एफआईआर ने खोली पूरी कहानी

नकली डॉक्यूमेंट देकर किया घोटाला, बैंक ने अलर्ट भी किया, अधिकारियों ने किया नजरअंदाज

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। झारखंड में हुए शराब घोटाला मामले में एसीबी की ओर से जो प्राथमिकी दर्ज कराई गई वह यह बताने के लिए प्रर्याप्त है कि 38.44 करोड़ के घोटाले के लिए केवल और केवल अधिकारी जिम्मेदार हैं।

एसीबी की ओर से उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग तत्कालीन सचिव विनय चौबे सहित 13 लोगों पर नामजद एफआईआर कराया गया है। एफआईआर में जिस तरह की बात बताई गई है, उससे यह साफ होता है कि अधिकारियों ने जानबूझकर इस करोड़ों के घोटाले को होने दिया है। दर्ज प्राथमिकी में घोटाले की परत खोल कर रख दी गई है। बताया गया है कि दो प्लेसमेंट एजेंसियों की फर्जी बैंक गारंटी की अधिकारियों ने जांच तक नहीं की। जिसकी वजह से 38.44 करोड़ का शराब घोटाला हुआ। बैंक गारंटी के संबंध में संबंधित बैंक के प्रबंधक द्वारा बताया कि यह बैंक गारंटी न तो बैंक द्वारा निर्गत किया गया है और न ही इस पर प्रयुक्त लेटर हेड, सिग्नेचर बैंक से संबंधित है। इसके बाद भी इन प्लेसमेंट एजेंसियों पर कार्रवाई नहीं की गई। एसीबी की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि उक्त दोनों प्लेसमेंट एजेंसियों ने वर्ष 2023 से ही फर्जी बैंक गारंटी दे उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पदाधिकारियों-कर्मियों की मिलीभगत से साजिश रचते हुए लगातार कार्य किया।

नियमानुकूल रिकवरी नहीं होने पर मेसर्स विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड पर मार्च 2025 तक 12 करोड़ 98 लाख 18 हजार 405 रुपए व मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर मार्च 2025 तक 25 करोड़, 46 लाख 66 हजार 313 रुपए की देनदारी होने की बात सामने आई है।

इसी तरह मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी सर्विसेज प्रा.लि. का चयन जोन-4 के अधीन धनबाद जिले की खुदरा शराब दुकानों में मैनपावर आपूर्ति के लिए हुआ था। कंपनी ने जेएसबीसीएल में पांच करोड़, दो लाख की बैंक गारंटी जमा की थी। जेएसबीसीएल ने फर्जीवाड़े की पुष्टि के बाद स्पष्टीकरण मांगा तो कंपनी के निदेशक जगन तुकाराम देसाई ने बताया कि उनके लोकल प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह ने धोखाधड़ी कर ऐसा किया है।

गांव में घुसे भालू को कुत्ते ने खदेड़ा

भोजन की तलाश में पहुंचा था, भौंक-भौंककर दूर तक दौड़ाया

कांकेर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक कुत्ते ने भौंक-भौंककर भालू को भगा दिया। ग्राम दरगाहन में ग्रामीणों ने एक पालतू कुत्ते को पाला है।

22 मई गुरुवार की सुबह लगभग 6 बजे भालू घुस आया तभी कुत्ते ने उसे दौड़ाकर गांव के बाहर खदेड़ दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। यह पहला मौका है जब किसी पालतू कुत्ते ने भालू को इस तरह भगाया है।

आमतौर पर भालू कुत्तों पर हावी होते हैं। भालू अक्सर भोजन की तलाश में शहरी क्षेत्रों में घुस आते हैं। इससे पहले कई लोग भालू के हमले का शिकार हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव की कच्ची सड़क पर भालू आते दिखा था जिसके बाद उसे देख कुत्ता उसके पीछे पड़ गया और भगा के ही माना। इस क्षेत्र में रोजाना जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ रही है।

घटना के बाद से सुबह सैर करने वाले लोगों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

स्थानीय प्रशासन ने आसपास के गांवों के लोगों को जंगली जानवरों से सतर्क रहने की सलाह दी है।

शहर में 10 दिन पहले एक शादी वाले घर में भालू घुस गया था। घर की बाड़ी के पास कुछ तेल के टीन पड़े हुए थे। भालू तेल पीने के बाद टीन से खेलने भी लगा।

शादी का बचा सामान घर के बाहर परछी में रखा था। वे धीरे-धीरे सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा रहे थे। इसी दौरान भालू वहां पहुंच गया था।

बता दें कि कांकेर चारों ओर से पहाड़ियों से घिरा हुआ है। आस-पास के पहाड़ों में मौजूद वन्य प्राणी भोजन पानी की तलाश में शहर और गांव की ओर रुख कर रहे। कई पहाड़ियों को भालुओं का विचरण क्षेत्र घोषित किया गया है।

पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण वन्य प्राणी जंगलों से अन्य इलाकों की ओर निकल आ रहे हैं।

वहीं वन विभाग ने वन्य प्राणियों के रहवासी इलाके में आने पर सूचना देने की अपील की है। सूचना मिलने पर वन अमला मौके पर पहुंच वन्यप्राणियों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित जंगल में छोड़ने का काम कर रही है।

सारंगढ़ से बलौदाबाजार पहुंचा हाथियों का झुंड

अर्जुनी में दल से बिछड़ा एक नर हाथी, 3 किसानों के धान की फसल को नुकसान

बलौदाबाजार, 22 मई (एजेंसियां)। सारंगढ़ में विचरण कर रहा 27 हाथियों का झुंड बलौदाबाजार जिले में पहुंच गया है। गुरुवार को अर्जुनी परिक्षेत्र के जंगल में 28 हाथी देखने को मिले है। इनमें से 27 हाथी गाताडीह कक्ष क्रमांक 370/371 में विचरण कर रहे हैं। एक नर हाथी झुंड से अलग होकर कोठारी जंगल में है।

यह झुंड करीब एक साल बाद सारंगढ़ के जंगलों से यहां आया है। वन अधिकारियों के मुताबिक, हाथियों ने यहां भी फसलों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। जंगल में पर्याप्त चारा और पानी होने से झुंड वहीं है। हालांकि, एक अकेला नर हाथी खतरनाक हो सकता है। इसका व्यवहार अप्रत्याशित और आक्रामक हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम महाराजी के अशोक पैकरा, ईश्वर

पैकरा, जेठू राम कर्ष के करीब 2 एकड़ धान का फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग ने हाथियों को वापस जंगल की ओर मोड़ने के लिए फायर क्रैकर्स, चमकीले रोशनी वाले फ्लैशलाइट और अन्य हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए हैं।

वन अधिकारियों के मुताबिक, हाथियों का यह प्रवास भोजन और पानी की तलाश में हुआ है। एक हाथी रोजाना 200-300 किलोग्राम भोजन और 50 लीटर तक पानी की खपत करता है। वर्तमान में हाथियों का झुंड जंगल से लगी धान की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है।

वन विभाग और वन मित्रों की टीमें लगातार हाथियों पर नजर रख रही हैं। फसल को कम से कम नुकसान हो, इसके लिए विशेष निगरानी की जा रही है।

सलमान खान के गैलेक्सी-अपार्टमेंट में घुसा छत्तीसगढ़ का युवक

आरोपी को एक बार भगाया तो फिर कार में छिपकर आया, पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुर्ग, 22 मई (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के मुंबई स्थित घर में छत्तीसगढ़ का एक युवक घुस गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। इसे भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। दोनों मामलों की जांच जारी है।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 20 मई की है। खुलासा गुरुवार को हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी जीतेंद्र कुमार (23 साल) छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले का रहने वाला है। वहीं, बुधवार की रात ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। 2 दिन में यह दूसरी घटना थी।

सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। संदीप ने बताया कि 20 मई की सुबह 09:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा। इस पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन जमीन पर फेंककर तोड़ दिया। संदीप ने कहा कि वह शख्स शाम करीब 7:15 बजे फिर गैलेक्सी अपार्टमेंट के मुख्य द्वार पर वापस आया।

इसके बाद इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गेट के अंदर एंट्री कर गया।

डब्ल्यूएचओ में भारत बोला- पाकिस्तान आतंकवाद का सेंटर

पाक टेररिज्म को जन्म देकर पालता है, खुद पीड़ित होने का नाटक करता है

जिनेवा, 22 मई (एजेंसियां)। भारतीय डिप्लोमैट अनुपमा सिंह ने बुधवार को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) की बैठक में आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का प्रोपेगैंडा बेनकाब कर दिया।

अनुपमा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का सेंटर है और उसे पीड़ित होने का ढोंग करने का कोई हक नहीं। पाकिस्तान आतंकवाद को जन्म देकर पालता है और दुनिया को गुमराह करने की कोशिश करता है।

उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या में पाकिस्तान से ट्रेन किए गए आतंकवादी शामिल थे। इन आतंकियों ने लोगों को उनके परिवार के सामने गोली मारी।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अनुपमा सिंह ने कहा कि भारत ने पूरी सटीकता और फोकस के साथ सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

पाकिस्तान सिंधु जल संधि को

अनुपमा सिंह

लेकर भी झूठा नरेटिव गढ़ रहा है। वो लगातार क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म को बढ़ावा देकर हर समझौते का उल्लंघन कर रहा है।

बलूचिस्तान में स्कूल बस पर हमला, पाकिस्तान ने भारत पर मढ़ा दोष

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार सुबह सेना की एक स्कूल बस पर आत्मघाती हमला हुआ। इसमें 3 बच्चे समेत 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 35 बच्चे घायल हो गए। घटना खुजदार जिले में हुई।

40 बच्चे बस में सवार होकर सैनिक स्कूल जा रहे थे। तभी उस पर हमला हुआ। पीएम शहबाज और पाकिस्तानी सेना ने इस हमले की निंदा की है और 'भारतीय आतंकी एजेंट्स' को इसका जिम्मेदार ठहराया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना में भारत के शामिल होने के पाकिस्तानी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी सभी घटनाओं में जानमाल के नुकसान पर दुख जाहिर करता है।

जायसवाल ने कहा- आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर होने की अपनी इमेज से ध्यान हटाने और अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए, पाकिस्तान अपनी हर आंतरिक समस्या के लिए भारत को दोषी ठहराता है। यह आम बात हो गई है, लेकिन दुनिया को गुमराह करने की यह कोशिश नाकाम रहेगी।

भारत के साथ जारी तनाव के बीच पाकिस्तान ने भारतीय फ्लाइट्स के लिए अपने एयर स्पेस को एक और महीने तक बंद रखने का फैसला किया है।

पाकिस्तान ने पिछले महीने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से उठाए गए कदमों के जवाब में अपने एयर स्पेस को भारतीय उड़ानों के लिए बंद कर दिया था।

यह प्रतिबंध 23 मई तक के लिए था, क्योंकि इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन (आईसीएओ) के नियमों के मुताबिक एयर स्पेस पर एक बार में एक महीने से ज्यादा प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। इस प्रतिबंध को बढ़ाने का ऐलान बुधवार या गुरुवार को हो सकता है। इसके लिए एक नोटिस टू एयरमेन जारी किया जाएगा।

ट्रम्प की साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट से तीखी नोकझोंक

गोरे किसानों के नरसंहार का वीडियो दिखाया रामफोसा बोले– आपको प्लेन गिफ्ट नहीं कर सकते

न्यूयॉर्क, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच बुधवार को व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने तीखी बहस हुई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका में गोरे किसानों का नरसंहार किया जा रहा है। ओवल ऑफिस में मीटिंग के दौरान ट्रम्प ने एक वीडियो को सबूत के तौर पर दिखाते हुए दावा किया कि साउथ अफ्रीका में गोरे लोगों को बड़े पैमाने पर टारगेट किया जा रहा है। इसके कारण किसान अमेरिका की ओर भाग रहे हैं। रामफोसा को इसके खिलाफ कदम उठाने चाहिए।

हालांकि, रामफोसा ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि नरसंहार के आरोप झूठे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा- साउथ अफ्रीका में सभी नस्लों के लोग हिंसा से पीड़ित हैं। इनमें ज्यादातर अश्वेत हैं। वहां सिर्फ गोरे लोगों को नहीं सताया जा रहा है। ट्रम्प ने इससे इनकार करते हुए कहा कि सिर्फ 'गोरे किसानों' को

सताया जा रहा है।

रामफोसा ने ट्रम्प को कतर सरकार से गिफ्ट में मिले प्लेन पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा- मुझे माफ कीजिए मेरे पास आपको देने के लिए प्लेन नहीं है, इस पर ट्रम्प ने भी उसी तरह जवाब दिया, उन्होंने कहा, काश आपके पास ये होता, तो मैं ले लेता।

दोनों राष्ट्रपतियों के बीच दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई। दोनों ने गोल्फ के बारे में बात की। ट्रम्प ने अफ्रीका में लोगों के गोल्फ खेलने के टैलेंट की तारीफ की। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने फिर 'टी' शब्द का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच ट्रेड पर चर्चा करने की कोशिश की। उन्होंने एक मिनरल डील का भी जिक्र किया।

दोनों नेता के बीच ठीक से बातचीत चल रही थी। अचानक ट्रम्प ने अपने स्टाफ से वीडियो चलाने के लिए लाइट्स बंद करने को कहा। इससे रामफोसा चौंक गए।

जब वीडियो शुरू हुआ, तो रामफोसा ने ट्रम्प से इशारों में सवाल किया कि यह क्या है? हालांकि, ट्रम्प ने उन्हें इंतजार करने का इशारा किया। रामफोसा ने दो-तीन बार पीछे मुड़कर वीडियो देखा। ट्रम्प ने वीडियो को गोरे लोगों के नरसंहार का सबूत बताते हुए कहा कि इसमें हजारों गोरे किसानों की कब्र दिखाई गई हैं। रामफोसा बोले- पता लगाएंगे वीडियो कहां की है- रामफोसा ने अपना संयम बनाए रखते हुए दावों से इनकार किया। उन्होंने कहा- मैंने पहले कभी यह वीडियो नहीं देखा है। हम पता लगाएंगे कि यह वीडियो कहां है। इसकी प्रामाणिकता की गहराई से जांच करेंगे। रामफोसा ने कहा, हमारे देश में हिंसा अपराध है, और इससे सभी प्रभावित हैं- चाहे वो काला हो या गोरा।

अमेरिका में इजराइली दूतावास के 2 स्टाफ की हत्या

यहूदी म्यूजियम के बाहर फिलिस्तीन का नारा लगाकर गोली मारी, दोनों शादी करने वाले थे

वॉशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बुधवार रात करीब 9 बजकर 5 मिनट (भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 6 बजकर 35 मिनट) पर यहूदी म्यूजियम के बाहर हुई।

अपराधी ने 'फ्री फिलिस्तीन' का नारा लगाकर दोनों को नजदीक से गोली मारी है। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। घटना के वक्त दोनों कर्मचारी कैपिटल यहूदी म्यूजियम से बाहर निकल रहे थे। इजराइली दूतावास ने प्रवक्ता ने कहा कि दोनों ने हाल ही में सगाई की थी और जल्द ही शादी करने वाले थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान एलियास रॉड्रिगेज के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30 साल है। वह शिकागो का रहने वाला है। गिरफ्तारी के दौरान वह फिलिस्तीन को आजाद करने के नारे लगा रहा था। पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ ने कहा कि गोलीबारी से पहले एक संदिग्ध को म्यूजियम के बाहर घूमते हुए देखा गया था। उसने बाहर निकलते चार लोगों के एक ग्रुप पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। घटना शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जहां कई म्यूजियम, सरकारी दफ्तर और एफबीआई का ऑफिस भी मौजूद है।

जयशंकर ने पाक आर्मी चीफ को कट्टरपंथी कहा

उनके बर्ताव में झलकता है, अमेरिका के सीजफायर कराने के दावे को गलत बताया

एम्सटर्डम, 22 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को कट्टरपंथी बताया है। उन्होंने नीदरलैंड्स की मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर के विचारों और व्यवहार में धार्मिक कट्टरता साफ नजर आती है।

जयशंकर ने असीम मुनीर के भाषण का भी जिक्र किया। इसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान के लिए 'गले की नस' बताया था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के लोग कभी भी यह नहीं भूल सकते कि वे हिंदुओं से अलग हैं।

मुनीर ने बच्चों को जिन्ना के दो-राष्ट्र सिद्धांत की कहानी सुनाने की वकालत की थी, ताकि वे समझ सकें कि बंटवारा क्यों हुआ था।

इस घटना के 5 दिन बाद ही

पहलगाम आतंकी हमला हुआ। जयशंकर ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान के आतंकवादियों ने किया था और उन्होंने धर्म पूछकर लोगों की हत्या की।

जयशंकर बोले- भारत ने साफ कहा अगर पाकिस्तान गोलीबारी रोकना चाहता है, तो खुद बताए

जयशंकर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सीधे बातचीत हुई थी।

उन्होंने बताया कि भारत ने सभी देशों को यह साफ बोल दिया था कि अगर पाकिस्तान गोलीबारी बंद करना चाहता है, तो उसे भारत के जनरल को फोन करके यह बताना होगा।

अमेरिका की जंग रोकने में भूमिका के सवाल जयशंकर ने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हो रहा था, अमेरिका समेत कई देशों ने समझौते की कोशिश की थी।

अमेरिका सिर्फ अकेला ऐसा देश नहीं था। कुछ और देश भी बातचीत कर रहे थे, लेकिन मैं यह साफ करना चाहता हूं कि गोलीबारी रोकने का फैसला भारत और पाकिस्तान ने आपसी बातचीत के बाद लिया।

उन्होंने कहा- हमारे पास एक हॉटलाइन है जिससे हम सीधे बात कर सकते हैं। 10 मई को, पाकिस्तान की सेना ने संदेश भेजा कि वे गोलीबारी रोकने के लिए तैयार हैं।

इसके बाद, पाकिस्तान और भारत के सैन्य अधिकारी एक-दूसरे से बात करने के बाद संघर्ष विराम पर सहमत हुए।

हालांकि विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उनसे बात की थी। वहीं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था।

भारत ने ताकत दिखा दी

ऑपरेशन सिंदूर की ब्रिटिश एक्सपर्ट ने की जमकर तारीफ, पाकिस्तान पर बताया भारतीय सेना का अपर हैंड

इस्लामाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच इस महीने की शुरुआत में एक भीषण सैन्य संघर्ष छिड़ गया था, जो चार दिनों बाद एक-दूसरे पर हमले रोके जाने की सहमति के साथ खत्म हुआ था। इस टकराव के दौरान भारत ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर लक्ष्यों पर सटीक हमले करके पाकिस्तानी सेना को बढ़िया सबक सिखाया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की सटीक कार्रवाई और लक्ष्यों की प्राप्ति की अब एक्सपर्ट भी तारीफ कर रहे हैं। किंग्स कॉलेज लंदन में सीनियर लेक्चरर वाल्टर कार्ल लैडविग ने भारत के अभियान को बेहद ही सफल बताया है। रॉयल यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर लिखे एक लेख में उन्होंने कहा, भारत ने अपने घोषित उद्देश्यों को काफी हद तक हासिल कर लिया है। हमलों के पहले दिन भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकवादियों से जुड़े बुनियादी ढांचे की पहचान करने और उसे नष्ट करने की विश्वसनीय क्षमता का प्रदर्शन किया। इसमें सटीक हमले करने के लिए स्टैंड ऑफ हथियारों का इस्तेमाल किया गया। अगले दिनों में ऑपरेशन का दायरा बढ़ा, तो भारत ने पाकिस्तान के पास मौजूद चीनी वायु रक्षा नेटवर्क में सेंध लगाते हुए अग्रिम एयरबेसों को निशाना बनाया। इसने यह साबित किया कि भारतीय वायु सेना सुरक्षित परिस्थितियों में लक्ष्यों पर हमला कर सकती है और बाद में भी हमले जारी रख सकती है।

भारत-पाक सीजफायर पर सातवीं बार बोले राष्ट्रपति ट्रम्प

बिजनेस के जरिए जंग रुकवाई, मोदी को महान शख्स बताया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष को सुलझाया है। ट्रम्प ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने बिजनेस के जरिए से विवाद सुलझाया है। अमेरिका, भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ बड़ा सौदा कर रहा है।'

ट्रम्प ने यह दावा दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान किया। उन्होंने कहा, 'भारत-पाकिस्तान के बीच हमले और भी खतरनाक और बदतर होते जा रहे थे। किसी को तो इसे अंजाम पर पहुंचाना ही था। हमने उनसे बात की।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, 'मैंने दोनों देशों से कहा कि आप लोग क्या कर रहे हैं?

पाकिस्तान में कुछ बेहतरीन और कुछ बहुत अच्छे, महान नेता हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी मेरे दोस्त हैं।' इस पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने कहा- कॉमन फ्रेंड, मोदी हमारे भी दोस्त हैं। फिर ट्रम्प ने कहा- वह (मोदी) एक महान शख्स हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया X पर सबसे पहले इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद से बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है। हालांकि, 15 मई को उन्होंने कहा था- मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, बल्कि सिर्फ मदद की है।

मुझे भारत और पाकिस्तान की मजबूत लीडरशिप पर बहुत गर्व है, जिन्होंने ताकत, समझदारी और हिम्मत दिखाकर यह फैसला लिया कि अब मौजूदा तनाव को रोकने का समय है। साथ ही, मैं दोनों के साथ मिलकर यह देखने की कोशिश करूंगा कि क्या 'हजार साल' बाद कश्मीर मुद्दे का कोई हल निकाला जा सकता है।

मैंने परमाणु जंग रोक दी है। अमेरिका ने दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में मदद की है। मुझे यकीन है कि यह सीजफायर स्थायी होगा। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी।

ब्रिटिश अदालत ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के सौदे पर अंतिम समय में रोक लगाई

लंदन, 22 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की एक अदालत ने गुरुवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने से कुछ घंटे पहले, चागोस द्वीप समूह पर संप्रभुता मॉरीशस को हस्तांतरित करने के फैसले पर रोक लगा दी।

ब्रिटेन ने मॉरीशस को हिंद महासागर का द्वीपसमूह सौंपने पर सहमति जताई है, जो द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नौसैनिक और बमवर्षक बेस का घर है। इसके बाद ब्रिटेन कम से कम 99 साल के लिए बेस को वापस पट्टे पर देगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन से परामर्श किया गया और उसने अपनी मंजूरी दे दी, लेकिन लागत को लेकर अंतिम समय में हुई बातचीत के कारण सौदे को अंतिम रूप देने में देरी हो गई। इस समझौते पर गुरुवार सुबह एक वर्चुअल समारोह में हस्ताक्षर किए जाने थे।

रूस ने एके-203 पर किया बड़ा ऐलान

भारत से असॉल्ट राइफलों के निर्यात का रास्ता साफ, मेक इन इंडिया की बड़ी सफलता

मॉस्को, 22 मई (एजेंसियां)। रूस ने भारत के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के हक में बड़ा फैसला लिया है। अब भारत में बनी रूसी असॉल्ट राइफलों का दूसरे देशों में निर्यात किया जा सकेगा। रूस के निर्यात निकाय ने रूसी-भारतीय उद्यम को अन्य देशों को निर्यात के लिए रूसी तकनीक से युक्त असॉल्ट राइफलों के उत्पादन की अनुमति दे दी है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के प्रमुख के हवाले से यह जानकारी दी है।

भारत में बनती है एके-203

रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय शस्त्र एवं सैन्य उपकरण प्रदर्शनी से पहले टीएएसएस को बताया कि उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में स्थित कोरवा आयुद्ध कारखाना भारत और अन्य देशों के लिए उत्पादों की आपूर्ति करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने कहा कि एके-203 राइफल का निर्माण करने

वाली यह हथियार फैक्ट्री रूस-भारत साझेदारी को मजबूत करेगी और मेक इन इंडिया का समर्थन करेगी। अमेठी स्थित इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) रूस और भारत की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस इकाई के माध्यम से भारत मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में एके-203 असॉल्ट राइफलों उत्पादन के लिए तैयार है। पिछले साल ही इसने भारतीय सेना को 35000 सेटों की आपूर्ति के साथ पहला चरण पूरा किया था। फैक्ट्री ने जनवरी 2023 में 5000 राइफलों का पहला सेट तैयार किया था। यह भारतीय सशस्त्र बलों की 600,000 से अधिक राइफलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही यह भविष्य में निर्यात को भी पूरा करेगी।

एके-203 असॉल्ट राइफल, एके-200 राइफल का एक वैरिएंट है, जिसे भारतीय में इस्तेमाल किए जाने वाले 7.62x39मिमी कारतूस के लिए बनाया गया है। एके-200 सीरीज की ये राइफल एक मिनट में 700 राउंड फायर कर सकती है। हथियार को चुने जाने से पहले सेना ने इसका व्यापक परीक्षण किया था। सेना को रूस से सीधे 70,000 राइफलें पहले ही मिल चुकी हैं।

अमेठी स्थित कोरवा फैक्ट्री का उद्घाटन 2019 में हुआ था। शुरुआती समझौते के तहत इस फैक्ट्री से बनने वाले हथियार के लिए भारतीय सेना मुख्य ग्राहक है, जबकि वायु सेना और नौसेना को भी छोटे बैच मिलेंगे।

राइफल का निर्माण पूर्ण टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ किया जा रहा है। अब रूस से मंजूरी मिलने के बाद भारत में बन रहे इस हथियार को मित्र देशों को निर्यात भी किया जा सकेगा।

बांग्लादेश में चुनाव कराइए, आर्मी चीफ यूनुस पर फायर

ढाका में फिर होने जा रहा बड़ा सियासी उलटफेर

ढाका, 22 मई (एजेंसियां)। बीते एक साल से सियासी उथलपुथल का सामना कर रहे बांग्लादेश में एक बार फिर कुछ बड़ी हलचल होने के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां और अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। आर्मी चीफ ने यूनुस से देश में जल्द आम चुनाव कराने, सैन्य मामलों में दखल देना बंद करने और रोहिंग्याओं के लिए म्यांमार तक कॉरिडोर बनाने जैसे मुद्दों पर सेना को विश्वास में लेने के लिए कहा है। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर यूनुस असहज हो सकते हैं। यूनुस की ओर से इसके लिए कोई जवाबी रणनीति तैयार होती है तो ढाका में आने वाले दिनों में बड़ी सियासी या सैन्य हलचल होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। ढाका में जनरल वकार

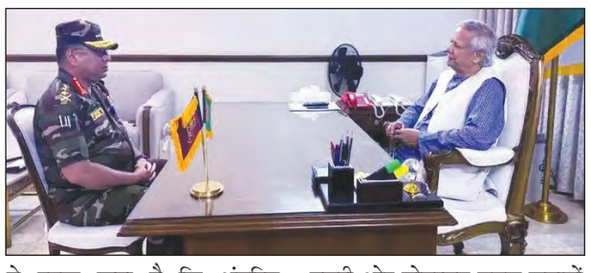

ने स्पष्ट कहा है कि अंतरिम सरकार को इस साल दिसंबर तक चुनाव कराने होंगे। बांग्लादेश में चुनी हुई सरकारों का तख्तापलट कर सत्ता हासिल करने का इतिहास रहा है लेकिन जमां ने बीते साल शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार की तरफ जाने का विकल्प चुना। इसके बाद से उन्होंने लगातार लोकतंत्र बहाली, स्थिरता बनाने और बांग्लादेश सेना के पेशेवर रुख को बनाए रखने पर जोर दिया है। दूसरी ओर मोहम्मद यूनुस चुनावों का टालने के बहाने ढूंढ़ते रहे हैं। इससे दोनों टकराव की स्थिति बन गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट सुबीर भौमिक का मानना है कि जनरल जमां जल्द चुनाव कराने के बाद सेना को वापस बैरक में वापस ले जाना चाहते हैं ताकि लोग उन्हें लोकतंत्र के हितैषी के तौर पर याद करें ना कि तानाशाह की तरह देखें। मौजूदा सरकार के हेड यूनुस एक तरफ शेख हसीना पर चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाते हैं तो वहीं बिना जनादेश के शासन करना जारी रखना चाहते हैं।

जनरल वकार को यह शक है कि यूनुस बाहरी ताकतों के साथ मिलकर उन्हें सेना के शीर्ष पद से हटा सकते हैं। इब बीच वायु सेना और नौसेना प्रमुख के साथ जमां की यूनुस पर सख्ती कई संदेश देता है।

उन्होंने ये दिखाया है कि सेना के सभी धड़े एकजुट हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सेना अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। ये यूनुस शासन में कट्टरपंथियों को मिल रही छूट की तरफ इशारा है। जनरल वकार ने म्यांमार-बांग्लादेश के बीच रोहिंग्या कॉरिडोर मुद्दे पर बात की है। यूनुस म्यांमार को मानवीय आपूर्ति पहुंचाने के लिए कॉरिडोर की बात कह रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया का वॉरशिप लॉन्चिंग के वक्त तबाह हुआ

किम जोंग उन बोले– इंजीनियरों को सजा मिलेगी

प्योंगयांग, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की मौजूदगी में एक नया वॉर-शिप लॉन्च करते समय हादसे का शिकार हो गया। सरकारी मीडिया के मुताबिक यह 5,000 टन वजनी शिप लॉन्चिंग के समय ही संतुलन बिगड़ने के कारण डूब गया। इसका निचला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे यह हादसा हुआ।किम जोंग उन ने इस घटना को आपराधिक बताते हुए कहा कि इससे देश की इमेज को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने इसके लिए वॉर-शिप को बनाने वाले इंजीनियर और डिजायनर को जिम्मेदार ठहराया। यह वॉर-शिप 70 से ज्यादा मिसाइलें ले जाने में सक्षम था। अगर यह कामयाब होता तो इससे नॉर्थ कोरिया की नौसैनिक ताकत में काफी इजाफा होता।

सभी कैबिनेट सचिव पद से इस्तीफा दें

चुनाव में अहम सीनेट सीटें हारने पर राष्ट्रपति मार्कोस का एलान

मनीला, 22 मई (एजेंसियां)। फिलिपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंस मार्कोस जूनियर ने गुरुवार को अपने सभी कैबिनेट सचिवों को पद से इस्तीफा देने को कहा है। उन्होंने इसे 'नया साहसिक कदम' बताया है। पिछले हफ्ते हुए मध्यावधि चुनावों में पक्षी उम्मीदवारों ने सीनेट की महत्वपूर्ण सीटों पर जीत हासिल कर ली थी। जिसके बाद राष्ट्रपति मार्कोस ने कैबिनेट में फेरबदल करने का एलान किया है।

मार्कोस (67 वर्षीय) 1986 में अपदस्थ किए गए फिलीपींस के पूर्व तानाशाह के बेटे हैं। उन्होंने 2022 में एक बड़े चुनावी अंतर से राष्ट्रपति पद जीता था। उन्होंने राष्ट्रीय एकता लाने की बात कही थी। यह उनकी एक चौंकाने वाली राजनीतिक वापसी थी। लेकिन उनकी उपराष्ट्रपति पद की साथी उम्मीदवार सारा दुतेर्ते भी उतनी ही लोकप्रिय थीं, बाद में वह उनसे अलग हो गईं। इस मतभेद ने देश में राजनीतिक संकट पैदा हो गया था।

अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों के समर्थन से मार्कोस चीन की बढ़ती आक्रामकता के सबसे मुखर आलोचक के रूप में उभरे, खासकर विवादित दक्षिण चीन सागर के मुद्दे पर। साथ ही वे देश के कई पुराने अंदरूनी मुद्दों से भी जूझते रहे। इनमें महंगाई, चावल की कीमत कम करने के चुनावी वादे को पूरा करने में देरी और अपहरण व अन्य अपराधों की बढ़ती घटनाएं जैसे मुद्दे शामिल थे।

सरकार की ओर से जारी बयान में मार्कोस के हवाले से कहा गया, यह सामान्य तरीके से काम करने का समय नहीं है। जनता ने अपना जनादेश दे दिया है और अब वह परिणाम चाहती है, न कि राजनीति या बहाने। हम उनकी आवाज सुन रहे हैं और हम कदम उठाएंगे। बयान में कहा गया कि हाल ही में हुए चुनावों के नतीजों के बाद राष्ट्रपति मार्कोस ने अपनी सरकार के पुनर्गठन के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए सभी कैबिनेट सचिवों से 'आदरपूर्वक इस्तीफा' देने को कहा।

सरकार ने कहा कि 'आदरपूर्वक इस्तीफों की मांग' का मकसद राष्ट्रपति को यह आजादी देना है कि वे हर मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा कर सकें और तय कर सकें कि नई प्राथमिकताओं के अनुसार कौन आगे सरकार में बना रहेगा।

मुख्य सचिव की बैठक से पहले कलक्ट्रेट परिसर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी

छह घंटे तक चला सर्च ऑपरेशन

सीकर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांशु पंत मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेने वाले थे। बैठक से ठीक एक घंटे पहले सीकर कलक्ट्रेट परिसर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी भरा मेल आने से सभी अधिकारी सकते में आ गए। यह मेल कलक्टर मुकुल शर्मा की मेल आईडी पर आई थी। कुछ ही मिनटों में एसपी भुवन भूषण यादव, एसएसपी सहित आला अधिकारी कलक्ट्रेट पहुंच गए। करीब 10.30 बजे कलक्ट्रेट को खाली करवा दिया गया और डॉग स्कवॉड सहित अन्य जांच दल मौके पर पहुंच गए। कलक्टर मुकुल शर्मा ने आनन-फानन में कलक्ट्रेट में होने वाली मुख्य सचिव की बैठक को पुलिस लाइन स्थित कन्वेंशन सेंटर में करवाने का निर्णय लिया। सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4.11 बजे तक छह घंटे से अधिक समय तक कलक्ट्रेट परिसर में पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि इस दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। आला अधिकारी और आईटी एक्सपर्ट यह जांच कर रहे हैं कि संदिग्ध मेल कहां से आया है। एसपी भुवन भूषण यादव ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से मेल करने वाले संदिग्ध व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

एसपी भुवन भूषण यादव व कलक्टर के निजी सहायक सर्वेश माथुर ने मीडिया को बताया कि करीब 9.30 बजे से 10 बजे के बीच कलक्टर मुकुल शर्मा की मेल आईडी पर मेल आया कि कलक्ट्रेट परिसर को आरडीएक्स से उड़ा दिया जाएगा। इस पर कलक्टर ने अधिकारियों, पुलिस को सूचना दी। मौके पर डॉग स्क्वॉड को तुरंत बुलाया गया। कलक्ट्रेट परिसर को 10.30 बजे खाली करवाया लिया गया। कलक्ट्रेट के अधिकारी, कार्मिकों को बाहर निकाल दिया गया। कलक्ट्रेट परिसर में पुलिस

अधिकारी, डीएसटी टीम, कोबरा टीमें लगातार सर्च अभियान चलाती रही। एसपी भुवन भूषण यादव, एडिशनल एसपी गजेंद्रसिंह जोधा, सीओ सिटी प्रशांत किरण, सीओ सुरेश शर्मा, कोतवाल सुनील जांगिड़ सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व डॉग स्क्वॉड ने कलक्ट्रेट परिसर की अच्छे से तलाशी ली। हालांकि परिसर में कहीं से भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। सभी कार्मिक व अधिकारी मुख्य रोड पर आकर पेड़ों के नीचे खड़े हो गए। उधर जिला परिषद कार्यालय, सीकर एसडीएम कार्यालय सहित आसपास के भवन भी खाली करवा लिए गए। कलक्ट्रेट भवन से सटाकर बैठने वाले अधिवक्ताओं को भी वहां से दूर किया गया। एक बार तो सभी अधिकारी, कार्मिक सकते में आ गए।

कलक्टर ने मुख्य सचिव की बैठक का स्थान बदला-

कलक्टर मुकुल शर्मा, एसपी भुवन भूषण यादव ने मुख्य सचिव की बैठक का तुरंत प्रभाव से स्थान बदल दिया। मुख्य सचिव की बैठक में आए अधिकारियों को तुरंत ही वहां से हटाया गया। कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी भरी मेल के आधा घंटे बाद ही मुख्य सचिव सीकर पहुंच गए। उन्हें सीधे पुलिस लाइन स्थित कन्वेंशन सेंटर ले जाया गया। एसपी ने जयपुर स्थित बम निरोधक दस्ते को सूचना दी।

अधिकारी व कार्मिकों के पर्स, दवा, टिफिन बैग अंद ही रह गए-

पुलिस अधिकारियों ने आनन-फानन में कलक्ट्रेट परिसर में आए कार्मिकों को तुरं बाहर निकाल दिया। कार्मिक कार्यालय की बिजली, एसी, पंखे-कूलर आदि चलते छोड़ भागे। ऐसे में कार्मिक अपना खाना, गाड़ी की चाबी, पर्स, बैग दवाई, सब कलक्ट्रेट परिसर में ही छोड़ आए। पुलिस ने एसपी ऑफिस से लेकर न्यायालय परिसर के बीच में कलक्ट्रेट भवन परिसर को सील कर दिया। हालांकि ग्रामीण क्षेत्र व नीमकथान, खंडेला, श्रीमाधोपुर, दांतारामगढ़ जैसे दूर दाराज क्षेत्रों से मुख्य सचिव को ज्ञापन देने आने लोगों, कलक्टर व एडीएम को ज्ञापन देने आए परिवादियों को भी वापस बैरंग लौटना पड़ा।

प्रशासन ने मामला दर्ज किया-

किसी ने फर्जी तरीके कलक्टर की मेल आईडी पर कलक्ट्रेट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी थी। एहतियात बरतते हुए तुरंत भवन को खाली करवाया गया और मुख्य सचिव की बैठक को पुलिस लाइन के अन्वेषण सेंटर में करवाया गया। प्रशासन की ओर से संबंधित मेल करने वाले युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

भयंकर गर्मी से जूझ रहा है राजस्थान, पिलानी में पारा 47 पार

हीटवेव का रेड अलर्ट जारी

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान इस समय भीषणतम गर्मी का सामना कर रहा है। सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दो शहरों में अधिकतम तापमान 47 डिग्री के पार चला गया जबकि तीन अन्य शहरों में यह 46 डिग्री सेल्सियस तथा रहा। प्रदेश के कई शहरों में भयानक हीट वेव्स चलीं। राजधानी जयपुर में रात को भी हीट वेव्स का असर रहा। गुरुवार को प्रदेश के 13 शहरों में जबरदस्त हीट वेव्स की चेतावनी जारी की गई है, इनमें से 3 शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, वहीं मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में गर्मी सीजन के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर देगी। बीते 24 घंटों में गंगानगर व पिलानी सबसे गर्म शहर रहे। गंगानगर में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री तथा पिलानी में 47.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं कुल 8 शहरों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री से अधिक रहा, इनमें राजधानी जयपुर में तापमान 44.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि जयपुर में अगले 2 दिन पारा और बढ़ेगा। वहीं पश्चिमी राजस्थान में अगले 4 से 5 दिन जबरदस्त हीट वेव्स चलेंगी। रात्रि के समय भी कई जिलों में पारा 30 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। सर्वाधिक न्यूनतम तापमान जयपुर में 32 व कोटा में 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान की स्थिति इस प्रकार रही। अजमेर में 43.2, भीलवाड़ा में 43.5, अलवर में 45, जयपुर में 44.8, पिलानी में 47.2, कोटा में 44, बाड़मेर में 44.9, जैसलमेर में 45.4, जोधपुर में 43.3, चूरू में 46.8, तथा बीकानेर में 46.3 व गंगानगर में 47.6 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

एएसआई भर्ती रद्द होने को लेकर मदन राठौड़ ने जताई चिंता

नागौर, 22 मई (एजेंसियां)। सेना के शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में नागौर शहर में पांच किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान भारत माता की जय के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। मुंडवा चौराहा स्थित शहीद स्मारक से शुरू हुई यह यात्रा शहीद सुगन सिंह सर्कल पर समाप्त हुई।

यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा, किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू, खींवसर विधायक रेवतराम डांगा सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर सेना के साहस को नमन किया। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द होने को

लेकर कहा कि अगर यह परीक्षा रद्द होती है तो 30 से 35 वर्ष के युवाओं के भविष्य के साथ कुठाराघात होगा। सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और युवाओं के साथ अन्याय नहीं होने देगी। हालांकि कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि है और हम उसका सम्मान करते हैं।

कंवरलाल मीणा की विधायकी पर चल रही सियासत को लेकर राठौड़ ने कहा कि यह मामला विधानसभा अध्यक्ष के विशेषाधिकार में आता है, इसमें पार्टी का कोई हस्तक्षेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट जो भी निर्णय देगा, हम उसका पूर्ण सम्मान करेंगे।

नागौर भाजपा में गुटबाजी के आरोपों को खारिज करते हुए राठौड़ ने कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है। सभी कार्यकर्ता एक लक्ष्य और सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। गुटबाजी जैसी कोई बात नहीं है।

हनुमान बेनीवाल द्वारा जयपुर में शहीद स्मारक पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौड़ ने कहा कि बेनीवाल जी को इतिहास पढ़ना चाहिए। राजस्थान के इतिहास में सिर्फ महाराजा सूरजमल नहीं थे, बल्कि वीर दुर्गादास राठौड़, पृथ्वीराज राठौड़, महाराणा प्रताप, राणा सांगा, राणा कुम्भा और अमर सिंह राठौड़ जैसे अनेक वीर हुए हैं। इतिहास से जानकारी मिलती है लेकिन बेनीवाल जी 'मेरी-तेरी' की राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, ऐसे में उन्हें समय ही कहां मिलेगा?

गर्भवती महिलाओं को मिलेगा देसी घी, पिंड खजूर व मखाने

13 हजार 347 गर्भवती महिलाओं को मिलेगा लाभ

भीलवाड़ा, 22 मई (एजेंसियां)। राज्य में मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए राज्य सरकार नई पहल शुरू करने जा रही है। राज्य सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों पर मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना शुरू करेगी जिसके तहत गर्भवती व धात्री महिलाओं को गर्भावस्था के अंतिम पांच महीनों में विशेष पोषण दिया जाएगा। योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को पिंड खजूर, देसी घी, रोस्टेड मूंगफली, रोस्टेड चना, गुड (लड्डू वाला) एवं मखाने दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना में 2 लाख 35 हजार

महिलाओं को लाभ मिलेगा। यह न्यूट्री किट यूनिसेफ की गाइड लाइन के अनुसार रहेगी। सरकार इस योजना पर 25 करोड़ रुपए खर्च करेगी। प्रत्येक महिला पर लगभग एक हजार रुपए खर्च होंगे। इसमें भीलवाड़ा जिले में 13 हजार 347 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। इससे न केवल उनकी सेहत में सुधार होगा, बल्कि बच्चे का भी शारीरिक व मानसिक विकास हो सकेगा। न्यूट्री किट में प्रोटीन, विटामिन, आयरन और कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ हैं। इससे महिलाओं का खून बढेगा साथ ही प्रजनन शक्ति भी बढेग़ी।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर मध्यम व निम्न वर्ग की गर्भवती महिलाएं पंजीकृत होती हैं। फिलहाल इनको महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से केवल पोषाहार ही दिया जाता है। अब अतिरिक्त पोषाहार दिए जाने से केंद्र पर इन महिलाओं की संख्या भी बढेगी और इनको पूरक पोषाहार से खून की कमी सहित अन्य परेशानियां भी दूर होंगी। मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना का लाभ आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत महिलाओं को ही दिया जाएगा।

कुपोषण की समस्या होगी दूर

राज्य सरकार की ओर से गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और कुपोषण की समस्या को दूर करने में भी यह योजना कारगर साबित होगी। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत इसे शुरू किया जा रहा है। इसके लिए वित्तीय स्वीकृति भी जारी हो चुकी है।

सेफ्टी टैंक की सफाई करने उतरे 3 श्रमिकों की दम घुटने से मौत

बीकानेर, 22 मई (एजेंसियां)। बीकानेर। शहर के करणीनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक ऊन फैक्ट्री में बने सेफ्टी टैंक की सफाई करने उतरे तीन श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि एक श्रमिक बेहोश हो गया। हादसा गुरुवार सुबह करीब पौने 11 बजे हुआ। मौके पर मौजूद फैक्ट्री में काम करने वाले कामगार तीनों श्रमिकों को निकाल कर पीबीएम अस्पताल लेकर आए, जहां पर चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। हादसे का पता चलने पर नगर निगम के उपायुक्त यशपाल आहूजा व अन्य अधिकारी एवं मुक्ताप्रसाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के अनुसार शिवबाड़ी हरिजन बस्ती निवासी अनिल कुमार चांगरा (36) पुत्र कैलाशचन्द, बांद्राबास निवासी गणेश (28) पुत्र देवाराम एवं शिवबाड़ी निवासी सागरराज लखन (30) पुत्र धनराज लखन एवं ओमप्रकाश गुरुवार सुबह करणीनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित भवानी वूलन मील (राम राम-सा फैक्ट्री) में सेफ्टी टैंक की सफाई करने गए थे।

सुबह करीब साढ़े दस व पौने ग्यारह बजे जैसे ही चारों श्रमिक टैंक में उतरे तो एक के बाद एक चारों बेहोश गए। तब वहां मौजूद फैक्ट्री में काम करने वाले कामगारों ने उन्हें निकाला और पीबीएम अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

बिना सुरक्षा उपकरण उतार टैंक में, गैस से हो गई मौत

परिजनों व अन्य मजदूरों का कहना है कि सेफ्टी टैंक की सफाई करने के दौरान फैक्ट्री मालिक की ओर से कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे। श्रमिक बिना सुरक्षा उपकरणों के टैंक में उतर गए। पुलिस ने शवों को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए हैं। घटना का पता चलने पर श्रमिकों के परिजन-रिश्तेदार एवं समाज के लोग ट्रोमा सेंटर में एकत्रित हो गए।

हत्या के आरोपियों की निकाली परेड, एक लाठी के सहारे तो दूसरा बैठ-बैठकर चला

कोटा, 22 मई (एजेंसियां)। कोटा जिले के कनवास कस्बे में तीन दिन पूर्व युवक की चाकू मारकर की गई हत्या के मामले में देवली मांझी थाना पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को पुलिस ने आरोपियों की शिनाख्त परेड निकाली ।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि तीन दिन पूर्व रविवार को संदीप शर्मा उर्फ सालिगराम पुत्र लालचंद निवासी माधोपुर की चाकू और सरियों से हत्या कर दी थी। हत्या के आरोप में पुलिस ने अतीक उर्फ आदिल पुत्र अब्दुल नईम कुरैशी (23) निवासी कनवास व दीपक उर्फ दीपू ढोली पुत्र देवकरण राव (20) को गिरफ्तार कर लिया है।

बाल कटवाकर छुपा रहे थे पहचान

उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक के पिता लालचंद पुत्र कालूलाल निवासी माधोपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसका प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान देवली मांझी थानाधिकारी सुरेश मीणा के सुपुर्द किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। गठित विशेष टीमों ने संभावित स्थानों पर दबिश दी। दोनों पुलिस से बचने के लिए बाल कटवाकर पहचान छुपा रहे थे। जिस पर टीमों ने मुखबिर की सूचना पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं हत्या में प्रयुक्त हथियार चाकू व सरिया की बरामदगी हेतु अनुसंधान किया जा रहा है।

हत्या के बाद बवाल

हत्या के बाद कनवास में बवाल हो गया था। लोगों ने आरोपी की दुकान व घरों में आग लगा दी थी। उग्र भीड़ ने मांगों को लेकर 22 घंटे तक जाम लगाया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जिला कलक्टर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारी कस्बे में पहुंचे थे और मृतक के परिजनों व ग्रामीणों से समझाइश कर मामला निपटाया था।

प्रतिनिधि मंडल सीएम से मिला

अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चंद शर्मा, महामंत्री सीताराम शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कनवास के संदीप शर्मा हत्याकांड के मामले में विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष सुरेश शर्मा ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने हत्यारों को कड़ी सजा, आरोपियों के अवैध कामों को तुरंत बंद करने, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी तथा मुख्यमंत्री सहायता कोष से आर्थिक मदद देने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने से मौत

अलवर, 22 मई (एजेंसियां)। अलवर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र स्थित खुदनपुरी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। रविवार रात अपने ससुराल से लौटे 24 वर्षीय लोकेश कुमार जाटव ने कथित रूप से मजाक में पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसको सामान्य चिकित्सालय ले जाया गया, लेकिन अंततः उसकी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने उसे पहले सामान्य चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर किसी ओर निजी अस्पताल में रेफर किया गया। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लोकेश की शादी पांच वर्ष पूर्व हुई थी और उसकी ढाई साल की एक बेटी भी है। वार्ड पार्षद रिंकू सिंह के अनुसार मौत मजाक में हुए हादसे की वजह से हुई या कोई अन्य कारण था, इस पर अभी भी सवाल बने हुए हैं। पुलिस को भी इस मामले में गम्भीरता से जांच करनी चाहिए, ताकि असलियत सामने आ सके।

2 बिजनेसमैन बेटों और मां की मौत

हंसी-ख़ुशी खाटूश्याम दर्शन करने जा रहा था परिवार

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मनोहरपुर दौसा नेशनल हाईवे पर रतनपुरा के समीप छांदोलाई मोड़ के पास मनोहरपुर से दौसा की ओर जा रहे ट्रक का टायर तेज गर्मी से फट गया। इससे ट्रक ने असंतुलित होकर कार के टक्कर मार दी। जिससे कार सवार मां और दो बेटों की मौके पर मौत हो गई। वहीं मृतक की पत्नी, 4 वर्षीय पुत्र व एक अन्य घायल हो गया।

टायर फटने के बाद ट्रक करीब 50 मीटर तक हाईवे पर असंतुलित होकर दौड़ता रहा। इसी दौरान सामने से आ रही कार के ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार राहुल (36) व पारूल धोबी (32) पुत्र छोटेलाल धोबी व मां रामलली (52) पत्नी छोटेलाल धोबी निवासी हरदोईया थाना नगरम जिला लखनऊ यूपी की मौके पर मौत हो गई। हादसे में कार में सवार मृतक राहुल की पत्नी बिंदिया (29), चार वर्षीय पुत्र सात्विक उर्फ कान्हा व रमेश

रजत (27) निवासी ग्राम उदेपुर तहसील मोहन लालगंज थाना निगाह लखनऊ घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर मौके पर ग्रामीण पहुंचे। ग्रामीणों ने रॉड से कार के दरवाजे का लॉक तोड़ कर कार में फंसे चालक पारूल को बाहर निकाला। कार सवार एक ही परिवार के सभी लोग खाटूश्याम मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। मृतक पारूल व राहुल दोनों बिजनेसमैन थे। टक्कर के बाद ट्रक भी हाईवे के पास बनी खाई के समीप पलट गया।

मनोहरपुर दौसा हाईवे पर हादसों का मुख्य कारण तेज रफ्तार व ओवरटेक है। सरकार ने दो लेन के मनोहरपुर दौसा हाईवे-148 को नेशनल हाईवे का दर्जा तो दे दिया, लेकिन वाहनों के बढ़ते आवागमन के बावजूद इस पर ना तो डिवाइडर बनाए गए और ना ही इसे फोरलेन बनाया गया। टू लेन हाईवे पर 20 ऐसे तीव्र घुमाव हैं जहां हादसे होते हैं। हाईवे के बीच में डिवाइडर नहीं होने से ओवरटेक करते समय वाहनों में आमने-सामने की भिड़ंत हो जाती है। मनोहरपुर दौसा नेशनल हाईवे पर पिछले 16 माह में 62 किमी की दूरी में 235 हादसों में 51 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं करीब 193 लोग घायल हुए हैं। पिछले माह 13 अप्रेल को हुए हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत होने से तीन पीढ़ियां खत्म हो गई थी।

दुर्घटनाग्रस्त ट्रक के सभी टायर खराब थे। तेज गर्मी की वजह से आगे का टायर फट गया। जिसके बाद करीब 50 मीटर तक ट्रक असंतुलित होकर हाईवे पर चलने से कार से टकरा गया। घटनास्थल का मौका मुआयना किया है।

फिल्मी अंदाज में रची धोखाधड़ी

12 टन तेल बेचकर टैंकर नाले में पलटाया, दो आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, 22 मई (एजेंसियां)। जिले में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के तहत थाना कल्याणपुर पुलिस व डीएसटी ने बड़ी सफलता हासिल की है। अमानत में खयानत के एक संगीन मामले में पुलिस ने करीब 12 टन सोयाबीन रिफाइंड तेल बरामद कर दो मुख्य आरोपियों टैंकर चालक लिखमाराम एवं टैंकर मालिक हेमाराम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की सक्रियता और गहन अनुसंधान से यह मामला उजागर हुआ है, जिसमें तेल की हेराफेरी को छुपाने के लिए आरोपियों ने गंदे नाले में जान-बूझकर टैंकर पलटाकर झूठा एक्सीडेंट दिखाने की साजिश रची थी। थाना कल्याणपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सरहद अराबा दुदावतान के पास नेशनल हाईवे के किनारे एक गंदे पानी के नाले में एक तेल टैंकर पलटा हुआ पाया गया था। प्रारंभिक तौर पर इसे एक सड़क दुर्घटना का मामला माना गया। परंतु जब तेल के मालिक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि टैंकर में भरा लगभग 12 टन सोयाबीन रिफाइंड तेल गायब है, तो पुलिस को संदेह हुआ कि मामला सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि योजनाबद्ध धोखाधड़ी का है।

डंपर से 678 किलो डोडा चूरा बरामद

नारकोटिक्स का हवलदार घायल

चित्तौड़गढ़, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने चित्तौड़गढ़ जिले में कोटा फोरलेन पर घोसुंडी के निकट मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। डंपर में फर्श के नीचे छिपा कर (गुप्त चैंबर बना) ले जाया जा रहा छह क्विंटल से ज्यादा डोडा चूरा पकड़ा है। इस मामले में चालक ने नारकोटिक्स के वाहन को टक्कर मारी तथा चलते हुए डंपर से कूदकर फरार हो गया। इसमें नारकोटिक्स का एक हवलदार घायल हो गया। नारकोटिक्स ने डोडा चूरा और डंपर जब्त कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा नरेश बुन्देल ने बताया की सीबीएन को एक विशेष सूचना मिली कि गुजरात रजिस्ट्रेशन नंबर का एक टाटा डंपर कनेरा घाटा क्षेत्र से मारवाड़ की ओर भारी मात्रा में अवैध डोडा चूरा लेकर जाने वाला है। इस गुप्त सूचना पर (सीबीएन) ने चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित कर रवाना किया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रख कर वाहन की पहचान की। इसके बाद टाटा डम्पर को कोटा-चित्तौडगढ़ राजमार्ग पर बस्सी गांव के पास रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने डंपर नहीं रोका। नारकोटिक्स की टीम को देख कर डंपर की गति बढ़ा कर सरकारी वाहन एवं प्रिवेंटिव पार्टी को टक्कर मारने का प्रयास किया। उन्होंने बताया की सीबीएन के अधिकारियों ने डंपर का पीछा किया तथा कोटा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर घोसुण्डी गांव के पास इसे रोक लिया। डम्पर का चालक चलते डम्पर से कूदकर भाग गया।

इस कार्रवाई के दौरान एक हवलदार को चोटें आई हैं। नारकोटिक्स की टीम ने डंपर की तलाशी ली। डंपर के अंदर विशेष रूप से बनाए गए गड्ढे में छिपाकर रखे 678.750 किलोग्राम वजन के कुल 38 प्लास्टिक बैग अवैध डोडा चूरा के बरामद किए हैं। कानूनी औपचारिकताओं को पूरी करने के बाद नारकोटिक्स ने बरामद अवैध डोडा चूरा को टाटा डंपर के साथ जब्त कर लिया।

हनी ट्रैप में अपहरण और फिरौती वसूलने वाले गैंग का पर्दाफाश

तीन आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के वल्लभनगर थाना इलाके में कुंवारे और अकेले पुरुषों को महिला के जाल में फंसाकर अपहरण, मारपीट और फिरौती की वारदातों को अंजाम देनें वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। 18 मई को करणपुर निवासी गोपीलाल गुर्जर नें मामला दर्ज करवाया कि उसे बीते कुछ दिनों से एक महिला फोन कर रही थी, जिसने 15 मई को उसे वल्लभनगर बुलाया। महिला से मुलाक़ात के बाद जब वह बरकटों की मगरी होते हुए लौट रहा था, तब दो मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने उसे रोककर मारपीट करते हुए पहले तो मोबाइल और बाइक छीन ली फिर उसे जान से मारने व बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगे। विरोध करने पर बदमाशों नें उसे जबरन आवरी माता मंदिर के पास एक धर्मशाला में ले जाकर बंधक बना लिया गया। फिर पांच लाख रुपये की फिरौती मांगनें लगे।

पास्को मामले में आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर पुलिस ने पास्को मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें बालानगर निवासी पीड़िता के पिता से शिकायत मिली है। उन्होंने बताया कि उनके दो बच्चे एक 17 साल का और एक 11 साल की पीड़िता लड़की है। अप्रैल 2023 में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान, उसकी मुलाकात बालानगर के विनायक नगर निवासी 23 वर्षीय आरोपी रॉबिन्सन डी. कॉर्नेल उर्फ लकी से हुई। जब वह बाहर खेल रही थी, तो रॉबिन्सन ने उसकी तारीफ करना शुरू कर दिया और साथ में बाहर जाने की योजना पर चर्चा की। उसने एक पड़ोसी का इस्तेमाल करके संदेश भेजे और उनके बीच फोन कॉल की सुविधा दी। उसने उसे भागकर छुट्टियां मनाने के लिए मना लिया। 22 मई, 2023 को रात 8 बजे आरोपी पीड़िता से मिलने आया और उसे नकदी, कपड़े और अपनी माँ का फोन लेकर रात 1 बजे घर से निकलने के लिए कहा। उसके निर्देशों का पालन करते हुए, उसने अपना स्कूल बैग पैक किया, अपनी माँ के बक्से से 30 हजार रुपये निकाले और तय समय पर निकल गई। रात 2 बजे, रॉबिन्सन ने उसे मैसेज किया, उसे बहला-फुसलाकर बाहर निकाला और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन ले गया, जहां वे विशाखापट्टनम जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। रॉबिन्सन उसे एक परिचित के घर ले गया, उसे दो दिनों तक बंधक बनाकर रखा और दो बार उसके साथ बलात्कार किया, जिससे उसे शारीरिक चोटें आईं और खून बहने लगा। 29 मई, 2023 को वे ट्रेन से सिकंदराबाद लौटे और वहां से भाग गए। पीड़िता ने एक अजनबी का फोन लिया और अपने पिता को फोन किया, जिन्होंने तुरंत उसे बचाया और बाद में पुलिस को घटना की सूचना दी। के. सुरेश कुमार, डीसीपी बालानगर जोन, सत्यनारायण, एडिशनल डीसीपी, बालानगर जोन और पी. नरेश रेड्डी, एसीपी, बालानगर डिवीजन के मार्गदर्शन में, मामले की जांच के लिए बालानगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर टी. नरसिम्हा राजू द्वारा एक टीम का गठन किया गया। आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों की सावधानीपूर्वक सीडीआर विश्लेषण के माध्यम से, दो साल बाद टीम ने 21 मई, 2025 की शाम को संदिग्ध को ट्रैक किया। आरोपी को सिकंदराबाद इलाके के एक अस्पताल में अपनी दादी से मिलने के दौरान पकड़ा गया।

शादी का झांसा देकर एक व्यक्ति पर महिला को धोखा देने का केस

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्मनगर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ शादी का झांसा देकर एक महिला का यौन उत्पीड़न करने और उसे गर्भवती करने का मामला दर्ज किया है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल अर्चित पी (28) नामक व्यक्ति एक साल पहले पीड़िता के संपर्क में आया था और दोनों एक-दूसरे के करीब रहने लगे थे।

अर्चित ने कथित तौर पर महिला से कहा कि वह जल्द ही उससे शादी करेगा। फरवरी में महिला गर्भवती हो गई और अर्चित उसे गर्भपात के लिए अस्पताल ले गया। महिला ने बाद में पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई कि व्यक्ति ने शादी का झांसा देकर उसे धोखा दिया है। हालांकि, पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर भेज दिया। मई के मध्य में महिला ने फिर पुलिस से संपर्क किया और आरोप लगाया कि अर्पित ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया।

चुनाव आयोग ने तीन महीनों में 18 प्रमुख चुनावी सुधार लागू किए : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली/हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घोषणा की कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाताओं तक पहुंच ने में सुधार, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए पिछले तीन महीनों में 18 महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं।

कुमार ने कहा, ये सुधार मतदाता-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल चुनावी प्रणाली के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रमुख पहलों में मतदान केंद्र की सीमा : भीड़भाड़ को कम करने के लिए प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या 1,200 तक सीमित की गई। शहरी पहुंच : ऊंची इमारतों और बड़ी कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र, मतदाता सूची की सटीकता : सत्यापन के बाद वास्तविक समय में अपडेट के लिए भारत के महापंजीयक से मृत्यु पंजीकरण डेटा का सीधा एकीकरण, एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म : ईसीआईएनईटी की शुरूआत, 40 से ज़्यादा ऐप और वेबसाइट की जगह एक ही डैशबोर्ड, ईपीआईसी सुधार : एक अद्वितीय पहचान प्रणाली के साथ डुप्लिकेट इलेक्टोरल फोटो पहचान पत्र संख्याओं का समाधान शामिल है। मतदाता पर्ची का नया स्वरूप : सीरियल और पार्ट नंबर ज़्यादा प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। इसी क्रम में प्रशासनिक दक्षता : कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति और ई-ऑफ़िस की शुरूआत, ईसीआई ने देश भर में 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की हैं, जिसमें 28,000 से ज़्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। एएपी, बीजेपी, बीएसपी, सीपीआई (एम) और एनपीपी नेताओं के साथ अलग-अलग परामर्श किए गए। बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी में आईआईआईडीईएम में बूथ लेवल एजेंट प्रशिक्षण ले रहे हैं। ईसीआईएनईटी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (1950 और 1951) के तहत पहचाने गए 28 हितधारक समूहों का भी समर्थन करता है, जिसके लिए अनुकूलित प्रशिक्षण सामग्री विकसित की जा रही है। मानव संसाधन को मज़बूत करने के लिए, बीएलओ को मानकीकृत फोटो पहचान पत्र प्राप्त होंगे।

3,000 से ज़्यादा बूथ लेवल सुपरवाइज़र को प्रशिक्षित किया गया है, और 100,000 और सुपरवाइज़र को प्रशिक्षित करने की योजना है। 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य और मीडिया नोडल अधिकारियों और बिहार के पुलिस अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन सेशन आयोजित किए गए। कुमार ने कहा, ये सुधार आधुनिक, समावेशी और जवाबदेह चुनावी प्रक्रिया की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

पूर्ववर्ती आदिलाबाद के कुछ हिस्सों में देखी गई हल्की से मध्यम बारिश

आदिलाबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कुछ हिस्सों में बुधवार रात हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे खरीद केंद्रों में रखे धान के किसानों के अनाज भीग गए। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी की वेबसाइट पर मौसम रिपोर्ट के अनुसार, मंचेरियल जिले में औसत बारिश 36.2 मिमी दर्ज की गई। मंचेरियल मंडल में सबसे ज़्यादा 64.6 मिमी बारिश हुई, उसके बाद नासपुर मंडल में 52.6 मिमी बारिश हुई। चेन्नूर, दांडेपल्ली, हाजीपुर, जन्नारम, कोटापल्ली और कासिपेट मंडलों में 30 मिमी से लेकर 50 मिमी तक बारिश दर्ज की गई।

निर्मल जिले में 35.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। सोन मंडल में सबसे अधिक 71.4 मिमी बारिश हुई, जबकि कददमपेदुर और लक्ष्मणचंदा मंडल में क्रमशः 65.7 मिमी और 65.4 मिमी बारिश हुई। मुधोल, दिलावरपुर, लोकेश्वरम, निर्मल, ममदा, निर्मल ग्रामीण, पेम्बी और खानापुर मंडल में 30 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। जैनाद, गुडीहथनूर, नारनूर, तलमदुगु, इचोदा और उत्नूर मंडल में 20 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई।

इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले की औसत वर्षा 28.2 मिमी मापी गई। सिरपुर (यू) मंडल में सबसे अधिक 56 मिमी बारिश हुई, जबकि सिरपुर (टी) और जैनूर मंडल में 50 मिमी से अधिक बारिश हुई। आदिलाबाद जिले की औसत वर्षा 16.7 मिमी थी। बजरहथनूर मंडल में सबसे अधिक 37.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। बेमौसम बारिश के कारण मंचेरियल और निर्मल जिले के विभिन्न हिस्सों में खरीद केंद्रों पर रखे धान के दाने भीग गए, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। प्रभावित किसानों ने सरकार से अनाज खरीदने और तत्काल राहत देने की मांग करते हुए रास्ता रोको आंदोलन किया।

राजीव युवा विकासम से 5 लाख बेरोजगार युवाओं को लाभ मिलेगा : भट्टी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जोर देकर कहा है कि राज्य सरकार ने 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस पर राजीव युवा विकासम स्वरोजगार योजना के तहत 5 लाख बेरोजगार युवाओं को स्वीकृति पत्र वितरित करने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने बैंकरों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया। भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को यहां राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिक्षित और कुशल मानव संसाधनों का उपयोग न होना समाज के लिए एक बड़ा नुकसान है और उन्होंने उनकी बुद्धि को उत्पादक क्षेत्रों में लगाने के महत्व पर बल दिया, जिससे राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश के किसी अन्य राज्य ने कभी इस तरह की योजना शुरू नहीं की है, जो 5 लाख युवाओं को 9,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसमें से 6,250 करोड़ रुपये सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने संरचना में एक महत्वपूर्ण बदलाव का उल्लेख किया, जहां पहले 70:30 (ऋण: सब्सिडी) अनुपात में ऋण वितरित किए जाते थे, अब इसे उलट दिया गया है, जिसमें सब्सिडी का हिस्सा बड़ा है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य की 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक ऋण योजना के तहत, बैंकों को इस योजना के लिए केवल 0.27 आवंटित करने की आवश्यकता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे सरकार छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के साथ समर्थन दे रही है, जिससे एक कुशल और शिक्षित कार्यबल तैयार करने में मदद मिल रही है। भट्टी विक्रमार्क ने अनुरोध किया कि एसएलबीसी सभी बैंकों में समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त करे, साथ ही क्षेत्र स्तर पर उचित निगरानी भी करे। उन्होंने बताया कि सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक कौशल विश्वविद्यालय और उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित कर रही है। उन्होंने स्कूल से विश्वविद्यालय स्तर तक फीस प्रतिपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसका उद्देश्य एक सुशिक्षित मानव पूंजी पूल प्रदान करना है। उपमुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि कृषि सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने बागवानी फसलों के महत्व और तेल ताड़ की खेती को बढ़ावा देने की सरकार की पहल पर जोर दिया, इसे एक ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। उन्होंने बैंकों से तेल ताड़ की खेती के लिए ऋण स्वीकृत करने में उदारता बरतने का आग्रह किया।

ड्रग तस्करी के आरोप में ब्रिटेन से लौटे दो लोगों को किया गया गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यूनाइटेड किंगडम से पढ़ाई करने वाले और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो व्यक्तियों को निषेध एवं आबकारी विभाग ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए वरुण और प्रभु चैतन्य अपने सहयोगी किरण के साथ बेंगलुरू में एक नाइजीरियाई नागरिक से एमडीएमए और ओजी कुश ला रहे थे और इसे शहर में स्थानीय लोगों को बेच रहे थे। पुलिस के अनुसार, वरुण और प्रभु ने ब्रिटेन में उच्च शिक्षा प्राप्त की और बेंगलुरू तथा देश के अन्य भागों के कुछ लोगों से दोस्ती की। भारत लौटने के बाद, वे बेंगलुरू गए और एक नाइजीरियाई नागरिक से मिले, जिसने उन्हें नशीले पदार्थों के व्यापार में फंसाया और उन्हें ड्रग्स की आपूर्ति की।

किरण के साथ मिलकर संदिग्धों ने शहर में एक नेटवर्क स्थापित किया और स्थानीय ग्राहकों को ड्रग्स की आपूर्ति कर रहे थे। एक गुप्त सूचना के आधार पर मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग की प्रवर्तन टीम ने वरुण, प्रभु और किरण को पकड़ लिया और उनके पास से 2.58 ग्राम एमडीएमए, 38.56 ग्राम ओजी कुश गांजा, एक बाइक और तीन मोबाइल फोन जब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि वरुण के तीन साथी फरार हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पूर्व क्रिकेटर को गिरफ्तार

टीजी मुख्यमंत्री का ओएसडी बताकर लोगों को ठग रहा था

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में प्रतिरूपण करने और व्यापारियों और उद्योगपतियों को वित्तीय सहायता मांगने के लिए ईमेल और संदेश भेजने के आरोप में आंध्र प्रदेश से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध, बी नागराजू (32), आंध्र प्रदेश का पूर्व राज्य स्तरीय क्रिकेट खिलाड़ी है, जो आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम का मूल निवासी है।

साइबर अपराध अधिकारियों ने कहा कि नागराजू ने मुख्यमंत्री के ओएसडी के नाम से एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई और व्यापारियों, उद्यमियों और उद्योगपतियों को वित्तीय सहायता मांगने वाले धोखाधड़ी वाले ईमेल भेजे। वह तेलंगाना में 13 और आंध्र प्रदेश में 16 ऐसे ही मामलों में शामिल है। इसके अलावा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी लंबित है। मुख्यमंत्री के ओएसडी की शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर नागराजू को गिरफ्तार कर लिया।

अगले 24 घंटों में तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश, गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद ने गुरुवार को कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निजामाबाद और जगतियाल जिलों के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया। पूर्वानुमान में कहा गया है कि लगभग सभी जिलों में व्यापक भारी बारिश होने की भी संभावना है। अनुमानित बारिश के परिणामस्वरूप, 23 से 26 मई के बीच हैदराबाद और जिलों में अन्य जगहों पर अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से कम रहेगा। मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि 29 मई तक आंधी-तूफान, बिजली और तेज हवाएं जारी रहेंगी।

पीएनबी द्वारा ग्राहक सेवा एवं राजभाषा अनुपालन विषय पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय, सिकंदराबाद द्वारा 22 मई को आई टी टूल्स के उपयोग, 'ग्राहक सेवा एवं राजभाषा अनुपालन' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन में मंडल प्रमुख सुजीत कुमार झा ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक भारत सरकार की राजभाषा नीतियों को पूरी प्रतिबद्धता से क्रियान्वित करता है। आई टी टूल्स के उपयोग, ग्राहक सेवा एवं राजभाषा अनुपालन जैसे विषय पर आज की कार्यशाला राजभाषा कार्यान्वयन के साथ-साथ हिंदी भाषा को कार्यालयीन कार्यों के अनुपालन की दिशा में सार्थक पहल है। उन्होंने ग्राहक सेवा में राजभाषा एवं क्षेत्रीय भाषा के प्रयोग पर जोर दिया। इस कार्यशाला का मुख्य उदेश्य स्टाफ सदस्यों को जागरूक करना और राजभाषा हिन्दी को प्रभावी रूप से अनुपालन करना भी है।

विशिष्ट वक्ता के रूप में पीएनबी, अंचल कार्यालय से मुख्य प्रबंधक डॉ. साकेत सहाय ने राष्ट्र के सशक्तिकरण में भाषा का योगदान एवं समाज निर्माण में भाषाओं की भूमिका पर अपने विचारों से उपस्थितों को लाभान्वित किया। डॉ. साकेत सहाय ने राजभाषा से जुड़े विभिन्न आई टी टूल्स जैसे अनुवादिनी, कंठस्थ, भाषिणी, यूनिकोड, वॉइस टाइपिंग, चुटकी, हिन्दी शब्द सिंधु, लीला प्रवाह के बारे में समझने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उपमंडल प्रमुख खालिद अहमद एवं मुख्य प्रबंधक गण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस को भव्य तरीके से मनाने का निर्देश दिया

मुख्य सचिव ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों को दो जून को राज्य स्थापना दिवस को भव्य तरीके से मनाने का निर्देश दिया है। सरकार के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने इन समारोहों की व्यवस्था का प्रभार संभाला है। रामकृष्ण राव ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

गुरुवार को बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस समारोह सिकंदराबाद के परेड मैदान में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सबसे पहले गन पार्क का दौरा करेंगे और परेड ग्राउंड समारोह में भाग लेने से पहले तेलंगाना शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने परेड ग्राउंड में की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। यह सुझाव दिया गया कि इन समारोहों की व्यवस्थाओं के समन्वय के लिए प्रत्येक विभाग से एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए कि वे गणमान्य व्यक्तियों के आने-जाने वाले मार्गों पर आवश्यक प्रबंध करें, विशेषकर पार्किंग की व्यवस्था करें ताकि परेड ग्राउंड में आने वाले वाहनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यातायात रूट मैप तैयार करें तथा यातायात में व्यवधान से बचने के लिए समुचित सावधानियां बरतें। आरएंडबी विभाग को बारिश को ध्यान में रखते हुए वाटरप्रूफ शामियाना, बैरिकेड्स और साइनेज लगाने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को विधानसभा परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य करने तथा पेयजल सुविधा स्थापित करने के निर्देश दिए गए। सरकार के मुख्य सचिव ने संस्कृति विभाग को उत्सवी माहौल बनाने के लिए कलाकारों के साथ प्रदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जनरेटर बैकअप स्थापित करने का निर्देश दिया गया। सूचना आयुक्त को राज्य स्थापना दिवस समारोह का व्यापक प्रचार करने के लिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी विभागों के अधिकारी समन्वय से काम करें और कार्यक्रम को भव्य तरीके से आयोजित करें। बैठक में डीजीपी जितेंद्र, सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव रवि गुप्ता, राजस्व विभाग के प्रधान सचिव नवीन मित्तल, जीएचएमसी आयुक्त कर्णन, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त हरीश, जल बोर्ड के एमडी अशोक रेड्डी, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. इस बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री आनंद, अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी ने ...

सीएम पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से देश का सेवा दायित्व संभाला है, तब से सेना से लेकर आम आदमी तक की सुविधा, सज्जता एवं स्वास्थ्य सुविधा के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने विशिष्ट विजन तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ रेलवे के कायाकल्प, स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधा के नूतन आयाम शुरू किए हैं।

अमृत स्टेशन योजना अंतर्गत गुजरात के जिन 18 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य पूरा हुआ है और जिनका प्रधानमंत्री ने वर्चुअल लोकार्पण किया है, उनमें शिहोर जंक्शन, उतराण, डाकोर, डेरोल, हापा, जामजोधपुर, जामवंथली, कानालुस जंक्शन, करमसद, कोसंबा जंक्शन, लींबडी, महुवा, मीठापुर, मोरबी, ओखा, पालीताणा, राजूला जंक्शन तथा सामख्या स्टेशन शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि यदि लोगों की अच्छी सेवा करने की इच्छा शक्ति और विकास की राजनीति की प्रतिबद्धता हो, तो सुशासन द्वारा रेलवे सेवाओं में कैसे क्रांतिकारी परिवर्तन लाए जा सकते हैं।

समारोह में उपस्थित सुरेन्द्रनगर के सांसद श्री चंदूभाई शिहोरा ने प्रासंगिक संबोधन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशादर्शन में अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना अंतर्गत पुराने रेलवे स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है। रेलवे में भी अलग-अलग आधुनिक सुविधाएं एवं नवीन टेक्नोलॉजी से युक्त ट्रेनें विकसित की जा रही हैं। वंदे भारत ट्रेनें इसका उत्तम उदाहरण हैं। देश में सबसे अधिक यात्रा रेलवे द्वारा होती है, तब लोगों को यात्रा के दौरान असुविधा न हो, इसका सरकार द्वारा ध्यान रखा जा रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित सभी ने राजस्थान के बीकानेर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत पुनर्विकसित 103 रेलवे स्टेशनों के लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण रुचिपूर्वक देखा। मुख्यमंत्री ने लींबडी रेलवे स्टेशन में विकसित अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण कर स्टेशन के विषय में जानकारी भी प्राप्त की।

'हमारी सेना पाक ...

तीसरा, हम आतंक के आकाओं और आतंक की सरपरस्त सरकार को अलग-अलग नहीं देखेंगे। उन्हें एक ही मानेंगे। पाकिस्तान भारत से कभी सीधी लड़ाई नहीं जीत सकता। इसलिए आतंकवाद को भारत के खिलाफ हथियार बनाया है। पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लहू गर्म है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है।

हर आतंकी हमले की कीमत पाकिस्तान चुकाएगा :

भारत ने साफ कर दिया है कि हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह कीमत पाकिस्तान की सेना और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चुकाएगी। पाकिस्तान से बात होगी तो सिर्फ पीओके और आतंकवाद पर। भारतीयों के खून से खेलना पाकिस्तान को महंगा पड़ेगा, ये भारत का संकल्प है। दुनिया की कोई ताकत हमें इस संकल्प से डिगा नहीं सकती है।

वक्फ संशोधन कानून ...

इस समय याचिकाकर्ताओं ने तीन अहम मुद्दों पर अंतरिम राहत की मांग की है :

> इनमें से एक मुद्दा न्यायालय द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति से संबंधित था।

> राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना, जिसमें याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुस्लिमों को ही नियुक्त किया जाना चाहिए।

> अंतिम मुद्दा यह है कि जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करेगा कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

25 अप्रैल को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम, 2025 के पक्ष में 1,332 पृष्ठों का प्रारंभिक हलफनामा दाखिल किया था और अदालत से इस कानून पर "पूर्ण रोक" लगाने से इनकार करने का अनुरोध किया था। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की 5 अप्रैल को मंजूरी मिलने के बाद अप्रैल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया। यह विधेयक लोकसभा में 288 सदस्यों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 232 सांसदों ने इसका विरोध किया। राज्यसभा में 128 सदस्य इसके पक्ष में और 95 इसके खिलाफ थे।

सुप्रीम कोर्ट बोला ...

आप व्यक्तियों के खिलाफ तो आपराधिक मामला दर्ज कर सकते हैं, लेकिन निगम के खिलाफ नहीं। आपकी ईडी सारी हदें पार कर रही है। टीएएसएमएसी की ओर से पेश वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि ईडी अधिकारियों के फोन की क्लोन कॉपी ले ली है। इससे उनकी निजता का उल्लंघन हो रहा है। सिब्बल ने कहा कि कोर्ट को ईडी को फोन और डिवाइस से लिए गए डेटा का इस्तेमाल करने से रोकना चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा- कोर्ट ने पहले ही अंतरिम राहत दे दी है और आगे कोई निर्देश नहीं दे सकता।

एएसजी ने दावा किया कि यह एक हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला है। इस पर सीजेआई ने कहा कि राज्य पहले ही कार्रवाई कर रहा है। ईडी को अनावश्यक रूप से क्यों जांच करनी चाहिए, प्राइमरी क्राइम कहां है? इस पर एएसजी ने कहा कि एक बड़ी धोखाधड़ी में नेताओं को बचाया जा रहा है। इस पर सीजेआई ने कहा कि ईडी सभी सीमाएं पार कर रही है और देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान

वैभव सूर्यवंशी को मौका, आयुष म्हात्रे को कप्तानी सौपीं गई

मुंबई, 22 (एजेंसियां)। इस बात की तो उम्मीद है ही कि शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत जैसे बड़े नाम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलते दिखेंगे. लेकिन, इस बीच खबर वैभव सूर्यवंशी को लेकर भी है, वो भी इंग्लैंड जा रहे हैं. बीसीसीआई की जूनियर सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया की अंडर-19 टीम का ऐलान कर दिया है. 16 सदस्यीय उस टीम में एक नाम वैभव सूर्यवंशी का है.

अब इंग्लैंड फतेह की तैयारी, बोले वैभव सूर्यवंशी

इंडिया अंडर 19 के 16 सदस्यीय टीम की कमान आयुष म्हात्रे के हाथों में है. आयुष और वैभव दोनों ही आईपीएल 2025 में ना सिर्फ खेले हैं बल्कि छाए भी रहे हैं. आईपीएल में धूम मचाने के बाद अब इनकी नजर अंडर 19 क्रिकेट में भारत की खातिर इंग्लैंड में फतेह हासिल करने की है. इस बारे में खुद ही वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया है.

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का सफर थमने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने राहुल द्रविड़ के साथ बातचीत की, जिसका वीडियो वायरल हुआ. उसी में बातचीत के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने द्रविड़ को अपना आगे का प्लान बताया. उन्होंने कहा कि अब इंडिया अंडर 19 के कैंप से जुड़ना है और उसे जिताने की

तैयारी करनी है.

24 जून से शुरू होगा इंडिया यू19 का इंग्लैंड दौरा

अंडर-19 टीम की सीरीज 24 जून से शुरू होकर 23 जुलाई तक चलेगी. इस दौरान इंग्लैंड की अंडर-19 टीम से 50 ओवर का एक वार्मअप मैच खेलने के अलावा इंडिया की अंडर 19 टीम 5 वनडे की सीरीज और 2 मल्टी डे मैच भी खेलेगी.

जहां तक दौरे के शेड्यूल की बात है, 24 जून को 50 ओवर वॉर्मअप मैच होगा. 27 जून से 7 जुलाई के बीच 5 वनडे खेले जाएंगे. जबकि 12 से 15 जुलाई तक पहला मल्टी डे मैच वहीं 20 से 23 जुलाई तक दूसरा मल्टी डे मैच होगा.

भारत की अंडर-19 टीम के 16 खिलाड़ी

आइए एक नजर डालते हैं उन 16 खिलाड़ियों के नामों पर, जिनका सेलेक्शन इंडिया अंडर 19 टीम के लिए हुआ है.

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, एम. चवडा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान, विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, युद्धजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद इनान, आदित्य राणा, अनमोलजीत सिंह।

नीरज चोपड़ा के 90 मीटर दूर भाला फेंकने पर

पूर्व कोच ने कहा 'यह बस समय की बात थी'

नई दिल्ली, 22 (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के पूर्व कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने कहा कि इस स्टार एथलीट का 90 मीटर की बाधा पार करना बस समय की बात थी। बार्टोनिट्ज ने चोपड़ा को रचनात्मक एथलीट करार दिया जो लगातार अपने कौशल को निखारने और सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।

चोपड़ा ने पिछले सप्ताह दोहा में डायमंड लीग में 90.23 मीटर तक भाला फेंककर सत्र की शानदार शुरुआत की और आखिरकार 90 मीटर क्लब में प्रवेश किया। बार्टोनिट्ज से जब चोपड़ा की इस उपलब्धि के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पीटीआई से कहा, 'यह बस समय की बात थी (कि वह 90 मीटर भाला फेंकेगा)।'

चोपड़ा और जर्मन बायो-मैकेनिक्स विशेषज्ञ बार्टोनिट्ज पांच साल तक साथ रहे और उनकी साझेदारी बेहद सफल रही जिसके दौरान भारतीय भाला फेंक स्टार ने तोक्यो में ऐतिहासिक ओलंपिक

स्वर्ण और पिछले साल पेरिस खेलों में रजत सहित कई पदक जीते। बार्टोनिट्ज ने कहा, 'नीरज एक बहुत ही संवेदनशील एथलीट है, वह बहुत चौकस खिलाड़ी है। यह भरोसा आपको एक कोच के रूप में हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी देता है। लेकिन वह ट्रेनिंग में बहुत अधिक मानसिक प्रयास डालता है। वह नए अभ्यास की तलाश करने, अभ्यास को और अधिक कुशल बनाने, विशेष रूप से भाला फेंकने के मामले में अपनी ट्रेनिंग के प्रति बहुत रचनात्मक है।'

बार्टोनिट्ज ने कहा, 'वह बहुत अच्छी तरह से समझता है कि टूर्नामेंट की क्या जरूरत है। हम (कोच) एक रचनात्मक सोच वाला एथलीट चाहते हैं ना कि ऐसा एथलीट जो सिर्फ पूछे 'कोच आज हमें क्या करना है और बस ट्रेनिंग में चला जाए।' ओलंपिक पदकों के अलावा बार्टोनिट्ज के साथ चोपड़ा विश्व और डायमंड लीग चैंपियन भी बने तथा इसके अलावा वह एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता भी बने। लेकिन पिछले साल दोनों ने सौहार्दपूर्ण तरीके से अपने रास्ते अलग कर लिए जब सत्तर वर्षीय बार्टोनिट्ज ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने की बात कही।

तब से बार्टोनिट्ज एक सलाहकार के रूप में 'इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट' से जुड़ गए हैं और वर्तमान में हिसार परिसर में पांच दिवसीय भाला कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं जिसका समापन बृहस्पतिवार को होगा। डायमंड लीग में चोपड़ा ने तब तक बढ़त बनाए रखी जब तक जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का थ्रो नहीं फेंक दिया जिससे भारतीय खिलाड़ी दूसरे स्थान पर आ गया। बार्टोनिट्ज ने कहा, 'नीरज को प्रेरित करने की कोई जरूरत नहीं है। वह बस इतना जानता है कि यह एक खेल है। एक स्पर्धा है। (उससे बेहतर) थ्रो कभी भी आ सकता है, आपको इसका मुकाबला करने के लिए तैयार रहना होगा। लेकिन नीरज जानता है। उसे प्रेरणा की जरूरत नहीं है।'

मुकेश कुमार पर जुर्माना: दिल्ली और मुंबई मैच के दौरान आईपीएल

आचार संहिता के उल्लंघन पर मैच फीस का 10% फाइन

मुंबई, 22 (एजेंसियां)। इस मैच में दिल्ली के गेंदबाज मुकेश कुमार को आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी मिला है।

लेवल-1 के दोषी

मुकेश कुमार ने अनुच्छेद 2.2 (मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिक्सचर और फिटिंग का दुरुपयोग) के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार किया। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।

एक ओवर में दिए 27 रन

एक ओवर में मुकेश कुमार ने 27 रन दिए। 19वें ओवर में सूर्या ने पहली गेंद पर छक्का जड़ा। फिर एक रन लेकर स्ट्राइक नमन धीर को सौंप दी। अमन ने अगले चार गेंदों में 2

छक्का और 2 चौका जड़ा। उन्होंने तीसरी गेंद पर चौका, चौथी गेंद पर छक्का, पांचवी गेंद पर एक फिर सिक्स और आखिरी गेंद पर चौका जड़ा। मुकेश ने 48 रन देकर दो विकेट लिए।

दिल्ली टूर्नामेंट से बाहर मुंबई प्लेऑफ में

सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक के बाद मिचेल सेंटनर और जसप्रीत बुमराह के तीन-तीन विकेट की बदौलत दिल्ली कैपिट्स को 59 रन से हराते हुए प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली चौथी टीम बन गई।

180 रन के जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में 121 रन पर सिमट गई। मुंबई इंडियंस के लिए स्पिनर सैंटनर ने चार ओवर में महज 11 रन देकर तीन जबकि तेज गेंदबाज बुमराह ने 3.2 ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स और कर्ण शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

श्रीकांत का शानदार प्रदर्शन, मलयेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर, 22 (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को मलेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर के मैच में आयरलैंड के एनहाट गुयेन को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

श्रीकांत ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी गुयेन के खिलाफ 59 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-17 से जीत हासिल की। श्रीकांत अंतिम आठ मुकाबले में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे।

पोपोव ने दूसरे दौर के मैच में एक अन्य भारतीय आयुष शेट्टी को 21-13, 21-17 से हराकर बाहर कर दिया।

वहीं, सतीश करुणाकरण भी बाहर हो गए। उन्हें टोमा के भाई और युगल जोड़ीदार क्रिस्टो पोपोव से 14-21, 16-21 से पराजय मिली। युगल स्पर्धा में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने फ्रांस के ली पालेर्मो और जूलियन मैयो की जोड़ी के खिलाफ 21-17, 18-21, 21-15 से जीत के साथ मिश्रित स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला चीन के जियांग जेन बैंग और वेई या शिन की जोड़ी से होगा।

यूएई ने बांग्लादेश से टी-20 सीरीज जीती

7 विकेट से हराया; अलीशान शरफू ने नाबाद 68 रनों की पारी खेली

शारजाह, 22 (एजेंसियां)। शारजाह में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में यूएई ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर टी-20 सीरीज जीत ली है। यूएई ने अलीशान शरफू के प्रेशर में खेले गए नाबाद 68 रनों और हैदर अली की शानदार गेंदबाजी की बदौलत 163 रनों के टारगेट को हासिल कर लिया। यह यूएई की किसी टेस्ट खेलने वाली टीम के खिलाफ दूसरी टी20 सीरीज जीत है। इससे पहले उन्होंने 2021 में आयरलैंड को इसी अंतर से हराया था। बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए एक समय 84-8 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी, लेकिन अंतिम ओवरों में वापसी करते हुए 9 विकेट पर 162 रन बना पाई। वहीं यूएई ने 3 विकेट पर 163 रन बना कर लक्ष्य को हासिल कर लिया।

बांग्लादेश का टॉप ऑर्डर फेल

बांग्लादेश के लिए शुरुआत

खराब रही और पहले मैच में शतक लगाने वाले परवेज हुसैन इमोन खाता खोले बिना आउट हो गए। कप्तान लिटन दास ने 14 रनों की पारी खेली, तो तौहीद हृदोय भी कोई रन नहीं बना पाए।

महेदी हसन जब दो रन बनाकर आउट हुए तो टीम का स्कोर 4 विकेट पर 49 रन हो गया। इसके बाद ओपनर तंजिद हसन 18 गेंद पर 40 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। बांग्लादेश की आधी पारी 57 रनों पर सिमट गई।

हसन महमूद और शोरिफुल इस्लाम ने स्कोर 150 के पार पहुंचाया

इसके बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। जाकेर अली ने एक छोर से 41 रनों की पारी खेली, लेकिन उन्हें किसी और का साथ नहीं मिला। 84 रनों पर बांग्लादेश के 8 विकेट गिर चुके थे। जाकेर ने टीम को 100 के पार पहुंचाया। 128 पर जाकेर अली आउट हो गए। इसके बाद हसन महमूद और शोरिफुल इस्लाम ने आखिरी विकेट के लिए नाबाद 32 रन जोड़े। दोनों ने ये रन सिर्फ 10 गेंद पर बनाकर टीम को 162 रनों तक पहुंचा दिया। हैदर अली ने 4 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट लिए। साधीर खान को दो विकेट मिले।

हैदर अली ने यूएई के लिए 3 विकेट

हैदर अली ने यूएई के लिए 3 विकेट लिए। उन्होंने अपने पहले ओवर में ही दो विकेट लेकर बांग्लादेश को संकट में ला दिया।

कप्तान लिटन दास और तौहिद हृदय उनके शिकार बने। हैदर अली ने 4 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं मैतुल्लाह खान और मुहम्मद सागिर खान ने दो-दो विकेट लिए।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए जोफ्रा आर्चर

दाएं हाथ के अंगूठे में चोट; इंडिया-ए सीरीज के लिए इंग्लैंड लायंस टीम अनाउंस

लंदन, 22 (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वे आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए इंजर्ड हो गए थे, उन्हें सीधे हाथ के अंगूठे में चोट लगी। जिससे वे अब तक उबर नहीं सके और इंटरनेशनल सीरीज से बाहर हो गए।

आर्चर को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में चुना गया था। सीरीज 29 मई से शुरू होगी। आर्चर की जगह ल्यूक वुड को स्क्वॉड में जगह मिली है। ईसीबी ने इंडिया-ए के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड लांयस टीम भी अनाउंस कर दी।

4 मई को इंजर्ड हुए थे

आरआर के तेज गेंदबाज आर्चर कोलकाता के खिलाफ 4 मई को मैच के दौरान इंजर्ड हो गए थे। उन्हें सीधे हाथ के अंगूठे में चोट

लगी। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद आईपीएल को 8 दिन के लिए रोका गया। टूर्नामेंट 17 मई से फिर शुरू हुआ, लेकिन आर्चर राजस्थान से खेलने के लिए नहीं लौटे। आर्चर के साथ इंग्लैंड के सैम करन और जैमी ओवर्टन भी आईपीएल के लिए भारत नहीं आए। आर्चर ने राजस्थान के लिए 12 लीग मैचों में 11 विकेट लिए। हालांकि, उनकी टीम 14 में से 4 ही मुकाबले जीत सकी और 8 पॉइंट्स के साथ नंबर-9 पर रही।

टी-20 टीम में आर्चर का नाम नहीं

जोफ्रा आर्चर को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ही टीम में चुना गया था। फिटनेस को ध्यान में रखते हुए उन्हें टी-20 टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन अब इंजरी के कारण वे वनडे सीरीज भी नहीं खेल सकेंगे। आर्चर ने इसी साल भारत में आखिरी बार टी-20 इंटरनेशनल खेला था।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि आर्चर की मेडिकल जांच हो रही है। अगर वे फिट रहे तो आगे आने वाली सीरीज में टीम का हिस्सा बन सकेंगे। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच 3 वनडे 29 मई, 1 जून और 3 जून को खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच फिर 6 जून से टी-20 सीरीज भी शुरू होगी। इंग्लैंड फिर 20 जून से भारत के खिलाफ 5 टेस्ट खेलेगा।

इंग्लैंड लायंस टीम अनाउंस

इंडिया-ए के खिलाफ 2 अनऑफिशियल टेस्ट के लिए ECB ने इंग्लैंड लायंस की टीम अनाउंस कर दी है। क्रिस वॉक्स को भी स्क्वॉड में रखा गया। जेम्स रियू को टीम की कप्तानी सौंपी गई। रेहान अहमद को पहले मुकाबले की टीम में चुना गया। दूसरे टेस्ट में उनकी जगह जॉर्डन कॉक्स टीम का हिस्सा बनेंगे। 30 मई से दोनों टीमों के बीच सीरीज शुरू होगी।

स्क्वॉडः जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद, रेहान अहमद, सोनी बेकर, जॉर्डन कॉक्स, रॉकी फ्लिंटॉफ, इमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, जोश हल, एडी जैक, बेन मैकीनी, डैन मौसले, अजीत सिंह डेल, क्रिस वोक्स।

टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीता

फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया

ब्रेनन ने मैच का इकलौता गोल किया

खेल डेस्क, 22 (एजेंसियां)। टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने गुरुवार एथलेटिक बिलबाओ के सैन मैम्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया। इसी के साथ टॉटेनहॅम का यूरोपीय ट्रॉफी के लिए 41 साल का इंतजार खत्म हो गया। टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था। टॉटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है।

ब्रेनन ने 42वें मिनट में यह गोल किया

ब्रेनन जॉनसन ने मैच का इकलौता गोल किया। मैच में दोनों टीमों के लिए मौके बनाना मुश्किल था। हालांकि, 42वें मिनट में टॉटेनहॅम को सफलता मिल गई। ब्रेनन ने पहले हाफ (42वें मिनट) में यह गोल किया। इस जीत के साथ टॉटेनहॅम 2025-26 यूईएफए

चैंपियंस लीग के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

17 साल बाद टॉटेनहॅम ने मेजर ट्रॉफी जीती

टॉटेनहॅम ने 17 साल बाद कोई मेजर ट्रॉफी जीती है। टीम ने अपना पिछला बड़ा खिताब 2008 में जीता था, जब उन्होंने लीग कप अपने नाम किया था।

जीत का महत्व

प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड और टोटेनहम हॉस्टपर दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 37 मैचों में 39 पॉइंट के साथ यूनाइटेड 16वें और इतने ही मैच में 38 पॉइंट के साथ हॉस्टपर 17वें नंबर पर है। 20 टीमों की इस लीग में आखिरी तीन नंबर पर रहने वाली टीमों को अगले सीजन में खेलने का मौका नहीं मिलता।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय टीम का एलान, इन खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली22 (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम की घोषणा की जो सात जून से नीदरलैंड के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेली जाएगी। भारतीय टीम अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत सात और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो दो मैचों के साथ करेगी। इसके बाद 11 और 12 जून को एम्सटेलवीन में अर्जेंटीना के खिलाफ 'डबल हेडर' खेला जाएगा। फिर टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए एंटवर्प की यात्रा करेगी और 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ मैच के बाद अपना अभियान समाप्त करेगी। भारत ने इस साल के शुरू में भुवनेश्वर में प्रो लीग का घरेलू चरण खेला था जिसमें टीम ने आठ मैच में पांच जीत के साथ 15 अंक हासिल किए और अब अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हम इस बार टीम में थोड़ा और अनुभव चाहते थे और मैं टीम चयन से बहुत खुश हूं।

भुवनेश्वर चरण के बाद से भारत ने अपनी टीम को 32 से घटाकर 24 सदस्य कर दिया है। जिन खिलाड़ियों को टीम में नहीं चुना गया है उनमें डिफेंडर वरुण कुमार, मिडफील्डर मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह और

फॉरवर्ड बॉबी सिंह धमी, अरिजीत सिंह हुंडल, उत्तम सिंह, अंगद बीर सिंह और अर्शदीप शामिल हैं। फुल्टन ने कहा, 'हमने टूर्नामेंट में अब तक कोई भी मैच ड्रा नहीं किया है और मेरा मानना है कि हमें अपनी हार को ड्रा में बदलना चाहिए और फिर शूटआउट के लिए जाना चाहिए।' लीग में शीर्ष स्थान वाली टीम के 2026 पुरुष एफआईएच विश्व कप में स्थान सुरक्षित कर लेगी और भारत अपने प्रदर्शन में सुधार करने और टूर्नामेंट के बचे आठ मैच में अधिकतम अंक जीतने की उम्मीद करेगा।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा।

डिफेंडरः सुमित, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, संजय और यशदीप सिवाच।

मिडफील्डरः राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह।

फॉरवर्डः गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह।

सुमित नागल को झटका

फ्रेंच ओपन क्वालिफाइंग के दूसरे दौर में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी से हारे

नई दिल्ली, 22 (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल बुधवार को फ्रेंच ओपन एकल क्वालिफाइंग के दूसरे दौर में निचली रैंकिंग के खिलाड़ी जुरिज रोदियोनोव से 2-6, 4-6 से हारकर बाहर हो गए। नागल (170वीं रैंकिंग) रोलां गैरां में 225वीं रैंकिंग के ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी से एक घंटे 29 मिनट में पराजित हो गए। भारतीय खिलाड़ी ने क्वालिफाइंग के पहले दौर में अमेरिका के मिशेल क्रुगर को हराया था। नागल ने 2024 में चारों ग्रैंडस्लैम में हिस्सा लिया था लेकिन इस साल अब वह फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में नहीं खेल

पाएंगे। पहला सेट हारने के बाद वह दूसरे में 2-4 से पिछड़ रहे थे। पर सातवें गेम में उन्हें वापसी का मौका मिला और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाया। अगले गेम में वह फिर पिछड़ गए जिसमें उन्होंने पहले दो अंक गंवा दिए जिससे स्कोर 0-30 हो गया। लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए इसे 4-4 कर दिया। पर 10वें गेम में वह सर्विस गंवा बैठे और मैच से बाहर हो गए।

स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस का झंडा फहराया जाना चाहिए : पोन्नम प्रभाकर

मंत्री ने हुस्नाबाद स्थित हनुमान मंदिर में जाकर विशेष पूजा-अर्चना की

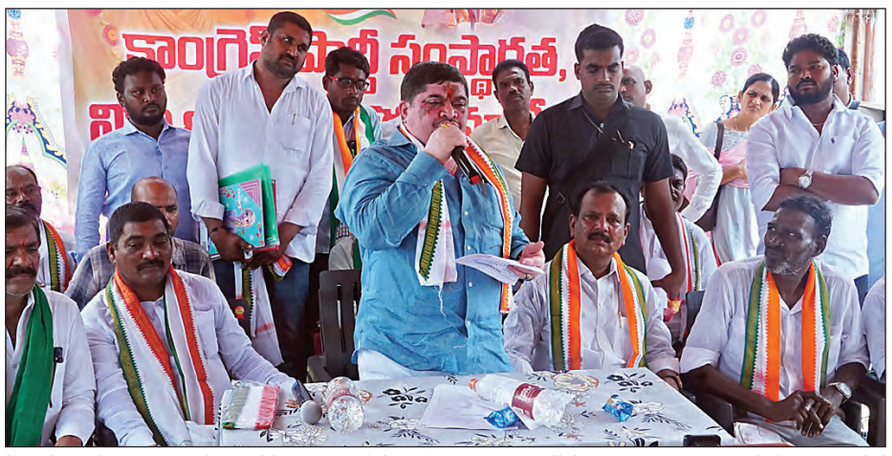

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर करीमनगर जिले के चिगुरु मंगोडी मंडल कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक निर्माण के लिए तैयारी बैठक में भाग लिया। पीसीसी पर्यवेक्षक रघुनाथ रेड्डी और नमिला श्रीनिवास को मंडल, ग्राम और ब्लॉक अध्यक्षों के पदों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को गांव स्तर पर पुनर्गठित करने के लिए मंडल बैठकें आयोजित की जा रही हैं। संसद और विधान परिषद चुनावों में मुझे बहुमत दिलाने और विधानसभा में मुझे जिताने के लिए धन्यवाद। अब आपको अपने चुनावों के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी। मैं अपने चुनावों के लिए और अधिक मेहनत करूंगा। सबको मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव स्तर पर नया खून लाया जाना चाहिए। जिन्होंने तीन साल से अधिक काम किया है उन्हें पदोन्नति मिलेगी। सरपंच, एमपीटीसी, जेडपीटीसी समेत सभी स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी का झंडा फहराया जाना चाहिए।हमने लोक प्रशासन सरकार में कई कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के 48 घंटे के भीतर, आरटीसी में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 यूनिट गैस, किसानों को दो लाख रुपये की ऋण माफी, छोटे चावल का वितरण, छोटे किसानों के लिए 500 बोनस, आरोग्य श्री के तहत 10 लाख रुपये तक का इलाज, 60 हजार नौकरियां, नए राशन कार्ड, इंदिराम्मा के घर, कितने कार्यक्रम उन्होंने शुरू किए? हमने एक ही वर्ष में 3500 इंदिराम्मा मकान दिये। यदि आप 10 वर्षों में 443 मकान देंगे तो उनमें से 220 मुलकनूर में होंगे। हम सबसे गरीब लोगों को इंदिराम्मा मकान दे रहे हैं। लाभार्थियों का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। इन्दिराम्मा घरों का दूसरा चरण दो महीने में शुरू होने वाला है। पहले चरण में हमने राज्य में 4.50 लाख इन्दिराम्मा घरों को मंजूरी दी है। पहले हम सड़क पर चावल बेचा करते थे। अब हम बढ़िया चावल मांगते हैं और खरीदते हैं। हम गांवों में सीसी सड़कें और पेयजल की समस्या मुक्त कर रहे हैं। अगर कोई हैदराबाद में काम की तलाश में है, तो हम हुस्नाबाद के लोगों को प्राथमिकता दे रहे हैं। हुस्नाबाद का मतलब है, जहां भी हम जाएं, सम्मान बढ़ाना। आपका बच्चा विकसित हो रहा है और सभा में प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। अगर मुझे और अधिक ताकत हासिल करनी है तो मुझे स्थानीय निकाय चुनावों में सभी सीटें जीतनी होंगी। सरकार द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रमों को गांवों में हर घर तक पहुंचाया जाना चाहिए। जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। हमें सम्मान तभी मिलेगा जब पार्टी मजबूत होगी और सभी सीटें जीतेगी। सर्वसम्मति से ग्राम शाखा अध्यक्षों का चुनाव करें। सरपंच, एमपीटीसी, जेडपीटीसी सभी मिलकर निर्णय ले सकते हैं। सरकारी योजनाओं को लोगों तक इस तरह ले जाएं कि पार्टी सभी के लिए समावेशी बन जाए। भविष्य में कार्यक्रमों को और अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। ग्राम्य कांग्रेस पार्टी का झंडा फहराया जाना चाहिए। इसी क्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हनुमान जयंती के अवसर पर हुस्नाबाद स्थित हनुमान मंदिर में जाकर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हनुमान जयंती के अवसर पर भगवान शिव की कृपा सभी पर बनी रहे। विश्व के कल्याण के लिए भगवान हनुमान का आशीर्वाद सदैव आप पर बना रहे। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह तेलंगाना लोक प्रशासन सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों को बिना किसी बाधा के पूरा करें। मैं प्रार्थना करता हूं कि पूरे राज्य को अच्छी बारिश, अच्छी फसल और खुशहाली का आशीर्वाद मिले।

हैदराबाद मेट्रो फेज-2 को मंजूरी दी जानी चाहिए : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद/वारंगल 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने केंद्र सरकार से राज्य में तेजी से हो रहे विकास के अनुरूप रेलवे प्रणाली के विकास में पूर्ण सहयोग देने की अपील की है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए वारंगल रेलवे स्टेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग' के जरिए किया और राज्य के राजस्व, आवास और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अमृत योजना के तहत तेलंगाना में तीन रेलवे स्टेशनों का चयन करने और आज देश भर के 103 रेलवे स्टेशनों के साथ वारंगल रेलवे स्टेशन का भी वर्चुअल उद्घाटन करने के लिए बधाई दी। हैदराबाद महानगर विश्व के प्रमुख शहरों के बराबर विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार का लक्ष्य वारंगल जिले को भी इसी तरह विकसित करना है। उन्होंने काजीपेट रेलवे स्टेशन, जो दक्षिण मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के बीच स्थित है, को डिवीजन घोषित करने की अपील की। उन्होंने अनुरोध किया कि 24,500 करोड़ रुपये की लागत से 76 किलोमीटर लंबे हैदराबाद मेट्रो के दूसरे चरण के निर्माण कार्य के लिए अनुमति के साथ धनराशि यथाशीघ्र जारी की जाए। उन्होंने अनुरोध किया कि क्षेत्रीय रिंग रोड के समानांतर एक रेलवे लाइन स्वीकृत की जाए। उन्होंने अनुरोध किया कि विकाराबाद-कृष्णा रेलवे लाइन और कलवाकुर्ती-मचरला रेलवे लाइन को मंजूरी दी जाए, तथा प्रस्तावित दोर्नाकल-मिर्यालगुडा (पापाटपल्ली-जॉन पहाड़) और दोर्नाकल-गडवाल रेलवे लाइनों पर पुनर्विचार किया जाए।

शादी का झांसा देकर महिला को धोखा दिया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्मनगर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ शादी का झांसा देकर एक महिला का यौन उत्पीड़न करने और उसे गर्भवती करने का मामला दर्ज किया है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल अर्चित पी (28) नामक व्यक्ति एक साल पहले पीड़िता के संपर्क में आया था और दोनों एक-दूसरे के करीब रहने लगे थे। अर्चित ने कथित तौर पर महिला से कहा कि वह जल्द ही उससे शादी करेगा। फरवरी में महिला गर्भवती हो गई और अर्चित उसे गर्भपात के लिए अस्पताल ले गया। महिला ने बाद में पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई कि व्यक्ति ने शादी का झांसा देकर उसे धोखा दिया है। हालांकि, पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर भेज दिया। मई के मध्य में महिला ने फिर पुलिस से संपर्क किया और आरोप लगाया कि अर्पित ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अर्चित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

सरस्वती पुष्करम में किसान आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने भाग लिया

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। किसान आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने आज सुबह कालेश्वरम स्थित त्रिवेणी संगम वीआईपी घाट पर पवित्र स्नान किया। आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी, सदस्य रामरेड्डी गोपाल रेड्डी और भवानी रेड्डी ने अपने परिवार के साथ सरस्वती पुष्करम में भाग लिया। किसान आयोग के एक अन्य सदस्य गडुगु गंगाधर ने भी सरस्वती पुष्करम में भाग लिया। किसान आयोग की टीम ने वीआईपी घाट पर पुष्कर स्नान करने के बाद कालेश्वरम में मुक्तेश्वर के दर्शन किए। आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य के लोगों और किसानों की समृद्धि के लिए मुक्तेश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बताया कि सार्वजनिक प्रशासन के तहत अन्नदाताओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं। उन्होंने दक्षिण काशी के नाम से प्रसिद्ध कालेश्वर पुष्करम में भाग लेने का आह्वान किया। उन्हें इन पुष्करम में भाग लेना चाहिए, जो हर 12 साल में एक बार आते हैं, और पुष्कर स्नान करना चाहिए।

हरी खाद के बीज की मांग को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

सिद्दीपेट, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों ने गुरुवार को रैतु वेदिका के पास थोगुटा मंडल को अधिक हरी खाद के बीज आवंटित करने की मांग को लेकर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। किसानों ने आगे आरोप लगाया कि सरकार ने हरी खाद के बैग की कीमत 1,100 रुपये से बढ़ाकर 2,200 रुपये कर दी है, जिससे किसानों पर बोझ बढ़ गया है। बीआरएस मंडल अध्यक्ष जीदीपल्ली राम रेड्डी ने कहा कि सरकार ने पूरे थोगुटा मंडल के लिए सिर्फ 200 बैग हरी खाद के बीज आवंटित किए हैं जो एक गांव की जरूरतों के लिए भी पर्याप्त नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार ने कर्ज माफी और रैतु भरोसा से इनकार करके किसानों को धोखा दिया है।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों ने सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालय की छात्राओं से मुलाकात की

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों ने सरूर नगर स्थित विक्टोरिया होम स्थित सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालय की छात्राओं से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। उन्होंने छात्रावास के विद्यार्थियों में अपने लक्ष्य प्राप्ति के प्रति आत्मविश्वास पैदा किया। वर्तमान मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना जेकोवा सहित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 107 प्रतिभागियों ने आज सुबह सरूरनगर स्थित विक्टोरिया होम का दौरा किया और यहां सरकारी छात्रावास में रहने वाली छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति तभी शक्तिशाली बन सकता है जब वह शिक्षा के साथ-साथ ज्ञान अर्जन और कड़ी मेहनत के दर्शन में भी उत्कृष्टता हासिल करे। प्रतियोगियों ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने लक्ष्य तभी प्राप्त कर सकेंगे, जब उनके मन में ऊंचे पदों पर पहुंचने के मजबूत सपने होंगे। इस अवसर पर मिस वर्ल्ड प्रतिनिधियों ने विक्टोरिया होम की छात्राओं को उनके दैनिक जीवन में उपयोगी विभिन्न उपहार एवं वस्तुएं भेंट कीं। इस अवसर पर मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों ने प्रस्तुति दी तथा विक्टोरिया होम के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से स्थापित कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मिस वर्ल्ड चेयरमैन मोरले, पर्यटन निदेशक हनुमंतु, राचकोंडा सीपी, एससी कल्याण अतिरिक्त निदेशक उमादेवी श्रीनिवास रेड्डी, जीएचएमसी जोनल कमिश्नर और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बारिश से भीगी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग

कविता ने की कांग्रेस सरकार से मांग

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने धान खरीद में देरी करने और बेमौसम बारिश से बर्बाद हुए धान के किसानों की अनदेखी करने के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने मांग की कि सरकार बिना किसी देरी के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बारिश से भीगी फसल की खरीद के लिए तत्काल कदम उठाए। कविता ने एक बयान में कहा कि सरकार द्वारा समय पर फसल की खरीद न किए जाने के कारण लाखों किसान संकट में हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसान परेशान रहेंगे तो राज्य समृद्ध नहीं हो सकता। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक प्रभावित किसान को सहायता दी जाए तथा चेतावनी दी कि निरंतर निष्क्रियता से तेलंगाना में कृषि संकट और बढ़ेगा।

सरस्वती पुष्करम के आठवें दिन भी श्रद्धालुओं की भीड़ जारी

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती नदी पुष्कर महोत्सव गुरुवार को अपने 8वें दिन भी भव्य रूप से जारी रहा। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु न केवल हमारे राज्य से बल्कि अन्य राज्यों से भी पुष्कर स्नान के लिए आने लगे हैं। पवित्र स्नान, विशेष प्रार्थना और जुलूसों के कारण घाटों का वातावरण भक्ति से भर जाता है। भक्तजन देवी के दर्शन करने और अपनी भक्ति दिखाने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े हैं। सुरक्षा बल, पुलिस कर्मी, चिकित्सा कर्मी और स्वयंसेवक पुष्कर स्नान के लिए कुशलतापूर्वक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना को देखते हुए अधिकारियों ने अतिरिक्त व्यवस्थाएं की हैं। यातायात नियंत्रण, जल आपूर्ति और चिकित्सा सहायता केन्द्र व्यापक रूप से उपलब्ध कराए गए। पुष्करम के समापन में अब चार दिन शेष रह गए हैं और प्रशासन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना के मद्देनजर सभी प्रबंध करने में व्यस्त है। जिला कलेक्टर राहुल शर्मा ने श्रद्धालुओं से पुष्करम में भाग लेने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

मेदक में 24 घंटों में सबसे अधिक बारिश

मेदक, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक शहर में गुरुवार सुबह 8.30 बजे पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे भारी बारिश हुई। मेदक आरडीओ कार्यालय में 11.9 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि शहर के करीब स्थित मासाईपेट में 11.2 सेमी बारिश दर्ज की गई। कुलचरम, वेल्दुरथी, चेगुंटा, तूपरान, मनोहराबाद, निज़ामपेट और अन्य मंडलों में भी भारी बारिश दर्ज की गई। मेदक शहर और मसाईपेट राज्य भर में 10 सेमी से अधिक वर्षा दर्ज करने वाले केवल दो स्थान थे।

इस बीच, संगारेड्डी और सिद्दीपेट जिलों में भी मध्यम बारिश हुई।

बंदलागुडा में ड्यूटी के दौरान सोते हुए पकड़े गए दो पुलिसकर्मी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात को बंदलागुडा में ड्यूटी के दौरान दो पुलिसकर्मी सोते हुए पकड़े गए। बुधवार रात को बंदलागुड़ा पुलिस स्टेशन में काम करने वाले कांस्टेबल शाहबाज और होमगार्ड इमरान दोनों पुलिसकर्मी पेट्रोलिंग कार ड्यूटी पर थे। सुबह करीब 3 बजे दोनों ने बंदलागुड़ा के किंग्स एवेन्यू कॉलोनी में गुटखा व्यापारी के घर के पास अपनी कार पार्क की और मेहमानों के लिए बने कमरे में सोने चले गए।

हैदराबाद पुलिस की विशेष शैडो टीम ने परिसर की जांच की तो पाया कि पुलिसकर्मी कमरे में गहरी नींद में सो रहे थे। शैडो टीम का गठन पुलिसकर्मियों की गतिविधियों पर नज़र रखने और किसी भी तरह की गड़बड़ी की सूचना उच्च अधिकारियों को देने के लिए किया गया था। पुलिस वालों ने गाड़ी सुनसान जगह पर खड़ी कर दी थी और सो गए थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि अक्सर पुलिस की गाड़ियां यहीं पर खड़ी रहती हैं और पुलिसकर्मी कमरे में सो जाते हैं। दो दिन पहले एक होमगार्ड और एक कांस्टेबल को भी पास ही स्थित एक अन्य पुलिस थाने की शैडो टीम ने पकड़ा था।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में अग्नि सुरक्षा जागरूकता सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। आपातकालीन तैयारियों को बढ़ाने के लिए एक सक्रिय प्रयास में, हैदराबाद विश्वविद्यालय में एएसपीआईआरई ने परिसर में अग्नि सुरक्षा जागरूकता सत्र और मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप, विश्वविद्यालय के छात्र और कर्मचारी एक साथ आए, जो एक सुरक्षित और लचीले नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एएसपीआईआरई की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम में आग के खतरों, सुरक्षा उपकरणों, शमन रणनीतियों और निकासी प्रक्रियाओं पर एक गहन प्रस्तुति दी गई। प्रतिभागियों को लाइव प्रदर्शन के माध्यम से अग्निशामक यंत्रों और आपातकालीन उपकरणों के उचित उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिला। स्टार्ट-अप टीमों की सक्रिय भागीदारी ने जिम्मेदारी और सुरक्षा जागरूकता की सामूहिक संस्कृति को रेखांकित किया। एएसपीआईआरई के एक प्रतिनिधि ने कहा, 'सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है।' 'हमारी स्टार्ट-अप टीमों की उत्साही भागीदारी न केवल तकनीकी नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि सुरक्षा और जवाबदेही पर आधारित कार्यस्थल वातावरण बनाने के प्रति भी उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' यह पहल नवाचार केंद्रों के भीतर सक्रिय सुरक्षा प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देती है।

एएसपीआईआरई अपने इनक्यूबेशन ढांचे में नियमित सुरक्षा अभ्यास, जागरूकता कार्यक्रम और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में एएसपीआईआरई शैक्षणिक समुदाय के भीतर नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र, संसाधन और प्रशिक्षण प्रदान करके, एएसपीआईआरई स्टार्ट-अप को सफल होने और उद्यमशीलता परिदृश्य के विकास में योगदान करने के लिए सशक्त बनाता है।

हैदराबाद और जिलों में भीषण गर्मी में बारिश से हाहाकार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मई के महीने में, जब गर्मी आमतौर पर अपने चरम पर होती है, हैदराबाद और जिलों में बुधवार शाम से गुरुवार की सुबह के बीच काफी बारिश दर्ज की गई। कुछ घंटों तक चले तूफान के चलते हैदराबाद के कुछ इलाकों जैसे बंदलागुडा में 99 मिमी तक बारिश हुई। इस बीच, मेदक के कुछ इलाकों में 119.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जैसा कि गुरुवार को तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के वर्षा आंकड़ों से पता चलता है।

हैदराबाद मौसम विभाग ने लगभग सभी जिलों में भारी बारिश और आंधी का अनुमान जताया है। बुधवार को व्यापक स्तर पर बारिश हुई और मेदक जिले के मसाईपेट में 112.5 मिमी, जन्नारम (मंचरियल) के तपालपुर में 112.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। हैदराबाद में सरूरनगर (90.6 मिमी), मलकपेट में मिलथ कम्युनिटी हॉल (91.8 मिमी), असमंगध (92.3 मिमी), अंबरपेट में पल्टन कम्युनिटी हॉल (89 मिमी) में भी उच्च वर्षा दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, 13 स्थानों पर 64 मिमी से 115 मिमी के बीच बारिश हुई।

कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

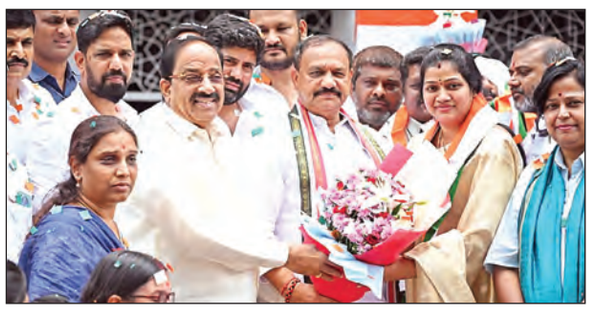

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष, सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी महेश कुमार गौड़ की अध्यक्षता में टीपीसीसी महासचिव डॉ. कोटा नीलिमा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी में बड़े पैमाने पर लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कंजरला विजयालक्ष्मी, पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण की पुत्रवधू और चंद्रकांत यादव समेत कई अन्य नेताओं को पार्टी में आमंत्रित किया। कंजरला विजयलक्ष्मी-चंद्रकांत यादव दंपत्ति के साथ-साथ बड़ी संख्या में ऐसे नेता भी हैं जो कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम में मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, सांसद अनिल कुमार यादव, विजया रेड्डी, निगम अध्यक्षों और अन्य ने भाग लिया।

वर्दी में करुणा का हुआ दर्शन, महिला को मिली मदद

हैदराबाद, 22, मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने मानवीयता का परिचय देकर एक महिला की मदद की। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू के अलर्ट पर, उप्पल पीएस राचकोंडा पुलिस ने हनुमासाई नगर में संकट में पाई गई एक बेसहारा महिला सुश्री पद्मा की तुरंत सहायता की। देखभाल और सम्मान के साथ, उसे एलेटी आश्रम, अब्दुल्लापुरमेट में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ उसे अब आश्रय और सहायता मिलेगी। पुलिस ने समाज में सबसे कमजोर लोगों की रक्षा और सेवा करने में अटूट प्रतिबद्धता दिखाई। नागरिकों ने टीम की त्वरित कार्रवाई और मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की। इस अवसर पर राचकोंडा पुलिस ने कहा कि हमारे सीपी के नेतृत्व में, राचकोंडा पुलिस सभी की सुरक्षा, सम्मान और सेवा के लिए खड़ी है। हम केवल कानून लागू नहीं करते हैं बल्कि हम मानवता के साथ खड़े हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.